THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 227 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.8 2081 शनिवार, 9 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

370 बहाली प्रस्ताव पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा

श्रीनगर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को चौथे दिन भी जमकर हंगामा हुआ। अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने आज फिर 370 की बहाली से जुड़ा पोस्टर लहराने की कोशिश की। उससे पहले विपक्ष के नेताओं ने उन्हें रोक दिया।

विधायकों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। इस बीच एक विधायक टेबल पर चढ़ गया। उधर मार्शल खुर्शीद अहमद को घसीटते हुए ले गए। इस दौरान खुर्शीद जमीन पर गिर गए। उन्हें फिर बाहर निकाल दिया गया। मार्शल ने कुछ बीजेपी विधायकों को भी बाहर किया। जिसके बाद सभी भाजपा नेता वॉकआउट कर गए।

'आतंक को बढ़ावा देने की कोशिश मत करो'

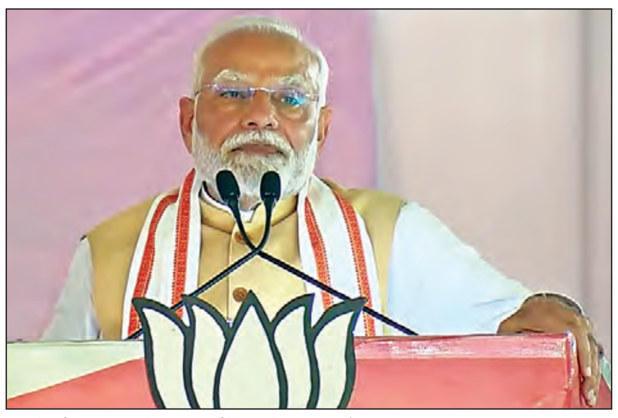

> विपक्षियों पर जमकर बरसे पीएम मोदी

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही। वैसे-वैसे राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज होती जा रही है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैली को संबोधित कर चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने सभा में आई जनता आभार जताया और इसके बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) पर जमकर बरसे।

> जब भी मांगा दिल खोलकर मिला

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र से मैंने जब भी कुछ मांगा है, महाराष्ट्र के लोगों ने दिल खोलकर मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। 2014 के विधानसभा चुनाव में मैं आपके बीच यहां धुले आया था। मैंने आपसे महाराष्ट्र में भाजपा सरकार के लिए आग्रह किया था। आपने महाराष्ट्र में 15 साल के सियासी कुचक्र को तोड़कर भाजपा को अभूतपूर्व जीत दिलाई थी। आज मैं एक बार फिर यहां धुले की धरती पर आया हूं। धुले से ही मैं महाराष्ट्र में चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहा हूं।

> महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी

पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र की जनता-जनार्दन ने विधानसभा चुनाव में भाजपा नित एनडीए की विजय का शंखनाद कर दिया है। विकसित महाराष्ट्र-विकसित भारत के लिए हमारी बहनों-बेटियों का जीवन आसान बनाना, उन्हें सशक्त करना बहुत जरूरी है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो पूरा समाज तेजी से प्रगति करता है। इसलिए, पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने महिलाओं को केंद्र में रखकर बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा, भाजपा ने हमेशा 'सबका साथ-सबका विकास' की नीयत से काम किया है। इस संकल्प का प्रमुख हिस्सा हमारा आदिवासी समाज भी है। ये वो समाज है, जिनका देश की आजादी में, देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। लेकिन कांग्रेस और उसके साथियों ने कभी आदिवासी गौरव, आदिवासी स्वाभिमान पर ध्यान नहीं दिया।

> कांग्रेस और अघाड़ी

उन्होंने आगे कहा, पूरा महाराष्ट्र देख रहा है कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले लोग अब महिलाओं को किस तरह गाली देने पर उतर आए हैं। कैसी-कैसी अभद्र भाषा, कैसे-कैसे कमेंट, महिलाओं को नीचा दिखाने की कोशिश। महाराष्ट्र की कोई माता-बहन कभी भी अघाड़ी वालों के इस कृत्य को माफ नहीं कर सकती।

देश तोड़ने की ताक में कांग्रेस, संविधान का अपमान : भाजपा

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की राजनीति से जुड़े अहम सवालों पर एक बार फिर आमने-सामने हैं। कांग्रेस की तरफ से जम्मू-कश्मीर विधानसभा में लाए गए एक प्रस्ताव को समर्थन देने की घटना को भाजपा ने देश के विभाजन का प्रयास बताया है। तेलंगाना में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा, कांग्रेस ने कल जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव को सामरिक समर्थन दिया। इसका उद्देश्य भारत को विभाजित करना है। कांग्रेस पार्टी ने हमारे संविधान का अपमान किया है। सीआर केसवन ने कहा कि कांग्रेस ने न केवल देश की संसद का अपमान किया है, बल्कि उसने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की भी अवहेलना की है। उन्होंने यासीन मलिक की पत्नी के पत्र को लेकर भी सवाल खड़े किए।

सीजेआई चंद्रचूड़ का आखिरी वर्किंग डे, 45 केस सुने

'अगर मैंने किसी का दिल दुखाया हो तो माफी चाहूंगा'

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ रविवार को पद से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन 9 और 10 तारीख को शनिवार व रविवार को कोर्ट की छुट्टी रहेगी। इसलिए, उनके सम्मान में विदाई समारोह आज ही आयोजित किया गया। सुप्रीम कोर्ट में आज उनका अंतिम कार्य दिवस है। 10 नवंबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की सेवानिवृत्ति के बाद न्यायमूर्ति संजीव खन्ना उनका स्थान लेंगे। वह देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 9 नवंबर 2022 को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। 13 मई 2016 को उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय से पदोन्नत किया गया था।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने विदाई समारोह के मौके पर भावुक होते हुए कहा, रात को मैं सोच रहा था कि दोपहर दो बजे कोर्ट खाली होगा और मैं स्क्रीन पर खुद को देख रहा होउंगा। आप सभी की मौजूदगी से मैं अभिभूत हूं। सीजेआई ने कहा, जब मैं छोटा था, तो सुप्रीम कोर्ट में आकर यहां की कार्यवाही और कोर्ट में लगी दो तस्वीरों को देखता था। उन्होंने कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट में भी न्यायमूर्ति चागला का बहुत प्रभाव था। उन्होंने आगे कहा, हम सभी यहां यात्रियों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए आते हैं, अपना काम करते हैं और फिर चले जाते हैं। कोर्ट के रूप में यह संस्थान हमेशा चलता रहेगा और इसमें विभिन्न विचारों वाले लोग आते रहेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे बाद न्यायमूर्ति खन्ना इस संस्थान को मजबूती और गरिमा के साथ आगे बढ़ाएंगे। सीजेआई ने यह भी बताया कि वह न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ बैठकर काम करने के अनुभव को बहुत याद करेंगे। उन्होंने कहा, यही कोर्ट है, जो मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। >14

तिरुपति लड्डू विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू विवाद की सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। दरअसल, याचिका में पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान तिरुमाला तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के संबंध में टीडीपी वाली आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन 'ग्लोबल पीस इनीशिएटिव' के अध्यक्ष केए पॉल की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा, आपकी प्रार्थना के अनुसार हमें सभी मंदिरों, गुरुद्वारों आदि के लिए अलग-अलग राज्य बनाना होगा। हम यह निर्देश नहीं दे सकते कि किसी विशेष धर्म के लिए एक अलग राज्य बनाया जाए। इसलिए हम इस याचिका को खारिज करते हैं। पॉल ने अपनी याचिका में लड्डू प्रसादम की खरीद और इसकी तैयारी में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से व्यापक जांच कराने की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने करोड़ों लोगों की भावनाओं को शांत करने के लिए तिरुपति के लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए गए पशुओं की चर्बी के आरोपों की जांच के लिए चार अक्टूबर को पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। पीठ ने निर्देश दिया था कि स्वतंत्र एसआईटी में सीबीआई और आंध्र प्रदेश पुलिस के दो-दो अधिकारी तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। >14

मणिपुर के जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा

इंफाल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के जिरिबाम जिले में सशस्त्र उग्रवादियों के एक समूह ने कम से कम छह घरों में आग लगा दी और एक आदिवासी गांव के निवासियों पर हमला कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार शाम को जैरों हमार गांव में हुई, जब आतंकवादियों के समूह ने घरों में आग लगा दी। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि कई ग्रामीण हमले के दौरान भागने में सफल रहे और उन्होंने पास के जंगल में शरण ली है।

मूसी प्रदूषण परमाणु बम से भी ज्यादा खतरनाक : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि जो मुसी कभी अच्छा पानी देती थी, वह अब नाबदान बन कर जहर उगल रही है। मुसी जलग्रहण क्षेत्र के लोग पीड़ित हैं क्योंकि शासकों ने बदला लिया है। इस इलाके में खेती के लिए कोई स्थिति नहीं है। यहां के तालाबों में मछलियों के जीवित रहने की कोई स्थिति नहीं है। आज नालगोंडा जिले में मुसी नदी की पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विपक्षी दलों पर जमकर बरसे। भारी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां फसल होने की स्थिति नहीं है। यहां के लोग डेयरी फसलों से बहुत खुशी से रहते थे। अब जमीन बेचने की स्थिति आ गई है। बीआरएस नेता लोगों को लूटने के अलावा उनका भला करना नहीं जानते है। उन्होंने कहा कि इसीलिए वे मुसी विकास को रोकने की कोशिश कर रहे हैं कम्युनिस्ट भाइयों को धन्यवाद जिन्होंने कहा कि वे मुसी के शुद्धिकरण के पक्ष में खड़े रहेंगे। सीएम ने कहा कि मुसी प्रदूषण से यहां के लोगों को परमाणु बम से भी ज्यादा खतरा होने वाला है। मुसी, जिसे वरदान माना जाता था, अभिशाप में तब्दील होती जा रही है। इसलिए आपको मूस की सफाई के बारे में सोचना चाहिए। >14

महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी से चुनाव आयोग नाराज

अधिकारियों से कहा-ऐसे लोगों के खिलाफ करें कठोर कार्रवाई

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान में महिलाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है। इलेक्शन कमीशन ने अधिकारियों से साफ लहजे में कहा कि वो ऐसे लोगों से सख्ती से निपटें जो महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि जिला चुनाव अधिकारियों, पुलिस आयुक्तों, एसपी, नगर आयुक्तों और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान सीईसी ने महिलाओं की गरिमा और सम्मान के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की और नाराजगी जताई। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से कहा कि वो उनको ऐसे किसी भी कार्य, कार्रवाई या बयान से बचना है। जो महिलाओं की गरिमा या उनके सम्मान को चोट पहुंचाते हों। सूत्रों के अनुसार राजीव कुमार ने कहा कि अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के किसी भी पहलू, सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़े नहीं होने की आलोचना नहीं की जानी चाहिए। सीईसी ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि महिलाओं के सम्मान और गरिमा के विरूद्ध कोई भी अपमानजनक टिप्पणी करने पर समय रहते कड़ी कार्रवाई की जाए।

'शरद पवार साहब, आपकी चार पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं' अमित शाह की चेतावनी

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं। महाराष्ट्र के शिराला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग की गई है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है। आज मैं संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं- शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा के पहले ही सत्र में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव को पेश करने के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और इसे लेकर भाजपा और सत्ताधारी दल के विधायकों में हाथापाई भी हो गई। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी विपक्ष पर निशाना साधा है।

पीएम मोदी का वादा-पत्थर की लकीर :

शाह ने कहा कि ये अघाड़ी वाले न देश को सुरक्षित कर सकते हैं, न देश का सम्मान बढ़ा सकते हैं। अगर ये काम करना है, तो पीएम मोदी का हाथ मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी का वादा पत्थर की लकीर है, जबकि कांग्रेस पार्टी तो वादा करके खुद ही भूल जाती है। उन्होंने न कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और न ही तेलंगाना में अपने वादे पूरे किए हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रभु श्रीराम 500 साल से टेंट में बैठे थे। कांग्रेस पार्टी राम मंदिर को अटका रही थी, प्रधानमंत्री मोदी आए तो पांच साल में ही उन्होंने भूमिपूजन भी किया और राम मंदिर का निर्माण करा प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी।

वक्फ संपत्ति को लेकर बोले महा विकास अघाड़ी पर हमला :

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी वक्फ बोर्ड में बदलाव का बिल लाए और विपक्ष उसका विरोध कर रहा है। कर्नाटक के वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव को, मंदिर और किसानों की जमीन समेत, वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया। मैं पवार साहब से, उद्धव जी से पूछता हूं, आप वक्फ का विरोध करेंगे? अगर महा विकास अघाड़ी की सरकार आ गई, तो ये किसानों की जमीन वक्फ के नाम कर देंगे।

आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जवाब मांगा

डीके शिवकुमार-कर्नाटक सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार से जुड़े मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया। बता दें कि राज्य सरकार ने सीबीआई जांच के लिए दी गई सहमति वापस ले ली है। जांच की सहमति वापस लेने से असंतुष्ट सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। इस अपील पर शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने राज्य सरकार और डीके शिवकुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह मामला आय से अधिक संपत्ति से जुड़ा है। बता दें कि साल 2019 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच को मंजूरी दी थी। सरकार बदलने के बाद नवंबर, 2023 में कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार ने कहा कि डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच की सहमति का फैसला कानून के मुताबिक गलत है। बता दें कि इस मामले में याचिकाकर्ता भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल हैं। बसनगौड़ा ने सिद्धारमैया सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट से पहले कर्नाटक हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने याचिका को सुनवाई योग्य नहीं माना। अब सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कर्नाटक सरकार और डीके शिवकुमार से जवाब मांगा है।

प्रधानमंत्री को मेरी बातें देश तोड़ने वाली लगती हैं : राहुल

देश में इस समय दो विचारधाराएं, हम संविधान के रक्षक तो वे खत्म करने वाले

रांची, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को झारखंड के ईसाई बहुल सिमडेगा से विधानसभा चुनाव सभा की शुरूआत की। गांधी मैदान में 28 मिनट के भाषण में उन्होंने आदिवासी, अंबानी-अडाणी और संविधान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हम आदिवासियों, दलितों और पिछड़े की हक की बात करते हैं। इस पर मोदी जी कहते हैं कि राहुल गांधी देश तोड़ने वाली बात करता है। इस समय देश में दो विचारधाराएं हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं, जबकि वे खत्म करना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने लोहरदगा में भी जनसभा की। झारखंड में दो चरणों 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। पहले फेज में 43 सीटें और दूसरे फेज में 38 सीटों पर वोट पड़ेगा। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा।

राहुल गांधी का पूरा भाषण...

> आदिवासी का मतलब समझाया : राहुल गांधी ने कहा कि हम लोग आपको आदिवासी कहते हैं और बीजेपी वाले वनवासी कहते हैं। अंग्रेज भी आपको वनवासी कहते थे। आदिवासी का मतलब है जो इस देश, धरती के पहले निवासी थे। जल, जंगल और जमीन पर आपका हक है। वनवासी का मतलब होता है आपका जल, जंगल और जमीन का कोई अधिकार नहीं है। आप जंगल में रहते हो इसलिए आपको अधिकार नहीं मिलेगा। वो चाहते हैं कि आपको शिक्षा न मिले। आपके बच्चे डॉक्टर-इंजीनियर न बनें, प्लेन ना उड़ाए।

> संविधान बचाने की बात : आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक तरफ- इंडिया गठबंधन, दूसरी तरफ- बीजेपी और आरएसएस। जहां इंडिया गठबंधन के लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, वहीं बीजेपी-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है। इसमें बिरसा मुंडा जी, अंबेडकर जी, फुले जी और महात्मा गांधी जी की सोच है। ये संविधान देश के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, गरीबों की रक्षा करता है। इसलिए इंडिया गठबंधन चाहती है कि देश को संविधान के माध्यम से चलाया जाए। उन्होंने लोगों से वादा किया कि हमारी सरकार आएगी तो अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे।

> अडाणी-अंबानी के बहाने मोदी सरकार पर हमला : उन्होंने बड़े लोगों की कर्ज माफी का जिक्र कर मोदी सरकार पर हमला बोला। कहा कि ये अडाणी-अंबानी की सरकार है। ये सिर्फ उनके फायदे के लिए काम करते हैं। हमारी योजना में सिर्फ गरीब लोगों की बातें होती है। देश में करीब 50 प्रतिशत ओबीसी, 15 प्रतिशत दलित, 8 प्रतिशत आदिवासी और 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। ये आबादी कुल 90 प्रतिशत है। लेकिन आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा।

भाजपा ने चुनाव आयोग को लिखी चिट्ठी

टीएमसी नेता फिरहाद हाकिम पर पाबंदी लगाने की मांग

कोलकाता, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस आमने-सामने हैं। भाजपा ने तृणमूल नेता फिरहाद हाकिम के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। भाजपा ने महिला नेता के साथ अभद्र आचरण का आरोप लगाते हुए मांग की है कि हाकिम को पूरे पश्चिम बंगाल में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। भाजपा ने चुनाव आयोग को इस संबंध में पत्र भी भेजा है। पार्टी ने कहा कि फिरहाद हाकिम का बयान आपत्तिजनक है और आगामी उपचुनाव को देखते हुए उन पर पाबंदी लगाई जाए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। इसमें तालडंगरा, सिताई, नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और मदरीहाट सीट शामिल है। चुनाव मैदान में 42 उम्मीदवार दम भर रहे हैं। इसके अलावा राज्य के ही एक अन्य अहम घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

एएमयू अल्पसंख्यक दर्जे पर नई बेंच फैसला करेगी

सुप्रीम कोर्ट ने 1967 का फैसला पलटा, जिसमें कहा था यह सेंट्रल यूनिवर्सिटी-माइनॉरिटी इंस्टीट्यूट नहीं

गाजियाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे पर फैसला अब 3 जजों की नई बेंच करेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 4:3 के बहुमत से 1967 के अपने ही फैसले को पलट दिया।

1967 में सुप्रीम कोर्ट ने अजीज बाशा बनाम केंद्र सरकार के केस में कहा था कि केंद्रीय कानूनों के तहत बना संस्थान अल्पसंख्यक संस्थान का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा था कि एएमयू सेंट्रल यूनिवर्सिटी है। इसकी स्थापना न तो अल्पसंख्यकों ने की थी और न ही उसका संचालन किया था। 8 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई संस्थान सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक का दर्जा नहीं खो सकता, क्योंकि उसे केंद्रीय कानून के तहत बनाया गया है। अब नई बेंच यह फैसला करेगी कि एएमयू अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 3 जजों की नई बेंच को निर्देश दिया कि इस बात की जांच करे कि इस यूनिवर्सिटी की स्थापना किसने की, इसके पीछे किसका दिमाग था। अगर यह सामने आता है कि इसके पीछे अल्पसंख्यक समुदाय था, तो आर्टिकल 30 के तहत एएमयू अल्पसंख्यक दर्जे का दावा कर सकती है। ताजा विवाद 2005 में शुरू हुआ, जब एएमयू ने खुद को अल्पसंख्यक संस्थान माना और मेडिकल के पीजी कोर्सेस की 50 प्रतिशत सीटें मुस्लिम छात्रों के लिए आरक्षित कर दीं। हिंदू छात्र इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट ने एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना। इसके खिलाफ एएमयू सुप्रीम कोर्ट गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में इस मामले को 7 जजों की संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर दिया था।

दिव्यांगों के लिए अनिवार्य पहुंच मानक करें स्थापित, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को तीन महीने के भीतर अनिवार्य पहुंच मानकों को लागू करने का निर्देश दिया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगों के लिए सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच में सुधार करना है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने यह आदेश 15 दिसंबर, 2017 को एक फैसले में अदालत की तरफ से जारी किए गए पहुंच निर्देशों पर धीमी प्रगति के जवाब में दिया है। इस पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे, जिसने दिव्यांगों के लिए सार्वजनिक स्थानों तक 'सार्थक पहुंच' की जरूरत को रेखांकित किया और दो-आयामी दृष्टिकोण को अनिवार्य किया। मौजूदा बुनियादी ढांचे को पहुंच मानकों के अनुकूल बनाना और यह सुनिश्चित करना कि सभी नए बुनियादी ढांचे को शुरू से ही समावेशी बनाया जाए।

आतंकियों के लिए काल बने सुरक्षाबल

5 मुठभेड़ में 8 दहशतगर्द ढेर

जम्मू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में इस महीने के पहले हफ्ते में विभिन्न जिलों में सुरक्षाबलों और मिलिटेंट्स के बीच 5 बड़ी मुठभेड़ देखी गई, जिसमें सुरक्षाबलों ने 8 मिलिटेंट्स को ढेर करने में सफलता हासिल की हैं। सुरक्षाबलों ने जिन 8 के 8 मिलिटेंटस को मारा वो कोई न कोई टॉप रैंक के थे और प्रारंभिक जांच में यह पाया गया हैं कि इन 8 मिलिटेंटस में से 7 विदेशी मूल के थे, पाकिस्तानी थे। श्रीनगर के खानयार में सुरक्षाबलों ने लश्कर (टीआरएफ) के बड़े कमांडर उस्मान लश्करी को 2 नवंबर को मार गिराया, यह पाकिस्तानी मूल का कमांडर था और लश्कर के साथ बीते 20 वर्षों से जुड़ा हुआ था। इसी दिन अनंतनाग के लारनू कोकरकरनाग में सुरक्षाबलों ने 2 मिलिटेंटस को मार गिराया जिन में एक अरबाज नामी स्थानीय मिलिटेंट और एक पाकिस्तानी मूल का मिलिटेंट था। अरबाज पहले जम्मू और फिर कश्मीर में जैश के शैडो नेटवर्क पीएएफएफ के साथ जुड़ा हुआ था।

8 आंतकवादी ढेर

नॉर्थ कश्मीर के बांडीपोरा के केट्सन में एक मुठभेड़ में सेना ने एक पाकिस्तानी मूल के मिलिटेंट को मार गिराया जिस के पास से अमरीकी राइफल एम4 भी बरामद हुई जोकि टॉप कमांडरस के पास आम तौर पर हुआ करती हैं। 5 नवंबर को ही कुपवाड़ा के लोलाभ जंगलों में एक और मुठभेड़ में सेना ने एक पाकिस्तानी मूल के मिलिटेंट को मार गिराया जिसके पास से असलह बारूद की एक बड़ी खेप बरामद की गई। 7 नवंबर को बारामुला के सोपोर के पानीपोरा में सुरक्षाबलों और मिलिटेंटस के बीच मुठभेड़ में अभी तक 2 मिलिटेंट मारे गए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चल पाया है कि यह स्वाभाविक तौर पर पाकिस्तानी मूल के हैं।

आखिर क्यों मारे जा रहे विदेशी आतंकी?

कश्मीर में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बीच कोई भी मिलिटेंट घटना नहीं देखी गई, जबकि 2019 के बाद से छुटपुट घटनाओं का मिलिटेंसी ग्राफ सबसे डाउन रिकॉर्ड हुआ जोकि जानकारों के अनुसार मिलिटेंट संगठनों के बीच काफी खल रहा हैं और उनके द्वारा कोशिश की जा रही हैं कि इस माहौल को खराब किया जाए। सुरक्षा जानकारों की माने तो अब सर्दी का मौसम जैसे-जैसे करीब आरहा हैं सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें तेज होंगी। वहीं पर जो मिलिटेंट कमांडर यहां बचे हुए हैं उन पर सीमा पार से दबाव बनाया जा रहा हैं कि वह अपनी गतिविधियों को तेज करें जिसके नतीजे में वह मजबूत सुरक्षा चक्र में फंस रहे हैं और मारे जा रहे हैं। सुरक्षा जानकारों के अनुसार अभी स्थानीय लोगों की मिलिटेंट संगठनों में भर्ती ना के बराबर देखी जारही हैं और पुराने बचे लोकल मिलिटेंट भी बहुत कम हैं

भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार को आर्थिक प्रगति में बाधक बताया और कहा कि इसका व्यापक प्रभाव देश की एकता और अखंडता पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इस बीमारी की जड़ तक जाना होगा। केवल लक्षणों के जरिये इसे ठीक करना प्रभावी नहीं होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देगी। राष्ट्रपति आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के सतर्कता जागरुकता सप्ताह समारोह को संबोधित कर रही थीं। सीवीसी हर वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाता है। उन्होंने कहा कि सतर्कता जागरुकता सप्ताह का इस वर्ष का सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय अत्यंत उपयोगी है। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ मंच पर सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर (सीवीसी) पीके श्रीवास्तव, विजिलेंस कमिश्नर ए.एस। राजीव और सीवीसी सचिव पी। डेनियल उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने कहा कि अगर कोई भी काम सही भावना और दृढ़ संकल्प के साथ किया जाए तो सफलता निश्चित है। कुछ लोग गंदगी को ही हमारे देश की नियति मानते थे लेकिन मजबूत नेतृत्व, राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिकों के योगदान से स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी तरह कुछ लोगों द्वारा भ्रष्टाचार के उन्मूलन को असाध्य मान लेना एक निराशावादी दृष्टिकोण है। पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों का हवाला देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से कल्याणकारी सहायता के वितरण में पारदर्शिता आई है। उन्होंने सार्वजनिक खरीद में ई-टेंडरिंग के प्रावधान और ई-मार्केट प्लेस का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सरकार ने 12 अरब डॉलर से अधिक की संपत्तियां जब्त की हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति से भ्रष्टाचार जड़ से समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से मुक्ति का कार्य भी देश की स्वच्छता के अभियान का ही एक रूप है।

सलमान रुश्दी की विवादित किताब

'द सैटेनिक वर्सेज' के इंपोर्ट से हटा बैन, दिल्ली एचसी ने कहा, नहीं मिला कोई नोटिफिकेशन

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सलमान रुश्दी की विवादास्पद किताब 'द सैटेनिक वर्सेज' के इम्पोर्ट मामले पर आज सुनवाई की। दरअसल राजीव गांधी ने 1988 में सलमान रुश्दी की विवादास्पद किताब 'द सैटेनिक वर्सेस' के इम्पोर्ट पर बैन लगाया था। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जस्टिस रेखा पल्ली और सौरभ बनर्जी की बेंच ने यह फैसला बीते 5 नवंबर को सुनाया था। अदालती आदेश के अनुसार, "भारत सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आयात प्रतिबंध आदेश सही नहीं था, इसलिए इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सका। कोर्ट ने कहा कि अफसर बैन को लेकर कोई भी नोटिफिकेशन पेश करने में नाकाम रहे। इससे माना जा सकता है कि बैन का आदेश मौजूद ही नहीं है। अदालत ने कहा कि उसके पास यह मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है कि ऐसी कोई अधिसूचना मौजूद नहीं है।

'सरकारी वेबसाइटों पर बैन को लेकर नहीं मिला आदेश'

याचिकाकर्ता संदीपन खान के वकील उद्यम मुखर्जी ने कहा, प्रतिबंध 5 नवंबर को हटा लिया गया है क्योंकि कोई अधिसूचना नहीं है। खान की याचिका में आगे कहा गया है कि उन्होंने किताब की दुकानों पर यह बताए जाने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया कि उपन्यास को भारत में बेचा या आयात नहीं किया जा सकता है और फिर जब उन्होंने खोजा, तो उन्हें सरकारी वेबसाइटों पर आधिकारिक आयात प्रतिबंध आदेश नहीं मिला।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पलटा फैसला

बेंच में सुनवाई के दौरान जस्टिस सौरभ बनर्जी भी शामिल थे। कोर्ट ने, यहां तक कि अदालत में भी सरकार आदेश पेश करने में असमर्थ रही है। 'उपर्युक्त परिस्थितियों के मद्देनजर, हमारे पास यह मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है कि ऐसी कोई अधिसूचना मौजूद नहीं है, और इसलिए, हम इसकी वैधता की जांच नहीं कर सकते और रिट याचिका को निष्फल मानकर उसका निपटारा करते हैं।'

आईपीएस रूपा बनाम आईएएस रोहिणी: सुप्रीम कोर्ट के कहने पर भी नहीं हो सका दो महिला अफसरों का समझौता

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी रोहिणी सिंधुरी ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी डी रूपा मौदगिल के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इसी के बाद हाल ही में मामले की कोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में दोनों महिला अफसरों को समझौता करने के लिए कहा था, लेकिन समझौता नहीं हो सका और आईपीएस ने याचिका वापस लेने की मांग की जिसको कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और याचिका वापस लेने की मंजूरी दे दी। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की और मामले को वापस लेने की अनुमति दे दी। बेंच ने मामले को वापस लेने की अनुमति तब दी जब उन्हें बताया गया कि पक्षकार मामले को निपटाने के लिए किसी समझौते पर पहुंचने में असमर्थ हैं और मामले में मुकदमा चलाया जाएगा।

कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पक्षों को यह तय करने के लिए समय दिया था कि क्या वो मामले को सुलझा सकते हैं। जस्टिस ओका ने कहा, नोटिस इसलिए जारी किया गया क्योंकि एक आईपीएस और आईएएस अधिकारी के बीच विवाद हो गया है और हमने सोचा कि आप दोनों को इसको हल करने के लिए समझौता कर लेना चाहिए। कोर्ट ने कहा, हमने मध्यस्थता के लिए कहा, क्योंकि वरिष्ठ नौकरशाह अपने काम के बजाय वकीलों के कार्यालय में ज्यादा समय बिता रहे हैं। आईपीएस रूपा मौदगिल तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील आदित्य सोंधी पेश हुए और आईएएस सिंधुरी की तरफ से वरिष्ठ वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने पेश हुए। वकील लूथरा ने समझौते को लेकर तर्क दिया कि वो समझौते की बात को खारिज करते हैं क्योंकि आईएएस सिंधुरी की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान हुआ है। आईएएस सिंधुरी अदालत में मौजूद थीं। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि वह समझौते में रुचि नहीं रखती हैं और चाहती हैं कि मामले का फैसला मैरिट के आधार पर किया जाए।

दोनों महिला अफसरों के बीच क्या है विवाद?

पिछले साल 18 फरवरी को आईएएस सिंधुरी ने आईपीएस मौदगिल के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। सिंधुरी को पता चला था कि कथित तौर पर आईपीएस मौदगिल ने फेसबुक पोस्ट में उनके खिलाफ कई आरोप लगाए हैं और उनकी निजी फोटो भी साथी आईएएस अधिकारियों के साथ शेयर की है। इससे दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से विवाद हुआ, जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने दोनों अधिकारियों का तबादला कर दिया था।

आईएएस ने भेजा कानूनी नोटिस

इसके बाद सिंधुरी ने मौदगिल को कानूनी नोटिस भेजा और बिना शर्त माफी मांगने और अपनी प्रतिष्ठा और मानसिक पीड़ा के नुकसान के लिए 1 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा था। 24 मार्च को बेंगलुरु की एक अदालत ने मौदगिल के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला शुरू करने का आदेश दिया, जिसके बाद उन्होंने इसे रद्द करने के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट का रुख किया था। 21 अगस्त को हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद वर्तमान अपील दायर की गई।

कोर्ट ने दिया समझौते का समय

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पूछा कि आईपीएस की सोशल मीडिया पोस्ट पर आईएएस के खिलाफ आरोप लगाने के पीछे क्या मंशा थी। इसको लेकर आईपीएस की वकील ने कहा, मौदगिल आईएएस सिंधुरी के गलत कृत्यों के खिलाफ जानकारी दे रही थी। हालांकि, जज अमानुल्लाह ने इस पर कहा, मान लीजिए कि आपके मुवक्किल (मौदगिल) को सिंधुरी से ऐसी कोई शिकायत थी, तो आप विभाग के अंदर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही जज ने इस बात पर जोर दिया कि क्या यह दोनों आमने-सामने बैठ कर इस मामले पर बात कर सकते हैं। हालांकि, समय दिए जाने के बावजूद, सोंधी ने अदालत से कहा कि वह याचिका वापस ले लेंगे, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। इसी के चलते कोर्ट ने आईपीएस मौदगिल को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

फांसी के फंदे में झूलता मिला जीडीसी कॉलेज की छात्रा का शव

शहडोल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। शहडोल जिले में कॉलेज के लिए घर से निकली एक छात्रा का शव दो दिन बाद नदी किनारे एक पेड़ से लटका हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। घटना गोहपारू थाना क्षेत्र के चुंदी नदी के पास की है। बताया गया है कि 22 वर्षीय छात्रा शादीशुदा थी और शहडोल के जीडीसी कॉलेज में पढ़ाई करती थी। वह 5 नवंबर को गोहपारू स्थित अपने घर से कॉलेज के लिए निकली थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने छात्रा के कॉलेज के दोस्तों से संपर्क किया तो पता चला कि वह उस दिन कॉलेज ही नहीं आई थी। इसके बाद परिजन परेशान हो गए, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से उसके बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। गोहपारू थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि छात्रा कॉलेज की यूनिफॉर्म में घर से निकली थी, लेकिन उसका शव सिविल ड्रेस में फांसी के फंदे से लटका मिला है। मामले की जांच की जा रही है। छात्रा गोहपारू थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली थी। मर्ग कायम कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'प्रमोद महाजन की हत्या एक बड़ी साजिश', बेटी का चौंकाने वाला दावा, जांच के लिए शाह को लिखेंगी पत्र

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा की बड़ी नेता और पूर्व सांसद पूनम महाजन ने अपने पिता प्रमोद महाजन की हत्या को लेकर एक बड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। उनका कहना है कि उनके पिता की हत्या एक बड़ी साजिश थी, जो कभी न कभी सामने आएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पिता की हत्या की जांच कराने की मांग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के गृह मंत्री को पत्र लिखेंगी।

'किसी साजिश की आ रही बू'

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूनम महाजन ने दावा किया कि उन्हें अपने पिता की मौत के पीछे किसी साजिश की बू आ रही है। जिस गोलीबारी के कारण उनके पिता की मौत हुई, उसके पीछे कुछ गलत मकसद हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब 2006 में यह घटना घटी थी तो वह उस हालत में नहीं थीं कि कोई संदेह जता पातीं। मगर हमेशा से पिता की मौत को लेकर मन में शंकाएं रहती थीं। अब जब उनकी पार्टी केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में है तो उन्होंने एक घटना को याद किया और कहा कि वह अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस दोनों को पत्र लिखकर सच्चाई का पता लगाने के लिए मामले की गहन जांच की मांग करेंगी।

प्रमोद महाजन हत्याकांड की पूरी कहानी

22 अप्रैल, 2006 की सुबह के करीब साढ़े सात बजे होंगे। प्रमोद महाजन अपने वर्ली (मुंबई) के पूर्णा गोदावरी अपार्टमेंट वाले घर के ड्रॉइंग रूम में बैठे थे। टीवी पर कोई न्यूज चैनल लगा था, उसकी आवाज आ रही थी। सामने टेबल पर चाय रखी थी और महाजन के हाथों में उस दिन का अखबार था। दरवाजे पर दस्तक होती है। प्रमोद की पत्नी रेखा, बेडरूम से निकलती हैं और दरवाजा खोलती हैं। सामने जींस और टी-शर्ट पहने उनका देवर यानी प्रमोद का छोटा भाई प्रवीण महाजन खड़ा था। प्रवीण ने प्रमोद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसने ने चार राउंड गोलियां चलाई थीं और फिर पास के पुलिस स्टेशन में सरेंडर कर दिया था। 30 अक्तूबर 2007 को उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इससे पहले 2022 में भी पूनम ने संकेत दिया था कि उनकी हत्या के पीछे कोई मास्टरमाइंड था और इसमें पारिवारिक झगड़े से ज्यादा कुछ है, जिसे उजागर करने की जरूरत है।

कौन हैं पूनम महाजन?

पूनम महाजन 2006 में पिता प्रमोद महाजन की हत्या के बाद भाजपा में शामिल हुईं थीं। 2009 में पहली बार घाटकोपर वेस्ट से सांसद चुनाव लड़ीं, लेकिन हार गईं। 2014 में मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट से उन्होंने कांग्रेस की प्रिया दत्त को हराया था। बता दें कि पूनम एक ट्रेंड पायलट हैं। उन्होंने इसकी ट्रेनिंग अमेरिका के टेक्सास से ली है। उनके पास 300 घंटे फ्लाइंग का अनुभव है। ब्राइटन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट से बीटेक की डिग्री 2012 में पूरी की थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा लाया गया प्रस्ताव अवैध व असंवैधानिक: तरुण चुघ

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा लाया गया प्रस्ताव अवैध और असंवैधानिक तथा लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। अनुच्छेद 370 और 35ए को सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा और राज्यसभा ने निरस्त कर दिया था। 5 अगस्त 2019 को देश की सर्वोच्च अदालत ने इस पर अपनी मुहर लगाई थी। मीडिया से बातचीत में चुघ ने कहा कि देश जानना चाहता है कि क्या कांग्रेस एनसी के प्रस्ताव पर उनके साथ है? अनुच्छेद 370 और 35ए वापस या उनके खिलाफ? भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देग। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सभी भाजपा विधायक योद्धा बनकर देश विरोधी ताकतों का सामना कर रहे हैं, हम पीछे नहीं हटेंगे। तरुण चुघ ने कहा कि जम्मू कश्मीर में हुआ आतंकवादी हमला कायरतापूर्ण और निंदनीय कृत्य है। यह न सिर्फ निर्दोष जिंदगियों पर हमला है बल्कि मानवता पर हमला है। जो लोग अपने गांव अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं, उन पर हमला करना आतंक जैसे कृत्यों का हम डटकर सामना करेंगे और सुरक्षा बलों पर हमें पूरा विश्वास है।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या पर फर्जी खबर फैलाने का आरोप

बेंगलुरु, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या और कुछ कन्नड़ समाचार पोर्टल के संपादकों के खिलाफ, एक किसान की आत्महत्या के मामले को वक्फ बोर्ड के साथ भूमि विवाद से जोड़कर फर्जी खबर फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इन बेंगलुरु दक्षिण के सांसद ने 7 नवंबर को आरोप लगाया था कि हावेरी जिले में एक किसान ने वक्फ बोर्ड द्वारा उसकी जमीन अधिगृहित किए जाने के बारे में पता चलने पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। सूर्या ने आरोप लगाया था कि अल्पसंख्यकों को खुश करने की जल्दबाजी में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कर्नाटक सरकार में आवास, वक्फ एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री बी। जेड। जमीर अहमद खान ने राज्य में विनाशकारी हालात पैदा कर दिए हैं, जिसे हर गुजरते दिन के साथ रोकना असंभव होता जा रहा है। बाद में हावेरी जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा समाचार लेख को फर्जी बताए जाने के बाद सांसद ने पोस्ट को हटा दिया था। एसपी ने कहा कि साझा की गई खबर फर्जी है। ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। यहां उल्लिखित किसान रुद्रप्पा चन्नप्पा बालिकाई की छह जनवरी 2022 को आत्महत्या की सूचना मिली थी। बताया जाता है कि उसने कर्ज एवं फसल नुकसान के कारण आत्महत्या की थी। आदर थाने में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के तहत मामला दर्ज किया गया था और अंतिम रिपोर्ट पहले ही पेश की जा चुकी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हावेरी जिला पुलिस के सोशल मीडिया निगरानी प्रकोष्ठ में तैनात एक पुलिस अधिकारी की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 (2) (विभिन्न समूहों के बीच घृणा, दुर्भावना या दुश्मनी की भावना पैदा करने या बढ़ावा देने के इरादे से बयान देना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना) के तहत 'कन्नड़ दुनिया ई-पेपर' और 'कन्नड़ न्यूज ई-पेपर' के संपादकों तथा तेजस्वी सूर्या के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ ईसी में शिकायत

क्या एमपी उपचुनाव में प्रचार नहीं कर पाएंगे कांग्रेस सांसद?

भोपाल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश उपचुनाव के बीच कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की मुश्किलें अब बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, बीजेपी ने दिग्विजय सिंह की शिकायत चुनाव आयोग में कर दी है और मांग की है कि बुधनी विजयपुर उपचुनाव में प्रचार पर रोक लगाई जाए। बीजेपी का आरोप है कि सांसद दिग्विजय सिंह भड़काऊ भाषण देते हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की, जिसमें भड़काऊ भाषण देकर कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश का आरोप लगाया है। इसके साथ ही बीजेपी ने आचार संहिता लागू रहने तक प्रचार करने, भाषण देने और बुधनी-विजयपुर विधानसभा में जाने पर रोक लगाने की मांग की है।

एमपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बीजेपी की ओर से ये शिकायत 7 नवंबर को की गई है। बीजेपी ने एमपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कहा गया है कि बुधनी में एक सभा के दौरान दिग्विजय सिंह ने ऐसा कह दिया था कि कृषि मंत्री के क्षेत्र में किसानों को डीएपी खाद के लिए जूझना पड़ रहा है, जबकि यह बयान झूठा है। बीजेपी का आरोप है कि किसानों को लेकर झूठे भाषण देकर दिग्विजय सिंह कानून-व्यवस्था बिगाड़ रेह हैं।

मध्य प्रदेश उपचुनाव कब?

मध्य प्रदेश की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होने हैं। वहीं, मतगणना 23 नवंबर को होगी, जिसके बाद चुनावी नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। जानकारी के लिए बता दें कि विजयपुर विधानसभा सीट रामनिवास रावत के इस्तीफा देने से खाली हुई थी। रामनिवास रावत कांग्रेस विधायक थे, जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। अब इस सीट से बीजेपी ने उन्हें ही टिकट दिया है। वहीं, बुधनी विधानसभा सीट शिवराज सिंह चौहान के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर रमाकांत भार्गव को बीजेपी ने टिकट दिया है। बुधनी से कांग्रेस ने राजकुमार पटेल को चुनावी मैदान में उतारा है।

बैंड प्रशिक्षण के लिए पुलिसकर्मियों की सहमति जरूरी, हाईकोर्ट ने खारिज किया सरकार का आवेदन

जबलपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बैंड प्रशिक्षण के लिए पुलिसकर्मियों की सहमति अनिवार्य होने के संबंध में हाईकोर्ट जारी आदेश को लेकर सरकार ने उसे वापस लेने के लिए हाईकोर्ट में आवेदन दायर किया था। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने सुनवाई के बाद सरकार के आवेदन को खारिज कर दिया। एकलपीठ ने सरकार को कानूनी प्रावधान अपनाने की स्वतंत्रता प्रदान की है। गौरतलब है कि बिना सहमति पुलिसकर्मियों को बैंड प्रशिक्षण में शामिल किए जाने के खिलाफ दस पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई करते हुए जबलपुर मुख्यपीठ की एकलपीठ ने 6 अगस्त 2024 को जारी अपने आदेश में कहा था कि पुलिस बैंड प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों की सहमति आवश्यक है। बिना सहमति यह प्रशिक्षण अनिवार्य नहीं किया जा सकता। सरकार ने इस आदेश को वापस लेने के लिए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। अपील में कहा गया था कि मुख्यपीठ ने इंदौर खंडपीठ द्वारा पारित आदेश का हवाला देते हुए यह आदेश जारी किया था। इसके बाद ग्वालियर खंडपीठ ने दायर याचिका की सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि पुलिसकर्मियों को बैंड प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जा सकता है। इंदौर और ग्वालियर खंडपीठ द्वारा पारित आदेशों में अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाए गए थे। एकलपीठ ने सरकार के आवेदन को खारिज करते हुए कहा कि ग्वालियर खंडपीठ में याचिका की सुनवाई के दौरान इंदौर खंडपीठ के आदेश को न्यायालय के समक्ष विचारार्थ नहीं रखा गया था। इसके अलावा, याचिकाकर्ता विशेष सशस्त्र बल के सदस्य थे, जिनके पास नियमित पुलिसिंग कर्तव्य नहीं होते हैं, जैसे कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों की जांच करना। एकलपीठ ने याचिका खारिज करते हुए सरकार को कानूनी प्रावधानों के उपयोग की स्वतंत्रता प्रदान की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 9 नवंबर, 2024 3

सुविचार: जो व्यक्ति सत्य के लिए "अड़ा" हैं, उसके साथ परमात्मा "खड़ा" हैं!

डीसीपी ने शांति समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद, स्नेहा मेहरा ने शाहअलीबंडा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक फंक्शन हॉल में दक्षिण क्षेत्र की शांति समिति के सदस्यों और समुदाय के बुजुर्गों के साथ एक समन्वय बैठक की, जिसमें सुरक्षा के लिए समुदाय के भीतर सहयोग बढ़ाने के लिए पड़ोसियों की भागीदारी पर चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय शांति समिति की ओर से दक्षिण क्षेत्र के अतिरिक्त डीसीपी शेख जहांगीर, हफीज मुजफ्फर, खाजा अब्दुल मोइज, पी. चंद्रशेखर, एसीपी चारमीनार, एम ए जावेद, एसीपी फलकनुमा, एन. वेंकटेश्वर राव, एसीपी मीर चौक, एसीपी. चंद्रशेखर, एसीपी छतरीनाका, दक्षिण क्षेत्र के स्टेशन हाउस अधिकारी और शांति समिति के सदस्य और दक्षिण क्षेत्र के समुदाय के बुजुर्ग शामिल हुए।

स्नेहा मेहरा ने कहा कि आइए हम सब मिलकर एक सुरक्षित और अधिक सामंजस्यपूर्ण समुदाय का निर्माण करें। एक दूसरे के प्रति सम्मान, समझ और सहयोग एक शांतिपूर्ण समाज के आधार हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की तुरंत हमें रिपोर्ट करें। साथ मिलकर हम बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस विभाग कानून और व्यवस्था बनाए रखने और सभी नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी से सोशल मीडिया में सांप्रदायिक पोस्टिंग के बारे में सतर्क रहने का आग्रह किया और सांप्रदायिक मुद्दों से संबंधित दुष्प्रचार के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को सलाह दी कि आइए हम सब मिलकर सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए काम करें।

आईआईटी हैदराबाद में 'राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन' आज

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्रालय के तहत उच्च शिक्षा विभाग 9 नवंबर से आईआईटी-हैदराबाद में दो दिवसीय राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन आयोजित कर रहा है। सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण के उद्देश्य से, यह सम्मेलन उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) को एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करेगा, जहां छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य को भी उचित महत्व दिया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति द्वारा किया जा रहा है। आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव रीना सोनोवाल कौली सम्मेलन में भाग लेंगी, जिससे संस्थानों को छात्रों और शिक्षकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के महत्व को समझने का अवसर मिलेगा।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने सीएम और केसीआर पर सनसनीखेज टिप्पणी की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार में रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री हैं, लेकिन केसीआर के बेटे केटीआर को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर केटीआर के साथ समझौता करने का आरोप लगाया, जिसके कारण, फ़ॉर्मूला रेस, रेव पार्टियां, ड्रग्स और कालेश्वरम जैसे विभिन्न घोटालों में केटीआर मुख्य आरोपी होने के बावजूद उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संजय ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जब जनवाड़ा में फार्महाउस पर ड्रोन उड़ने के कारण रेवंत रेड्डी को उनकी बेटी की शादी के दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था। संजय ने सरकार की आलोचना करते हुए सवाल किया कि केटीआर को इन हालिया घोटालों में फंसने के बावजूद क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया। दोहरी नीति क्यों? उन्होंने रेवंत रेड्डी को संबोधित करते हुए सवाल किया। केटीआर द्वारा रेवंत रेड्डी और बंडी संजय के गठबंधन पर की गई टिप्पणी पर संजय ने कहा कि उन्होंने और रेवंत रेड्डी ने केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने रेवंत पर केसीआर के बेटे के साथ दिन और दिन में झूठी लड़ाई का नाटक करने का आरोप लगाया, जबकि रात में वे एक हो जाते हैं। संजय ने यह भी कहा कि केटीआर एक बड़े ब्लैकमेलर हैं और उसने पिछली सरकार में कई घोटालों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, फिर भी उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। संजय ने यह भी उल्लेख किया कि रेवंत रेड्डी को एक ड्रोन के कारण गिरफ्तार कर लिया गया था, भले ही वह उनकी बेटी की शादी का दिन था। लेकिन, केटीआर को हालिया घोटालों में मुख्य संदिग्ध होने के बावजूद खुलेआम घूमने दिया गया है। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का जिक्र किया और सवाल किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार के शामिल

होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। संजय ने आरोप लगाया कि अगर कांग्रेस सरकार में रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री हैं, तो केटीआर पर्दे के पीछे कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। यही कारण है कि जनवाड़ा फार्महाउस मामले में विजय मद्दूरी और मास्टरमाइंड राज पाकाला को मामूली आरोपों के साथ छोड़ दिया गया। इसके अलावा, संजय ने कहा कि केसीआर, जिन्होंने कभी बीआरएस कार्यकर्ताओं पर केस होने पर पुलिस को फोन नहीं किया, अपने दामाद के मामले में डीजीपी को फोन करके हस्तक्षेप किया-इससे स्पष्ट है कि केसीआर के लिए परिवार पार्टी कार्यकर्ताओं से अधिक महत्वपूर्ण है। इसी कारण बीआरएस में ऐसे कार्यकर्ताओं की कमी है, जो पार्टी के भविष्य के बारे में वास्तव में सोचते हों। बीआरएस के विधायक भी विकल्प खोज रहे हैं। इस बीच, केसीआर ने जनता की समस्याओं और कार्यकर्ताओं की परेशानियों को छोड़ दिया है और फार्महाउस में आराम कर रहे हैं। जनता कैसे ऐसे नेताओं पर विश्वास करेगी जो केवल चुनाव के दौरान ही बाहर आते हैं? बीआरएस इतनी कमजोर हो गई है कि अब उन्हें स्नातक और एमएलसी चुनावों के लिए उम्मीदवार भी नहीं मिल रहे हैं। उनके पास अब मुकाबला करने की स्थिति भी नहीं है। रेवंत रेड्डी की पदयात्रा पर संजय ने सुझाव दिया कि रेवंत रेड्डी को संगम के बजाय मूसी नदी के किनारे हाइड्रा प्रभावित क्षेत्रों में पदयात्रा करनी चाहिए।

सीएम रेवंत की पदयात्रा से पहले कई बीआरएस नेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के तहत मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की पदयात्रा से पहले बीआरएस के कई नेताओं को या तो नजरबंद कर दिया गया या गिरफ्तार कर लिया गया। मुनुगोडु से बीआरएस के पूर्व विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी को हैदराबाद में उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। मुख्यमंत्री की पदयात्रा के दौरान किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया।

चित्याला मंडल में पुलिस ने नकरेकल के पूर्व विधायक चिरुमार्थी लिंगय्या को पेद्दाकपर्थी में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने सीएम के कार्यक्रम के दौरान विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने पुलिस के साथ तीखी बहस की और कार्रवाई की लोकतांत्रिक प्रकृति पर सवाल उठाया।

नलगोंडा में पूर्व विधायक कंचारला भूपाल रेड्डी को वीटी कॉलोनी स्थित उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इसी तरह केटेपल्ली मंडल में भी पुलिस ने बीआरएस पार्टी के पूर्व प्रतिनिधियों और नेताओं को पहले ही गिरफ्तार कर लिया और उन्हें थाने ले आई। यादाद्री भोंगीर जिले में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के दौरे से पहले, लम्बाडी अधिकार संघर्ष समिति के नेताओं को कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए चुनावी वादों को पूरा न करने पर सवाल उठाने के लिए गिरफ्तार किया गया।

इन वादों में आदिवासी किसानों को जमीन के मालिकाना हक देना, बंजारा समुदाय के लिए एक मंदिर और सामुदायिक भवन का निर्माण करना और लम्बाडी प्रतिनिधि को मंत्री पद प्रदान करना शामिल था। यादाद्री भोंगीर जिला सचिव मुड्डावत अशोक नाइक, अलेरू मंडल अध्यक्ष मलोथ विनोद नाइक और आदिवासी छात्र संघ अध्यक्ष केथवथ श्रीराम नाइक समेत नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

गेलू ने सीएम रेवंत रेड्डी के जन्मदिन समारोह पर पोन्नम के बयान की निंदा की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी के प्रदेश अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव ने आज मंत्री पोन्नम प्रभाकर के उस बयान की निंदा की जिसमें उन्होंने कहा था कि सीएम रेवंत रेड्डी का जन्मदिन समारोह सभी गुरुकुल स्कूलों में आधिकारिक रूप से मनाया जाना चाहिए। तेलंगाना भवन में राज्य टीआरएसवी के उपाध्यक्ष तुंगबालु और रघुराम के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए गेलू श्रीनिवास यादव ने कहा, क्या पोन्नम प्रभाकर, जो छात्र संघ के राज्य अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हैं, नियमों को नहीं जानते हैं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि रेवंत रेड्डी का जन्मदिन गुरुकुल स्कूलों में क्यों मनाया जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि राज्य के सभी गुरुकुल स्कूलों में छात्र भोजन विषाक्तता के कारण अस्पताल में भर्ती हैं और दावा किया कि वे अपनी जान गंवा रहे हैं, जबकि सरकार ने अभी तक गुरुकुल स्कूलों की एक भी समीक्षा नहीं की है। आदिलाबाद जिले में, छात्र भोजन विषाक्तता के कारण गंभीर रूप से बीमार हो गए। उन्होंने पूछा, क्या केसीआर की मौजूदगी के बिना गुरुकुल स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की हत्या करना सही है? उन्होंने कहा कि अगर सरकार ईमानदार है तो उसे गुरुकुल स्कूलों के लिए स्थायी भवन बनाने चाहिए। उन्होंने सरकार पर गुरुकुल स्कूलों को घटिया सामान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएसवी के तत्वावधान में राज्य के सभी गुरुकुल स्कूलों की समस्याओं की जांच की जाएगी और उनके पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और सरकार को आवेदन सौंपे जाएंगे।

पारिवारिक सर्वेक्षण में बाधा डालने पर कड़ी कार्रवाई होगी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने चेतावनी दी कि राज्य सरकार द्वारा अपने नेता राहुल गांधी के निर्देशों के बाद शुरू किए गए सामाजिक व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण में बाधा डालने या गलतफहमी पैदा करने के किसी भी प्रयास पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को एक बयान में, उन्होंने पिछली सरकार द्वारा किए गए पिछले पारिवारिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के बावजूद इस गणना की आवश्यकता पर सवाल उठाने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे रिकॉर्ड उस प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुसार एकत्र किए गए थे। मंत्री श्रीधर बाबू ने बताया कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और व्यापक जाति सर्वेक्षण का उल्लेख करने से ही गुलाबी (बीआरएस) और भगवा (भाजपा) पार्टियां भड़क जाती हैं। उन्होंने दावा किया कि इन पार्टियों का रुख समाज के कमजोर वर्गों को न्याय से वंचित करने की इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जबकि जनसंख्या जनगणना 2021 में होनी थी, केंद्र की भाजपा सरकार ने 2011 की पिछली जनगणना के बाद से इसे तीन साल से अधिक समय तक विलंबित कर दिया है। श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया कि परिवार सर्वेक्षण का उद्देश्य हाशिए पर पड़े समूहों के लिए सामाजिक न्याय, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक सहायता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने मांग की कि बीआरएस और भाजपा दोनों जनता को स्पष्ट करें कि वे इस गणना का विरोध क्यों कर रहे हैं, जिससे अंततः बीसी, एससी और एसटी समुदायों को लाभ होगा। उन्होंने सवाल किया कि वे जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर सभी को लाभ प्रदान करने की सरकार की मंशा की आंख मूंदकर आलोचना क्यों करते हैं। उन्होंने गलत सूचना के प्रसार की निंदा करते हुए कहा कि सरकार की पारदर्शिता लोगों को पता है और सर्वेक्षण से उन लोगों को मदद मिलेगी जो पात्र हैं लेकिन सामाजिक लाभ से चूक गए हैं। मंत्री श्रीधर बाबू ने बीआरएस और भाजपा नेताओं से जाति सर्वेक्षण को उनकी राजनीतिक प्रासंगिकता के लिए स्वीकार करने और उसकी सराहना करने का आग्रह किया और नागरिकों को गणना प्रक्रिया के दौरान घर पर रहने और सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अजनबियों की बातों पर विश्वास न करें, शी टीम ने छात्राओं को किया आगाह

सिद्दीपेट, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट शी टीम ने छात्राओं को सलाह दी है कि वे किसी भी परिस्थिति में अजनबियों की बातों में न आएं। शी टीम ने आज सिद्दीपेट राव हाई स्कूल की छात्राओं के लिए महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों, शी टीम द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों और शी टीम द्वारा उनकी सुरक्षा कैसे की जा सकती है, इस बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शी टीम के कर्मचारियों ने छात्राओं को शी टीम के कार्यों, पोस्को एक्ट, मानव तस्करी अधिनियम और नए कानूनों के बारे में जागरूक किया, रैगिंग, छेड़छाड़, साइबर अपराध, अजनबियों के फोन कॉल आदि पर चर्चा की। शी टीम के कर्मचारियों ने कहा कि अजनबियों के फोन कॉल और बातों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि छात्राएं सोशल मीडिया से दूर रहेंगी तो भविष्य बेहतर होगा।

उन्होंने बताया कि शी टीम हमेशा महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वे महिलाओं की सुरक्षा के उद्देश्य से अपने कर्तव्यों का पालन कर रही हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि पढ़ाई के दौरान बुरी आदतों में न पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी को शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। शी टीम के सदस्यों ने ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने की सलाह दी। उन्होंने सिखाया कि यदि कोई शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है, तो वह अधिक ऊंचाइयों को छू सकता है। शी टीम के सदस्यों ने माता-पिता द्वारा अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए किए गए कठिन परिश्रम को ध्यान में रखते हुए शिक्षा पर ध्यान देने की सलाह दी। शी टीम ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए सेल फोन से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्रों को सेल फोन की लत नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र अवस्था एक लड़के या लड़की के लिए आर्थिक रूप से आगे बढ़ने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि छात्र अवस्था से ही कड़ी मेहनत की भावना पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई महिलाओं को परेशान करता है या अपमानजनक बातें करता है, तो उन्हें तुरंत "डायल 100" या सिद्दीपेट पुलिस आयुक्तालय "शी टीम नंबर 8712667434" पर कॉल करना चाहिए और जानकारी देनी चाहिए।

आश्रम स्कूल के 2 और छात्र बीमार

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम स्कूल के दो और छात्र शुक्रवार को कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के कारण बीमार हो गए। एक छात्रा को उल्टी हुई, जबकि एक अन्य छात्रा ने पेट दर्द की शिकायत की। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अन्य छात्राओं और अभिभावकों ने छात्रावास में परोसे जाने वाले भोजन को लेकर चिंता व्यक्त की।

बुधवार को इस स्कूल के एक दर्जन छात्र हॉस्टल में खाना खाने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। उन्हें उसी दिन शाम तक छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद स्कूल के हेडमास्टर डी. माधव और जिला आदिवासी कल्याण अधिकारी गंगाराम को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया।

मरीजों साथ विनम्र व्यवहार करें चिकित्सक : सी. नारायण

शादनगर सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण

वार्डों में साफ-सफाई की कमी से नाराजगी जताई

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण ने कहा कि चिकित्सा सेवाओं में विश्वास बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों का बड़े विश्वास के साथ इलाज करना चाहिए। शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के शादनगर टाउन सेंटर में सरकारी सामुदायिक अस्पताल का जिला कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल के परिवेश और पार्किंग स्थल पर असंतोष जताया और कहा कि सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने स्वच्छता के मामले में स्थानीय नगर निगम आयुक्त चीमा वेंकन्ना से बात की और जितना संभव हो सके आसपास को साफ-सुथरा रखने का आदेश दिया। इसी प्रकार अस्पताल के मरीज वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि

अस्पताल के बिस्तरों पर चादरें साफ नहीं हैं और अस्पताल में स्वच्छता का ध्यान रखा जाना चाहिए। कलेक्टर नारायण रेड्डी ने कर्मचारियों को गरीब लोगों के साथ बहुत विश्वास के साथ व्यवहार करने और उनके साथ शिष्टाचार और विश्वास का व्यवहार करके सेवाओं में विश्वास पैदा करने का निर्देश दिया। सभी प्रकार के गरीब लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने अस्पताल में प्रति माह 300 प्रसव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा। स्टाफ से पूछा जब एक निजी अस्पताल में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ सैकड़ों प्रसव कराती है, तो सरकारी अस्पताल में तीन स्त्री रोग विशेषज्ञ होने पर यह संख्या क्यों नहीं बढ़ती? उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चिकित्सा कर्मी सरकारी समय में अपने निजी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं देंगे तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साइक्लोथॉन का आयोजन

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन विभाग रविवार को लक्सेटीपेट मंडल के गदपुर गांव के बाहरी इलाके में परित्यक्त एमसीसी खदान के पास के जंगलों में इकोटूरिज्म टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए 20 किलोमीटर लंबी साइक्लोथॉन की मेजबानी करेगा। लक्सेटीपेट वन रेंज अधिकारी अथे सुभाष ने एक बयान में कहा कि वन विभाग जल्द ही गदपुर और बोक्कलगुट्टा गांवों के जंगलों में जंगल सफारी की सवारी शुरू करने जा रहा है। सफारी के लिए बनाए गए ट्रैक पर साइक्लोथॉन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बाइकर्स से अनुरोध किया कि वे बड़ी संख्या में इसमें भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाएं।

CLASSIFIEDS

HOUSE FOR SALE

KeshavaReddy Nagar, Meer-pet 100ft Main Rd to 4th House,233 Yds,E/F, G+1,Nr Narayana School. 9849756999 /8639720658

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

'ब्राह्मणों की सबसे ज्यादा हत्या'

उपचुनाव से पहले सपा की महिला नेता का बड़ा बयान

अलीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ के खैर विधानसभा में उपचुनाव होने से पहले अब जातिगत समीकरण साधने के लिए सभी पार्टियों के द्वारा जातिगत आंकड़े बैठाना भी शुरू कर दिया है। उसी क्रम में आज भी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आना खैर विधानसभा में शुरू हो गया है।

जिसके चलते समाजवादी पार्टी के द्वारा ब्राह्मण वोटरों पर सेंध लगाने के लिए समाजवादी पार्टी की महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव अर्चना पांड्या के द्वारा ब्राह्मणों के साथ भेदभाव व उनकी हत्या कराने के आरोप मौजूदा सरकार पर लगाए है। अर्चना पांडे का कहना है, मौजूदा हालात में समाजवादी पार्टी को ब्राह्मण समर्थन दे रहे हैं। 36 बिरादरियों का समर्थन समाजवादी पार्टी को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी चारु केन एक तरफा जीतने जा रही है। मौजूदा सरकार में ब्राह्मणों को जितना सताया गया है, किसी सरकार में नहीं सताया गया। विकास के नाम पर सिर्फ छलावा किया गया है। जल्द ही समाजवादी पार्टी सत्ता में आएगी, फिलहाल 9 विधानसभा पर समाजवादी पार्टी बड़ी जीत हासिल करने वाली है।

प्राथमिक विद्यालयों के जूनियर शिक्षकों को राहत

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ट्रांसफर पॉलिसी कैंसिल की

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने आज राज्यभर के प्राथमिक विद्यालयों के हजारों जूनियर शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को बनाए रखने के लिए जून 2024 में लाई गई तबादला नीति को रद्द कर दिया है। हाई कोर्ट ने 26 जून 2024 को जारी सरकारी आदेश के प्रासंगिक प्रावधानों को ''मनमाना और भेदभावपूर्ण'' करार देते हुए रद्द कर दिया। जस्टिस मनीष माथुर की पीठ ने पुष्कर सिंह चंदेल सहित जूनियर शिक्षकों द्वारा अलग-अलग दायर 21 रिट याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिकाओं में 26 जून 2024 के सरकारी आदेश और 28 जून 2024 के परिपत्र के खंड तीन, सात, आठ और नौ को चुनौती देते हुए कहा गया कि उक्त प्रावधान समानता के मौलिक अधिकार के साथ-साथ शिक्षा के अधिकार अधिनियम के भी विरोधाभासी हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एचजीएस परिहार, यू एन मिश्रा और सुदीप सेठ ने संयुक्त रूप से दलील दी कि उपरोक्त प्रावधानों के अनुपालन में जो शिक्षक बाद में किसी प्राथमिक विद्यालय में नियुक्त होता है, उसका ही तबादला शिक्षक-छात्र अनुपात को बनाए रखने के लिए किया जाता है।

जानिए हाई कोर्ट में क्या दलील दी गई इसमें कहा गया कि तबादले के बाद ऐसा अध्यापक जब किसी नए प्राथमिक विद्यालय में नियुक्त किया जाता है तो वहां भी उसकी सेवा अवधि सबसे कम होने के कारण, अगर उपरोक्त अनुपात को बनाए रखने के लिए पुनः किसी अध्यापक के स्थानांतरण की आवश्यकता होती है तो नए आए उक्त अध्यापक का ही तबादला किया जाता है। यह भी दलील दी गई कि उक्त नीति शिक्षकों की सेवा नियमों के विरुद्ध है। राज्य सरकार की ओर से याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा गया कि याचियों को तबादला नीति को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है। इसमें कहा गया कि शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत शिक्षक-छात्र अनुपात को बनाए रखने के लिए यह नीति आवश्यक है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस के पश्चात पारित अपने निर्णय में कहा कि 26 जून 2024 के सरकारी आदेश और 28 जून 2024 के परिपत्र में ऐसा कोई भी यथोचित कारण नहीं दर्शाया गया है जिसमें उक्त तबादला नीति में सेवा अवधि को आधार बनाए जाने का औचित्य हो। कोर्ट ने कहा कि अगर यही नीति जारी रही तो हर बार जूनियर शिक्षक को स्थानांतरण के माध्यम से समायोजित कर दिया जाएगा और वरिष्ठ शिक्षक हमेशा वहीं रहेंगे जहां हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि उपरोक्त परिस्थितियों में यह पाया गया है कि उक्त तबादला नीति भेदभावपूर्ण है और संविधान के अनुच्छेद-14 के अनुरूप नहीं है।

कैसा ये इश्कः 45 का दूल्हा 20 की दुल्हन, बोली-जान के दुश्मन बन गए हैं घरवाले लगाई सुरक्षा की गुहार

मेरठ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ के मलियाना निवासी लक्ष्मी(20) अपने पति संतोष राणा(45) के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंची। लक्ष्मी ने अपनी और अपने पति की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए अधिकारियों से पूरी कहानी बताई। लक्ष्मी ने बताया कि उसने परिजनों के विरोध के बाद दूसरी जाति से जुड़े संतोष राणा से प्रेमविवाह किया। इसके बाद से लक्ष्मी का परिवार उसकी जान का दुश्मन बन गया। युवती का कहना है कि उसके परिवार के लोग उसके पति को लक्ष्मी के अपहरण के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। लक्ष्मी का कहना है कि कुछ दिन पहले एसएसपी से गुहार लगाई थी। एसएसपी ने थाना पुलिस को नवदंपति की सुरक्षा के आदेश दिए। आरोप है कि इसके बावजूद थाना पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा चौकी इंचार्ज ने फोन पर युवती को धमकी दी।

'जिम में हो महिला ट्रेनर, पुरुष दर्जी नहीं ले सकेंगे महिलाओं का नाप'

यूपी में बढ़ाई जाएगी महिलाओं की सुरक्षा

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कड़ें उपाय प्रस्तावित किए हैं। इसके तहत, पुरुष दर्जी अब महिलाओं का माप नहीं ले सकते और ना ही कोई भी पुरुष महिलाओं को जिम या योग सत्रों में उन्हें ट्रेनिंग दे सकेंगे। साथ ही स्कूल बस में महिला सुरक्षाकर्मियों को लेकर भी सिफारिश की गई है। इसके अलावा महिला कपड़ों की दुकान पर महिला कर्मचारियों की भी सिफारिश की गई है। बता दें कि इस मुद्दे पर 28 अक्तूबर को महिला आयोग की सदस्यों ने चर्चा की है। हालांकि इस मुद्दे पर अभी और भी बैठके की जाने बाकी हैं।

महिला आयोग द्वारा सुझाए गए प्रस्ताव?

महिला जिम/योगा सेन्टर में, महिला ट्रेनर होनी चाहिए। ट्रेनर एवं महिला जिम का सत्यापन अवश्य करा लिया जाए।

महिला जिम/योगा सेन्टर में प्रवेश के समय अभ्यर्थी के आधार कार्ड/निर्वाचन कार्ड जैसे पहचान पत्र से सत्यापन कर उसकी छायाप्रति सुरक्षित रखी जाए।

महिला जिम/योगा सेन्टर में डीवीआर। सहित सीसीटीवी। सक्रिय दशा में होना अनिवार्य है।

विद्यालय के बस में महिला सुरक्षाकर्मी अथवा महिला टीचर का होना अनिवार्य है।

नाट्य कला केन्द्रों में महिला डांस टीचर एवं डीवीआर सहित सक्रिय दशा में सीसीटीवी। का होना अनिवार्य है।

बुटीक सेन्टरों पर कपड़ों की नाप लेने हेतु महिला टेलर एवं सक्रिय सीसीटीवी। का होना अनिवार्य है।

जनपद की सभी शिक्षण संस्थाओं का सत्यापन होना चाहिए।

कोचिंग सेन्टरों पर सक्रिय सीसीटीवी। एवं वाशरूम आदि की व्यवस्था अनिवार्य है।

महिलाओं से संबंधित वस्त्र आदि की ब्रिकी की दुकानों पर महिला कर्मचारी का होना अनिवार्य है।

महिला की हैवानियत कुत्ते के पांच बच्चों को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

मेरठ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। एक महिला ने आवारा कुत्ते के पांच बच्चों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पांचों जिंदा जलकर मर गए। एनिमल केयर सोसायटी के सचिव अंशुमाली वशिष्ठ एसएसपी को शिकायती पत्र देकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी ने सीओ दौराला को जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया। सोसायटी के सचिव के अनुसार संत नगर कालोनी में पांच नवंबर को एक महिला ने रात में पांचों के ऊपर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। बुरी तरह जलने से कुत्ते के पांचों बच्चों की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने विरोध जताया तो आरोपी महिला व उसके स्वजन मारपीट पर आमादा हो गए। बाद में पुलिस ने कालोनी के लोगों व महिला से पूछताछ की और रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन देकर लौट गई। एसएसपी ने सीओ दौराला को जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने गन्ना आयुक्त को जारी किया नोटिस, 29 नवंबर तक मांगा जवाब

प्रयागराज, 8 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के गन्ना आयुक्त प्रभुनारायण सिंह को नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें 29 नवंबर तक गन्ना क्रय केंद्रों से जुड़ी समस्याओं पर हलफनामे के साथ जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया है। यह आदेश कुशीनगर के राकेश कुमार सिंह और अन्य किसानों की अवमानना याचिका पर दिया गया। किसानों ने गन्ना क्रय केंद्रों की अव्यवस्थाओं के खिलाफ गन्ना आयुक्त को पत्र लिखा था, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। इससे किसान परेशान हैं, क्योंकि क्रय केंद्रों की क्षमता से अधिक गन्ना आने से तौल में देरी हो रही है, जिससे गन्ना सूख जाता है और किसानों को नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने पहले गन्ना आयुक्त को निर्देश दिया था कि वे 16 अक्टूबर 2023 तक इस मामले में आदेश जारी करें, लेकिन उनकी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि क्रय केंद्रों में व्यवस्था न होने से उनका गन्ना सड़ रहा है और तौल के इंतजार में किसान आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं।

अदालत ने गन्ना आयुक्त को दिया आदेश

अदालत ने इस मामले में गन्ना आयुक्त को आदेश दिया था कि वह यूपी सरकार के समक्ष अभ्यावेदन दाखिल करें और एक महीने के भीतर मामले का समाधान करें। इस आदेश के अनुपालन न होने पर किसानों ने अवमानना याचिका दाखिल की है, जिस पर कोर्ट ने गन्ना आयुक्त को नोटिस भेजा है। अदालत ने गन्ना आयुक्त को यह स्पष्ट किया है कि वह या तो 29 नवंबर तक हलफनामा दाखिल करें या फिर व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर इस मामले पर जवाब दें।

इस मामले की सुनवाई अब 29 नवंबर को होगी। फिलहाल इस मामले में गन्ना आयुक्त की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन कोर्ट ने उनकी जवाबदेही तय करने के लिए उन्हें तलब किया है। अब देखना होगा कि गन्ना आयुक्त इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और क्या किसानों को क्रय केंद्रों की समस्याओं का समाधान मिलता है।

अलीगढ़ रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी हाई अलर्ट पर पुलिस, आगरा से स्पेशल फोर्स पहुंची, चप्पा-चप्पा खंगाला गया

अलीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में रेलवे स्टेशन को बम से उड़ानो की धमकी मिली है। जिसके बाद रेलवे स्टेशन पर हाई अलर्ट कर दिया गया। जीआरपी और आरपीएफ के साथ आगरा और अलीगढ़ की सिविल पुलिस भी तैनात कर दी गई है। वहीं स्टेशन पर आने जाने वाले और आसपास घूमने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। स्टेशन पर प्रवेश के हर एक प्वाइंट पर सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं, जिससे कि किसी तरह की लापरवाही और गड़बड़ी न हो। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की सूचना और धमकी भमोला चौकी इंचार्ज को मिली है। इसके बाद उन्होंने तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचना दी। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन को भी अलर्ट किया है। चौकी इंचार्ज से सूचना मिलने पर फोर्स को अलर्ट किया। चौकी इंचार्ज के अनुसार उन्हें इलाके में रिक्शा चलाने वाले एक व्यक्ति ने सूचना दी कि कुछ लोग रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की योजना तैयार कर रहे थे। जिसके बाद चौकी इंचार्ज तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी वहां नहीं थे। जिसके बाद फोर्स को अलर्ट कर दिया गया है। हर एक पाइंट पर नजर रखी जा रही है। रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधि के बाद अब लगातार लोगों पर नजर रखी जा रही है। जो भी संदिग्ध नजर आ रहे हैं, उन्हें तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं आपत्तिजनक बातें करने वालों की भी तलाश की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही अलीगढ़ के सभी रेलवे क्रॉसिंग और सब स्टेशनों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। वहीं भमोला चौकी क्षेत्र के भी सीसीटीवी कैमरे जांचे जा रहे हैं, जिससे कि रेलवे स्टेशन के प्रति आपत्ति जनक बातें करने वालों को चिन्हित किया जा सके। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

नोटबंदी की सालगिरह पर अखिलेश यादव ने बीजेपी पर कसा तंज

'अब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है बल्कि डॉलर ऊपर उठा है'

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नोटबंदी को आज आठ साल पूरे हो गए हैं। आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 के नोट बंद करने का ऐलान किया था। विपक्षी दल लगातार पीएम मोदी के इस फैसले को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आज इस दिन को याद करते हुए इसे काला इतिहास बताया और कहा कि बीजेपी के इस फैसले से भारत की अर्थव्यवस्था अनर्थव्यवस्था बन गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर नोटबंदी की सालगिरह पर लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- 'भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे-का-पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। आज नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से। अब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!'

अखिलेश यादव ने बीजेपी को घेरा

समाजवादी पार्टी लगातार नोटबंदी को लेकर बीजेपी को घेरती रही है। जबकि बीजेपी का दावा है कि नोटबंदी के बाद कई बार चुनाव हो चुके हैं और जनता ने इस मुद्दे को नकार दिया है। इसलिए विपक्ष के आरोपों में दम नहीं है। बता दें कि 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नोटबंदी का ऐलान किया था। जिसके बाद उसी दिन रात 12.00 बजे से 500 और 1000 रुपये के नोटों को बाजार में चलन से बाहर कर दिया गया था। सरकार के इस फैसले के बाद बड़े स्तर देश में उथल-पुथल देखने को मिली थी, लोग अपने नोटों को बदलने की दिन रात बैंक के सामने बैठे दिखाई दिए थे। सरकार ने इसे आतंकवाद और नक्सलवाद पर कड़े प्रहार बताया था।

श्रद्धालुओं से भरे टेम्पो ट्रैवलर में कैंटर ने मारी टक्कर, 3 की मौत; आधा दर्जन घायल

फिरोजाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के पास शिकोहाबाद में अयोध्या एवं वृंदावन दर्शन करने जा रहे टेम्पो ट्रैवलर सवार श्रद्धालुओं को कैंटर ने एक्सप्रेस-वे पर टक्कर मार दी। इस घटना में दो बच्चे सहित तीन की मौत हो गई। वहीं ट्रैवलर चालक समेत दो लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। वहीं अन्य घायलों को सैफई पीजीआई एवं मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद भेजा गया है। मनीष कुमार (38) निवासी गांव मारौली थाना उम्मरगांव जिला बलसाड़, गुजरात जोकि टेम्पो ट्रैवलर का चालक है। वह ट्रैवलर में कुल 19 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या एवं वृंदावन दर्शनों के लिए गत 2 नवंबर को निकला था। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शनों के बाद ट्रैवलर चालक सभी श्रद्धालुओं को लेकर 7 नवंबर की शाम अयोध्या से वृंदावन दर्शनों के लिए जा रहा था। शुक्रवार सुबह 6:00 बजे करीब जैसे ही वह थाना नसीरपुर क्षेत्र के अंतर्गत किलोमीटर संख्या 54 के समीप पहुंचा, तभी अचानक पीछे से एक कैंटर उसको ओवरटेक करते हुए तेजी से निकल गया। कैंटर से बचने के लिए ट्रैवलर चालक ने जैसे ही ट्रैवलर को बाईं ओर मोड़ा। इस दौरान एक्सप्रेस-वे पर पहले से खड़े एक कैंटर में टेम्पो ट्रैवलर घुसा चला गया। इस घटना में युग (13) निवासी खरड़पुर जिला सिलवास दमन, दादरनगर हवेली, राधा बेन पत्नी कांति भाई और दो वर्षीय प्रसा पटेल की मौत हो गई। जबकि जय कुमार (14), विरल (35), नीला (58), हिरन ठाकुर (46) समेत अन्य लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर थाना नसीरपुर पुलिस एवं यूपीडा की टीम मौके पर पहुंच गई। जिन्होंने सभी घायलों को उपचार के लिए तत्काल ही जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद, मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद एवं गंभीर घायलों को सैफई पीजीआई में भर्ती कराया है। जहां घायलों का उपचार चल रहा है।

सिर्फ घूमिए नहीं, बिहार के लिए कुछ कीजिए भी

तेजस्वी यादव का नड्डा के दौरे पर तंज; पप्पू यादव को मिली धमकी पर कहा-सरकार जाने

पटना, 8 नवंबर (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव ने जेपी नड्डा के बिहार दौरे को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा है सबको आना चाहिए। छठ पर्व कितना फल-फूल गया है। इसका विस्तार काफी तेजी से हुआ है। अब यह देश में नहीं बल्कि विदेशों में भी मनाया जाता है। तेजस्वी ने कहा कि हम लोग यही चाहेंगे कि जो लोग अभी सत्ता में है, जिनके पास पूरे देश की कमान है। वह सिर्फ बिहार आकर घूमे ही ना कम से कम बिहार के लिए भी कुछ करें भी। हमें उम्मीद थी की छठ से पहले ही बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाएगा। अब भी मिल जाए तो इससे बढ़िया क्या होता? पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को फिर से धमकी मिलने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। यह प्रशासन और सरकार का मामला है।

बेलागंज उपचुनाव में करेंगे प्रचार

पटना में राजद समर्थक द्वारा लगाए गए पोस्टर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा- 'पार्टी के हर लोग इस तरह के पोस्टर लगाते हैं। वैसे भी रोजगार सबको मिलना चाहिए हम सभी की यही इच्छा है।' दरअसल पोस्टर के जरिए तेजस्वी को नियुक्ति मैन बताया गया था, साथ ही 2025 में सीएम बनाने की बात की गई थी।

तेजस्वी यादव ने कहा-'छठ के बाद झारखंड और बिहार उपचुनाव को लेकर प्रचार के लिए निकलेंगे'

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे थे। इस दौरान स्टीमर में बैठकर उन्होंने गंगा नदी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री नितिन नवीन, संजय मयूख समेत अन्य नेताओं के घर पहुंचकर, छठ पूजा में शामिल हुए। जेपी नड्डा राजेंद्र नगर स्थित शारदा सिन्हा के घर भी पहुंचे और उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। देर शाम वो पटना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का बिहार से पुराना नाता रहा है। वो मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं, लेकिन उनका बचपन और कॉलेज तक की पढ़ाई पटना में ही हुई है। छठ पूजा में शामिल होने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहली बार पटना आए थे।

मंगेतर से फोन पर बात करते निकली घर से बाहर, फिर अगले दिन जंगल में पेड़ से लटकी मिली युवती की लाश

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शाम को एक युवती की लाश जंगल में पेड़ से लटकी मिली। वह दोपहर को घर से बाहर निकली थी। परिजनों ने बताया कि उसे मंगेतर का फोन आया था। बस अपने मंगेतर से फोन पर बात करते-करते वह घर से निकली। फिर थोड़ी देर बाद गांव के कुछ लोगों ने उसकी लाश को जंगल में फंदे से लटके देखा। घर वालों और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मामला आशियाना थानाक्षेत्र का है। यहां शमशाद जो कि मूल रूप से हरदोई का रहने वाला है, वो अपने परिवार संग बिजनौर इलाके में रहता है। इससे पहले परिवार मोहमन्दी में रहता था। शमशाद की 22 साल की बेटी गुलशन की कुछ दिन पहले ही मंगनी हुई थी। चार महीने बाद उसकी शादी होनी थी। परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। मृतका के पिता ने बताया- हमारी बेटी इस रिश्ते से बहुत खुश थी।

ऑपरेशन के बाद बड़ी लापरवाही

अब रूबन हॉस्पिटल के एमडी डॉ. सत्यजीत को देना होगा 40 लाख का जुर्माना

पटना, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बड़े अस्पतालों में से एक रूबन और इसके एमडी डॉ। सत्यजीत कुमार सिंह पर बड़ी कार्रवाई हुई है। मरीज की जिंदगी से खिलवाड़ करने के आरोप में उपभोक्ता न्यायालय ने चालीस लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इतना ही नहीं तय सीमा पर अगर मरीज को 40 लाख की रकम नहीं दी गई तो 10 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। जिला उपभोक्ता न्यायालय के अध्यक्ष प्रेम रंजन मिश्रा और सदस्य रजनीश कुमार ने यह आदेश दिया। दरअसल, गोपालगंज निवासी रमेश कुमार यादव ने रूबन हॉस्पिटल और इसके एमडी सत्यजीत कुमार सिंह पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर उपभोक्ता न्यायालय में केस दर्ज करवाया था।

दोनों किडनी में पथरी पाई गई थी

रमेश कुमार यादव का आरोप था कि 2012 में उनकी नौकरी दुबई में लगी थी। फिटनेस टेस्ट पास करने के लिए उन्होंने स्वास्थ्य जांच करवाया। इसमें उनके दोनों किडनी में पथरी पाई गई। रमेश यादव गांधी मैदान स्थिन रूबन मेमोरियल रतन स्टोन क्लिनिक में जाकर किडनी के स्टोन की जांच करवाई। डॉक्टर सत्यजीत कुमार सिंह की सलाह पर उन्होंने एक से चार फरवरी 2012 तक वह अस्पताल में भर्ती रहे और एक लाख रुपये का भुगतान किया।

किडनी में दो पाइप रह गए थे

रमेश कुमार यादव ने बताया कि चार दिन भर्ती रहने के लिए दौरान डॉ। सत्यजीत ने दोनों स्टोन को ऑपरेशन कर निकालने की बात भी की। लेकिन, ऑपरेशन के बाद भी परेशानी कम नहीं हुई। जांच करवाने पर पता चला कि किडनी में दो पाइप रह गए थे। इसे लिए के लिए एक साल बाद यानी 17 फरवरी 2013 को 20 हजार रुपये की फीस ली गई। ऑपरेशन कर पाइप निकालने का दावा भी किया गया। लेकिन, फिर भी कोई सुधार नहीं हुआ। दुबारा जांच में पता चला कि एक पाइप छूटा हुआ ही है। इसके निकालने के लिए फिर से 70 हजार रुपये वसूले गए। बीमारी ठीक नहीं होने के कारण वह दुबई नहीं जा सके।

मिजोरम में भारी मात्रा में पकड़ा गया विस्फोटक सामान, दो गिरफ्तार

आईजोल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने मिलकर मिजोरम में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई सेरछिप-थेनजॉल रोड पर चेकिंग के दौरान की गई, जब सुरक्षा बलों ने एक सफेद कार को रुकने का इशारा किया, तो कार में बैठे दो लोगों से पूछताछ और वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी में वाहन से 9600 जिलेटिन की छड़ें, 9,400 डेटोनेटर और 1,800 मीटर से अधिक कॉर्डटेक्स नामक विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने यह कार्रवाई एक खुफिया सूचना के आधार पर की थी। गिरफ्तारी के बाद दोनों संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले की जांच मिजोरम पुलिस द्वारा की जा रही है और दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए मिजोरम पुलिस को सौंप दिया गया है। यह घटना बुधवार को हुई थी।

1 करोड़ की हेरोइन बरामद

इससे पहले मिजोरम में असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस की संयुक्त टीम ने भारत-म्यांमा सीमा के पास चंफाई जिले के जोटे गांव में एक अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने 128 ग्राम हेरोइन और एक करोड़ रुपए की सुपारी की तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो मिजोरम के नागरिक नांगखौखुपा (30) और रुआतफेला (36) के अलावा म्यांमा के नागरिक एलटी सियामा (39) शामिल हैं। इन आरोपियों के पास से जब्त की गई हेरोइन और सुपारी को सीमा शुल्क निवारक बल और मिजोरम पुलिस ने कब्जे में लिया। मामले की जांच जारी है और आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए चंफाई स्थित आबकारी एवं मादक पदार्थ विभाग को सौंप दिया गया है।

मिजोरम में मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई

मिजोरम में हाल ही में आइजोल जिले के पास दो महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से 22.7 लाख रुपये की हेरोइन बरामद की गई थी। यह कार्रवाई मिजोरम में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। इस तरह की कार्रवाई से यह साफ हो जाता है कि मिजोरम और उसके आसपास के क्षेत्र में मादक पदार्थों और विस्फोटकों की तस्करी की घटनाएं बढ़ रही हैं और सुरक्षा बल इन पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

प्रेमिका ने बताया दिल का दर्द तो इंप्रेस करने के लिए प्रेमी युवक ने किया कांड, अब जेल में कटेगी सर्द रातें

फरीदाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाण के फरीदाबाद में एक निजी अस्पताल को लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर धमकाने वाले युवक को पुलिस ने बिहार के रहने वाले आरोपी को अरेस्ट किया है। आरोपी युवक ने अपनी प्रेमिका को इंप्रेस करने के लिए यह कांड किया। हालांकि, अब उसे जेल की हवा खानी पड़ रही है और उसे चार दिन के रिमांड पर भेजा है। दरअसल, फरीदाबाद के सर्वोदय नाम के निजी अस्पताल को कुछ दिन पहले एक कॉल आई थी। इस कॉल में आरोपी किडनी डॉक्टर का नंबर मांग रहा था और जब कॉल सेंटर पर महिला कर्मचारी ने नंबर नहीं दिया तो युवक ने लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर धमकाया और अस्पताल को उड़ाने की धमकी दी। मामले में हरियाणा पुलिस की अपराध शाखा की टीम ने 6 नवम्बर को आरोपी गिरफ्तार किया।

हनीट्रैप में बुरा फंसा बिजनेसमैन

दो लड़कियों के चक्कर में गंवाए 15 लाख रुपए फिर बीबी ने उठाया ये कदम

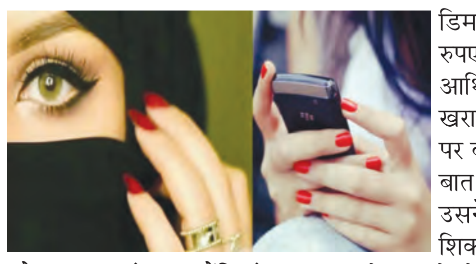

भोपाल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से पुलिस ने हनीट्रैप के मामले में दो युवतियों को गिरफ्तार किया। दोनों युवतियां पिछले काफी दिनों से एक व्यापारी को हनीट्रैप में फंसाकर ठग रही थी। व्यापारी की पत्नी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए महिला थाने की पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई युवतियों के पास से पुलिस ने 2.4 लाख रुपये बरामद किए हैं। पुलिस युवतियों से पिछले ठगी को लेकर भी पूछताछ कर रही है। वहीं, दोनों के फोन की भी जांच भी कर रही है। महिला थाने की पुलिस ने बताया कि दोनों युवतियां व्यापारी से तीन साल पहले संपर्क में आए थे। तीन के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी। व्यापारी ने दोनों युवतियों से मिलना भी शुरू कर दिया था।

इसी दौरान मौका मिलते ही दोनों ने व्यापारी की आपत्तिजनक वीडियो बना ली। इसके बाद से ही दोनों ने वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पैसा ऐंठना शुरू कर दिया था। दोनों युवतियां हर बार अलग-अलग डिमांड करती थी। 15 लाख रुपए देने के बाद व्यापारी की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब हो गई थी। जब घर पर व्यापारी की पत्नी को इस बात की जानकारी हुई तो उसने पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवतियों को गिरफ्तार किया है। पहली लड़की को पुलिस ने सुरेंद्र नगर से गिरफ्तार किया है। वहीं, दूसरी लड़की ने खुद थाने में आकर सरेंडर किया है।

जान से मारने की दी थी धमकी

मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अंजना दुबे ने बताया कि व्यापारी की पत्नी ने घर की स्थिति बिगड़ने के बाद 6 नवंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने दो युवतियां पर पति को ब्लैकमेल कर लाखों रुपए ऐंठने का आरोप लगाया था। व्यापारी की पत्नी ने बताया कि दोनों युवतियों से फोन पर बात की थी। गलती मानने की जगह दोनों युवतियों ने जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद महिला ने दोनों की शिकायत दर्ज कराई थी।

बैकग्राउंड खंगालने में जुटी पुलिस

पुलिस ने दोनों युवतियों को गिरफ्तार कर उनके फोन जब्त कर लिए है। पुलिस फोन की जांच कर रही है। वहीं, पुलिस दोनों का बैकग्राउंड खंगालने की भी कोशिश कर रही है।

समोसे में मिली मरी हुई आधी छिपकली

खाने से 5 वर्षीय बच्चे की तबीयत हुई खराब

रीवा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। रीवा से एक ऐसी घटना सामने आई जिसके बारे में जानकर आप बाहर से कुछ भी खरीदकर खाने से बचेंगे। आप अगर कभी कुछ खाएंगे भी तो आप पहले उसकी अच्छे से जांच पड़ताल करेंगे और उसके बाद उसे खाएंगे। रअसल रीवा शहर के निपनिया मोहल्ले में रहने वालें एक 5 वर्षीय बच्चा जब स्कूल से घर पहुंचा तो उसने समोसा खाया। लेकिन उस समोसे को खाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस समोसे में मरी हुई छिपकली थी। आइए आपको विस्तार से इस खबर की जानकारी देते हैं।

क्या है यह पूरी घटना?

दरअसल पंकज शर्मा का बेटा और बेटी स्कूल गए थे। जब दोनों स्कूल गए थे तब पंकज शर्मा अपनी पत्नी की आंख दिखाने के लिए अपने दोस्त के साथ संजय गांधी अस्पताल गए हुए थे। अस्पताल से वापस आते समय एक दुकान से बच्चों के लिए समोसे और जलेबी खरीदा। परिजन जब घर पहुंचे तो 5 वर्षीय बच्चा जिसका नाम प्रयांश शर्मा है, उसने समोसा खाया मगर बच्चे ने आधा समोसा छोड़ दिया और दूसरा खाने लगा। यह देख बच्चे के परिजनों ने समोसा छोड़ने का कारण पूछा और बच्चे ने बताया कि वह खराब है तो उन्होंने देखा। इसके बाद जब उन्होंने समोसे को देखा तो पाया कि आधे बचे हुए समोसा में मरी हुई छिपकली का अगला है और आधा भाग समोसे के अंदर था। परिजनों को आशंका हुई की बच्चे ने समोसे के साथ आधी छिपकली भी खा लिया है।

समोसा खाने के कुछ समय बाद बच्चे की तबीयत खराब होने लगी जिसके तुरंत बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। परिजनों की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टरों ने बच्चे को भर्तीय किया है और कुछ समय तक उनकी देख-रेख में रहेगा।

सीएम साहब का समोसा खा गया स्टाफ, 5 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

शिमला, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में समोसे का क्रेज अलग ही लेवल पर है। होटल से लेकर सड़क किनारे लोग आपको समोसे खाते दिखा दे जाएंगे। पर क्या आपने सोचा है कि समोसा पूरे पुलिस प्रशासन की नींद भी उड़ा सकता है? ऐसा ही कुछ हुआ है कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश में। इन दिनों हिमाचल की राजनीति में समोसा छाया हुआ है। समोसे की वजह से पांच पुलिसकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इतना ही नहीं उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। राज्य की सीआईडी इसकी जांच कर रही है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, बीते 21 अक्टूबर को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सीआईडी हेडक्वार्टर में साइबर विंग स्टेशन का उद्घाटन करने के लिए गए थे। यहां पर सीएम के लिए लाए गए केस और समोसे उनके स्टाफ को बांट दिए गए। इसकी जांच सीआईडी ने की। जांच में पता चला कि सिर्फ एसआई को ही पता था कि ये डिब्बे खास तौर पर सीएम सुक्खू के लिए थे।

समन्वय की कमी से हुई गलती

जांच में पता लगा है कि जब इन डिब्बों को महिला इंस्पेक्टर को सौंपा गया तो उन्होंने किसी वरिष्ठ अधिकारी से पुष्टि नहीं की और इन्हें नाश्ते के लिए जिम्मेदार मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट (एमटी) सेक्शन को भेज दिया। इस गलती के कारण से ये बक्से को उनके उचित व्यक्ति तक पहुंचने से पहले ही इधर से उधर हो गए।रिपोर्ट में कहा गया है कि समन्वय की कमी इस गलती का एक महत्वपूर्ण कारण थी।

10/12 व्यक्तियों को चाय के साथ परोसा गया

जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि उपरोक्त तीनों बॉक्स में रखे सामान को आईजी के कार्यालय में बैठे 10/12 व्यक्तियों चाय के साथ परोस दिया गया था। तथाकथित तीन बाक्स जो होटल से लाए गए थे इनमें मौजूद खाने की वस्तुएं मुख्यमंत्री के लिये हैं, इस बात की जानकारी केवल SI को ही थी। इसके बावजूद उपरोक्त तीनों बॉक्स को इंस्पेक्टर द्वारा किसी भी उच्च अधिकारी को पूछे बगैर यह सामान एमटी अनुभाग को सौंपा गया। बॉक्स खोले गये व इसमे मौजूद सामान बांटा गया।

दो महिलाओं पर भेड़िए ने किया हमला, आधे घंटे तक लड़ती रहीं, फिर भेड़िए को इस तरह मार डाला

छिंदवाड़ा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा के सिंगोड़ी से लगे ग्राम खकरा चौरई में शुक्रवार सुबह खेत में काम कर रही दो महिलाओं पर भेड़िए ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों महिलाएं बुरी तरह घायल हो गईं। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल महिला के बेटे राजकुमार डेहरिया ने बताया कि उनकी मां भुजलो बाई (65) दुर्गाबाई के साथ सुबह खेत में काम कर रही थीं। तभी अचानक एक भेड़िए ने भुजलो बाई पर हमला कर दिया, जिससे उनकी आंख बुरी तरह जख्मी हो गई। भेड़िए के अचानक हमले के बाद दुर्गाबाई ने भुजलो बाई को बचाने का प्रयास किया, जिस दौरान भेड़िए ने दुर्गाबाई के हाथ को भी घायल कर दिया। लगभग आधे घंटे तक दोनों महिलाओं और भेड़िए के बीच संघर्ष चलता रहा। इस दौरान भुजलो बाई ने पास में रखे फावड़े से भेड़िए के सिर पर वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद ही दोनों की जान बच पाई। तुरंत, महिलाओं ने अपने परिजनों को सूचना दी, जिन्होंने उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

इस घटना के बाद भी वन विभाग की टीम अब तक मौके पर नहीं पहुंची है। भेड़िए का इस क्षेत्र में पहली बार आतंक देखा गया है, जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। हालांकि, जिस भेड़िए ने हमला किया था, उसकी मौत हो चुकी है, लेकिन लोगों को आशंका है कि क्षेत्र में और भी भेड़िए हो सकते हैं। फिलहाल वन विभाग का कोई अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा है। पीड़ित परिवार ने मुआवजे की मांग की है।

आचार संहिता के बीच मुंबई पुलिस ने बरामद किए 2.30 करोड़, 12 लोगों की हुई गिरफ्तारी

मुंबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 23 नवंबर को चुनाव का रिजल्ट जारी होगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने दक्षिण मुंबई के कालबादेवी में 12 लोगों के पास से 2.3 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। शुक्रवार को अधिकारियों ने यह जानकारी साझा की। दरअसल गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। लोकमान्य तिलक मार्ग थाना पुलिस और निर्वाचन अधिकारियों ने रात कुछ लोगों को रोका। अधिकारियों के मुताबिक, इन लोगों की जब तलाशी ली गई तो उनके पास से 2.3 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए।

नकदी ले जा रहे 12 लोग गिरफ्तार

तलाशी के दौरान नकदी लेकर जा रहे ये लोग न तो नकदी से संबंधित कोई डॉक्यूमेंट प्रस्तुत कर सके और न ही वे इतनी बड़ी रकम ले जाने का कारण बता पाए। बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गठित निगरानी टीम नकदी, शराब और अन्य संभावित प्रलोभनों जैसी वस्तुओं को लेकर अलर्ट है। शुक्रवार को अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में सुबह तक कागजी कार्रवाई की गई। पूछताछ के बाद पैसे को जब्त कर लिया गया। वहीं नकदीं ले जा रहे 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि बाद में जांच के लिए नकदी को आयकर विभाग को सौंप दिया गया है।

23 नवंबर को आएगा रिजल्ट

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 20 नवंबर को मतदान किया जाएगा। वहीं वोटों को गिनती और चुनाव परिणाम की घोषणा 23 नवंबर को की जाएगी। बता दें कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच कांटे की टक्कर है। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, एनसीपीएसपी तीन प्रमुख पार्टियां हैं। वहीं महायुति में शिवसेना, भाजपा, एनसीपी तीम प्रमुख पार्टियां हैं। दोनों ही गठबंधन के दलों का कहना है कि अगली सरकार उनकी ही आ रही है। अब इसका फैसला तो 23 नवंबर को ही हो सकेगा।

कीरतपुर में दर्दनाक हादसा: एसयूवी और टैक्सी के बीच जबरदस्त टक्कर, चालक और महिला की मौत, बच्चे समेत चार घायल

चंडीगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर कीरतपुर साहिब के पास शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ है। धार्मिक नगरी कीरतपुर साहिब में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर सुबह लगभग 6:30 बजे एक एसयूवी 500 और स्विफ्ट डिजायर कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। इस भयानक सड़क हादसे ने टैक्सी चालक और एक महिला दीपिका शर्मा की मौत हो गई। वहीं, स्विफ्ट डिजायर (टैक्सी) में सवार छोटे बच्चे समेत चार लोग घायल हुए हैं। मृतक टैक्सी चालक की पहचान हमीरपुर निवासी युवराज राणा (30) के तौर पर हुई है, जो हिमाचल से सवारियां लेकर चंडीगढ़ जा रहा था। घायलों में एना भारती, रीना देवी, एक छोटा बच्चा और अन्य व्यक्ति शामिल है। वहीं एसयूवी चालक अपने साथियों के साथ गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दिल्ली नंबर की एसयूवी में एक युवती और दो युवक सवार थे, जो शायद नशे में थे। एसयूवी चालक गलत दिशा में गाड़ी चला रहा था। हिमाचल प्रदेश की तरफ से आ रही स्विफ्ट डिजायर से एसयूवी की आमने-सामने टक्कर हो गई। डिजायर में सवार लोग अंदर फंस गए। घायलों को मौके पर मौजूद लोगों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। हैरानी की बात यह है कि हादसे के एक घंटे तक न तो एंबुलेंस आई और न ही हाईवे से गुजर रही गाड़ियों ने घायलों की मदद की। घायल इलाज के लिए सड़क पर चीखते पुकारते रहे। पुलिस के मुताबिक एना भारती पुत्री प्रकाश चंद जो के चंडीगढ़ में कोचिंग ले रही थी, उसे छोड़ने के लिए टैक्सी चालक को किराए पर हायर किया था। रास्ते में दीपिका शर्मा, उसका छोटा बच्चा, रीना देवी और एक अन्य व्यक्ति भी सवारी के रूप में टैक्सी में बैठे थे। एना भारती और रीना देवी को श्री आनंदपुर साहिब से रेफर कर दिया गया है। वही महिला दीपिका शर्मा उम्र 32 साल की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार टैक्सी चालक युवराज राणा के साथ अगली सीट पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था जबकि पिछली सीट पर एक छोटा बच्चे के साथ उसकी मां दीपिका शर्मा, ईना भारती, रीना देवी सवार थी। हादसे के बाद बच्चे समेत सभी लोग गंभीर घायल हुए हैं, जिनको एंबुलेंस के माध्यम से आनंदपुर साहिब के सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया,

बड़े ब्रांड्स के लेबल पर बन रहा था नकली घी, दिल्ली के नजदीक पुलिस ने पकड़ी फैक्ट्री, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली देसी घी बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। इस वारदात में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये फैक्ट्री हरियाणा के जींद मे चल रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की निशानदेही पर गोदाम से अमूल, वेरका, नेस्ले, एग्री-डे, मधुसूदन, आनंद, परम, मदर डेयरी, पतंजलि आदि की पैकेजिंग मेटीरियल बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपियों में से दो हरियाणा और तीन दिल्ली के हैं। अमूल और ईनो कंपनी के अफसरों ने जांच के बाद बताया कि माल नकली है, जिसे उनकी कंपनियों ने नहीं बनाया है। इसके लिए सदर बाजार से डुप्लीकेट प्रोडक्ट लाए जा रहे थे। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के मुताबिक, उन्हें दिल्ली एनसीआर में नकली घी बनाने वाली इन फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच संदिग्ध लोगों पर लगातार नजर रखे हुए थी, क्योंकि पुलिस के पास बेहद स्पेसिफिक इनपुट था इसलिए अमूल और इनो कंपनी के प्रतिनिधियों को भी क्राइम ब्रांच ने छापेमारी के दौरान अपने साथ रखा हुआ था। इससे की असली और नकली घी की पहचान तुरंत मौके पर की जा सके। पुलिस ने जींद की इस फैक्ट्री से 240 लीटर नकली घी और करीब ढाई हजार लीटर घी बनाने का सामान और पैकेजिंग मेटेरियल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम ऋतिक खंडेलवाल, संजय बंसल, रोहित अग्रवाल, कृष्ण और अश्वनी है।

क्राइम ब्रांच ने 3 तस्करों को रंगे हाथ पकड़ा ब्राउन शुगर और 11 किलो गांजा बरामद

इंदौर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने हाल ही में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में पुलिस ने नशीले पदार्थों के साथ दो अलग-अलग स्थानों से तस्करों को पकड़ा है। इस कार्रवाई का नेतृत्व एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया और उनकी टीम ने किया। पहली कार्रवाई में, क्राइम ब्रांच ने शादाब खान नामक एक व्यक्ति को परदेशीपुरा इलाके से गिरफ्तार किया। शादाब, जो कि जावरा के मोलना पोल्ट्री फार्म का निवासी है, इंदौर में ब्राउन शुगर की डिलीवरी के इरादे से आया था।

पुलिस ने शादाब के पास से लगभग 100 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की, जो एक खतरनाक और महंगा नशीला पदार्थ माना जाता है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शादाब इंदौर में नशे की डिलीवरी करने के उद्देश्य से सक्रिय था और इससे पहले भी इस तरह के अपराध में संलिप्त हो सकता है। पुलिस उससे आगे की पूछताछ कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि वह इस कारोबार में कितने समय से जुड़ा हुआ है और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। दूसरी कार्रवाई में, क्राइम ब्रांच ने दूर सिंह और अमर सिंह नाम के दो व्यक्तियों को पकड़ा, जिनके पास से लगभग 11 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस को मधुमिलन चौराहे पर इन संदिग्धों की गतिविधियों की सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने इन पर नजर रखी और योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी करके दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गांजा तस्करी के इस मामले में पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि इनका नेटवर्क कितना बड़ा है और यह गांजा कहां से लाया गया था। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई के बाद शहर में नशे के अवैध कारोबार पर एक प्रभावी रोक लगने की उम्मीद है। पुलिस जल्द ही इस पूरे मामले में और भी विस्तृत खुलासा करेगी ताकि अन्य संलिप्त लोगों तक भी पहुंच बनाई जा सके।

डिप्टी सीएम से बोले पूर्व गृहमंत्री

कॉल डिटेल से दबाव बना रही पुलिस; कांग्रेस ने पूछा, क्या बीजेपी नेता ही सरकार के लिए बने खतरा?

भोपाल, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक और मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि सागर जिले के कुछ पुलिस अधिकारी अवैध रूप से कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीटीआर) तक पहुंच बना रहे हैं और डेटा का दुरुपयोग कर धमकी दे रहे हैं या पैसे वसूल रहे हैं। सिंह के आरोपों से उनकी अपनी पार्टी की सरकार घिर गई है, लेकिन एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इन आरोपों का खंडन किया है। दरअसल, खुरई सीट से मौजूद बीजेपी विधायक भूपेंद्र सिंह ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में सागर जिला योजना समिति की बैठक में यह मुद्दा उठाया।

भूपेंद्र सिंह ने कहा, कुछ लोगों की ऐसी शिकायतें हैं कि पुलिस अधिकारी उन्हें सीडीआर को लेकर धमकियां देते हैं। कहते हैं कि हमारे पास आपकी सीडीआर है, हम यह और वह कर सकते हैं। बीजेपी विधायक ने आरोप लगाया कि गुमशुदा लोगों का पता लगाने या पुलिस अधीक्षक (एसपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) की अनुमति से जांच के लिए सीडीआर का उपयोग किया जाता है, लेकिन इन मामलों में ऐसी कोई अनुमति नहीं ली जा रही है। जिले में यह पिछले पांच-छह महीनों से चल रहा है। इस संबंध में सागर जोन के आईजी प्रमोद वर्मा ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि स्थानीय एसपी ने बैठक में ही विधायक को आश्वासन दिया था कि बिना अनुमति के सीडीआर का उपयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाता है और जब भी जांच के लिए डेटा की आवश्यकता होती है,

लंबी छुट्टी पर गईं सोलन की एसपी इल्मा अफरोज़, रातोंरात खाली किया घर; चर्चा में क्यों आए ये विधायक साहब

सोलन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बद्दी की पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज बुधवार रात शिमला से लौटने के बाद वीरवार को मां के साथ लंबी छुट्टी पर मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) रवाना हो गईं। इल्मा सात व आठ नवंबर को राज्य सचिवालय शिमला में होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन की तैयारियों में जुटी थीं। वह इसी सिलसिले में शिमला पहुंचीं थीं। इस दौरान उनकी मुलाकात सरकार के नेताओं व पुलिस विभाग के आलाधिकारियों के साथ हुई। इस मुलाकात के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि पुलिस अधीक्षक रात को ही वापस बद्दी पहुंचीं और देर रात ही आवास से सारा सामान समेट लिया। वीरवार सुबह जब इल्मा अफरोज शिमला के बजाय बद्दी में दिखीं तो यह बात पूरे शहर में फैल गई। इल्मा को बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ (बीबीएन) में सराहनीय कार्यों के लिए कई संस्थाओं ने पुरस्कृत किया है। उन्होंने इन मेडल व किताबों को धरोहर मानते हुए समेटा और साथ लेकर उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गईं। इल्मा ने 27 जनवरी, 2024 को पुलिस जिला बद्दी में पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभाला है। विधायक जी हुए नाराज इसके बाद से उनका दून के विधायक एवं मुख्य संसदीय सचिव राम कुमार चौधरी के साथ टकराव चल रहा था।15 अगस्त को कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक के नहीं पहुंचने पर विधायक नाराज हो गए थे। उसके बाद जब उद्योग मंत्री का पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दौरा था तो उस दौरान विधायक वहां नहीं गए। उसके कुछ समय बाद बद्दी पुलिस ने अवैध खनन मामले में विधायक के परिवार के लोगों के वाहनों का चालान भी किया था। सीपीएस ने विधानसभा सत्र के दौरान शिमला में पत्रकारों से बातचीत में एसपी की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं, विधानसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

तबादले की पहले भी थी चर्चा

बताया जा रहा है कि इल्मा के तबादले की पहले भी तैयारी थी, लेकिन नालागढ़ में यौन शोषण प्रकरण में जांच के लिए प्रदेश हाई कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट सौंपे जाने तक उन्हें बदलने पर रोक लगा रखी थी। इल्मा के नेतृत्व में पुलिस ने नशा तस्करों, खनन माफिया पर लगाम कसी। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्र में अपराध भी कम हुए। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्र के सैकड़ों वंचित वर्ग के बच्चों को एसपी कार्यालय परिसर में निशुल्क शिक्षा देकर उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया है। इल्मा अफरोज अपनी व्यस्त दिनचर्या के बीच महिलाओं से मिलती हैं और उनकी समस्याएं सुनती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 9 नवंबर- 2024

ट्रंप की वापसी से चीन की हवा टाइट!

इकॉनमी की दृष्टि से देखें तो चीन कई मोर्चों पर संघर्ष करते दिख रहा है। चीन सरकार ने अपनी इकॉनमी में जान फूंकने के लिए हाल में कई लोक-लुभावन घोषणाएं की थीं। घोषणाएं कारगर साबित हुईं तो आने वाले दिनों में भी कई और उपायों की घोषणा की जा सकती है। लेकिन चीन की हालत तब पतली मानी जा रही है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हो गई है। ट्रंप चीनी इकॉनमी की हवा निकालने की फिराक में बहुत पहले से हैं। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषणों में भी चीनी सामान पर 60 फीसदी तक आयात शुल्क लगाने का वादा किया था। दुनिया के दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही काफी तनाव चल रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने देश को टेक्नोलॉजी का पावरहाउस बनाना चाहते हैं लेकिन ट्रंप की जीत से उनकी योजना को पलीता लगता दिखाई देने लगा है। बता दें कि चीन में रियल एस्टेट सेक्टर कई सालों से संकट के दौर से गुजर रहा है। सरकारी कर्ज बढ़ रहा है, ऊपर से बेरोजगारी भी चरम पर है। खपत में आई सुस्ती ने चीन की ग्रोथ पर ब्रेक लगा रखा है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में चीनी सामान पर 25% तक इम्पोर्ट ड्यूटी लगाई थी। लेकिन अब वे दूसरे कार्यकाल में चीन के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आईएमएफ ने पहले ही चीन की इकॉनमी के लिए अपने अनुमान को कम कर दिया है। इस साल देश की इकॉनमी के 4.8% की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है जबकि सरकार ने 5% का लक्ष्य तय कर रखा है। अगले साल इसके 4.5% रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो चीन में भी उसी तरह का ठहराव आ सकता है जिसमें जापान कई दशक से फंसा था। जापान में 1990 के दशक में स्टॉक और प्रॉपर्टी का बुलबुला फूटने से वहां की इकानामी में ठहराव सा आ गया था। आजतक वह इससे उबर नहीं पाया है। जानकारों का मानना है कि इस स्थिति से बचने के लिए चीन को कंज्यूमर डिमांड बढ़ाने पर काम करना चाहिए और एक्सपोर्ट और निवेश आधारित ग्रोथ से हटना चाहिए। इससे चीन में सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा और देश बाहरी झटकों से बचने से भी अपने को बचाए रख सकेगा। चीन कई साल से दुनिया के लिए उत्पादन की फैक्ट्री बना हुआ है। वहां बने सस्ते सामान से दुनियाभर के बाजार पटे पड़े हैं। चीन उसी सफलता को हाई-टेक एक्सपोर्ट में भी दोहराना चाहता है। सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वीकल्स और लीथियम आयन बैटरी के मामले में चीन आज वर्ल्ड लीडर की हैसियत में है। लेकिन इसके साथ ही पश्चिमी देशों के साथ चीन का तनाव बढ़ता जा रहा है। पिछले महीने यूरोपीय यूनियन ने चीन में बने ईवी पर टैरिफ बढ़ाकर 45 फीसदी कर दिया था। अब व्हाइट हाउस में ट्रंप की वापसी से चीन की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। इस तरह की सोचने मात्र से चीन को अचानक कंपकंपी छूटने लग रही है। दुनिया के बाजार में अपना दबदबा कायम रखने के लिए वह अब क्या करता है देखना दिलचस्प होगा।

अपराध और अपराधियों को बचाने में अधिकारियों की संलिप्तता

प्रियंका सौरभ

जब अधिकारी अनैतिक आचरण में लिप्त होते हैं, तो कानून प्रवर्तन में जनता का भरोसा कम होता है, जिससे संस्थाओं में विश्वास टूटता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल (2023) की रिपोर्ट में पुलिस भ्रष्टाचार को भारत के सार्वजनिक संस्थानों में अविश्वास का एक प्रमुख कारण माना गया है। जब कानून प्रवर्तन अपराधियों को बचाता है, तो यह दो-स्तरीय न्याय प्रणाली बनाता है, जहाँ शक्तिशाली लोग परिणामों से बच निकलते हैं। वोहरा समिति की रिपोर्ट (1993) ने अपराधियों, राजनेताओं और पुलिस के बीच सांठगांठ का खुलासा किया, जिससे कानून प्रवर्तन की अखंडता से समझौता हुआ। अपराधियों को बचाने में शामिल अधिकारी पीड़ितों को न्याय से वंचित करने में योगदान करते हैं, जिससे दंड से मुक्ति का चक्र चलता रहता है। बिहार और यूपी (2022-23) में हाल ही में हुए हाई-प्रोफाइल मामलों में पुलिस की संलिप्तता प्रभावशाली अपराधियों को बचाने और न्याय में देरी करने में देखी गई है।

इस तरह का अनैतिक व्यवहार पुलिस बल के भीतर भ्रष्टाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जिससे संभावित रूप से संस्थागत अपराध को बढ़ावा मिलता है। मुंबई पुलिस (2021) के भीतर भ्रष्टाचार के घोटालों ने उजागर किया कि कैसे वित्तीय लाभ के लिए अपराधियों को बचाया जाता है। पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण दिए जाने की सार्वजनिक जानकारी से अराजकता बढ़ती है और सामाजिक अशांति पैदा होती है, जिससे शासन व्यवस्था कमज़ोर होती है। उत्तर प्रदेश में (2023) हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए, जब पुलिस द्वारा स्थानीय माफिया समूह को संरक्षण दिए जाने की रिपोर्टें सामने आईं। पुलिस अधिकारियों के लिए मूल्य-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने से उनमें नैतिक व्यवहार और ईमानदारी पैदा हो सकती है, जिससे भ्रष्टाचार कम हो सकता है। दूसरा एआरसी (2008) पेशेवर जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए पुलिस प्रशिक्षण में नैतिक मॉड्यूल की सिफ़ारिश करता है। आंतरिक निगरानी और पुलिस शिकायत प्राधिकरण जैसे बाहरी निकायों को मज़बूत करना अनैतिक व्यवहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करता है। प्रकाश सिंह मामले (2006) ने पुलिस सुधारों को जन्म दिया, जिसमें स्वतंत्र जवाबदेही तंत्र स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्हिसल-ब्लोअर सुरक्षा सुनिश्चित करने से अधिकारी बिना किसी प्रतिशोध के डर के अनैतिक व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है। व्हिसल-ब्लोअर सुरक्षा अधिनियम (2014) भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले लोक सेवकों के लिए सुरक्षा उपाय प्रदान करता है। अपराधियों को बचाने वाले अधिकारियों के लिए कठोर कानूनी दंड लगाना एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जो नैतिक मानकों का पालन सुनिश्चित करता है। 2023 में, यूपी पुलिस ने आपराधिक साजिशों में शामिल होने के लिए कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया, जो शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण का संकेत देता है। बॉडी कैम और स्वचालित निगरानी जैसे प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों को लागू करने से वास्तविक समय की निगरानी प्रदान करके पुलिस के कदाचार को रोका जा सकता है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्य पुलिस की जवाबदेही बढ़ाने के लिए बॉडी कैमरा अपना रहे हैं। समुदाय-पुलिस भागीदारी को मज़बूत करने से विश्वास को बढ़ावा मिलता है और समुदायों को अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की अनुमति मिलती है। केरल में जनमैत्री सुरक्षा परियोजना बेहतर पुलिस-समुदाय सम्बंधों को बढ़ावा देती है, जिससे भ्रष्टाचार के मामले कम होते हैं। कानून प्रवर्तन में नैतिक अखंडता का निर्माण करने के लिए संस्थागत सुधार, जवाबदेही तंत्र और कदाचार को रोकने के लिए मज़बूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता होती है।

तालिबान से सुधर रहे भारत के संबंध, अफगानिस्तान से चाबहार पर चर्चा

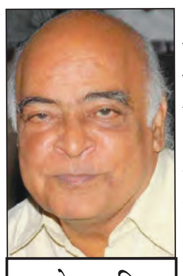
अशोक भाटिया

भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब से मुलाकात की और उनके देश के व्यापारिक समुदाय के लिए ईरान स्थित चाबहार पोर्ट का उपयोग करने का प्रस्ताव दिया। इसके साथ ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने काबुल को मानवीय सहायता बढ़ाने पर भी चर्चा की। यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान-अफगानिस्तान-ईरान विभाग के संयुक्त सचिव जे पी सिंह के नेतृत्व में अफगानिस्तान गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान बताया कि मुल्ला मोहम्मद याकूब से मुलाकात के अलावा भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रमुखों से भी बातचीत की। जायसवाल ने कहा, 'उनकी चर्चा का मुख्य विषय भारत की मानवीय सहायता और चाबहार पोर्ट का अफगानिस्तान के व्यापारिक समुदाय द्वारा कैसे उपयोग किया जा सकता है। इसपर आधारित था।' भारत ने 2021 से अफगानिस्तान पर काबिज तालिबान शासन को आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है, लेकिन भारत अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करता रहा है, जिसमें गेहूं, दवाइयां और चिकित्सा सामग्री शामिल हैं। जायसवाल ने कहा, 'मैं यहां यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि अफ़ग़ानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान करना हमारे सहायता कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पिछले कुछ महीनों और वर्षों में हमने कई मानवीय सहायता सामग्री भेजी हैं। हमारे अफ़ग़ानिस्तान के लोगों के साथ गहरे संबंध हैं और ये संबंध हमारी नीति को हमेशा मार्गदर्शन देते रहेंगे। इस साल की शुरुआत में, भारत ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट के विकास और संचालन के लिए 10 साल का एक समझौता किया था, जिसे भारत ने अपनी सहायता से बनाया था। भारत और तालिबान के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। अब इसका उल्टा असर तालिबान और पाकिस्तान के संबंध पर पड़ रहा है। इसका सबूत आज ही कतर की राजधानी दोहा में दिखा, जब तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने भारत की तारीफ की। उन्होंने अफगानिस्तान पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत के समर्थन को लेकर धन्यवाद दिया। यह घटना बताती है कि कैसे पर्दे के पीछे बहुत कुछ चल रहा है। भारत 2021 के बाद से तालिबान के साथ जुड़ने को लेकर काफी सतर्क रहा है। भारत ने तालिबान के साथ सिर्फ उतनी ही दोस्ती की, जो रणनीतिक रूप से उचित हो। यही कारण है कि आज अफगानिस्तान में भारत का प्रभाव पाकिस्तान से ज्यादा है। जब अगस्त 2021 में तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया तो सभी को लगा कि इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को होगा। पाकिस्तान के राजनेता और कई एक्सपर्ट खुशियां मनाने लगे थे कि भारत का अफगानिस्तान में किया गया करोड़ों डॉलर का निवेश डूब जाएगा। हालांकि, भारत ने इसे एक चैलेंज के रूप में लिया और तालिबान के साथ सीमित संपर्क स्थापित किया। भारत ने शुरू में काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था। हालांकि, उपस्थिति बनाए रखने के महत्व को पहचानते हुए भारत ने अपना दूतावास फिर से खोल दिया और काबुल में एक तकनीकी टीम तैनात की। इसके बाद भारत ने अफगानिस्तान की स्थिति को देखते हुए मानवीय सहायता प्रदान की। इसके तहत अफगानिस्तान को गेहूं और दवाइयां समेत कई जरूरी सामान भेजे गए। हालांकि, इस काम में पाकिस्तान ने अपनी तरफ से खूब अड़चन पैदा करने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सका। 2023-24 में, भारत ने अफगान सहायता के लिए लगभग 24 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवंटित किए, जो अफगान लोगों का समर्थन करने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत, अफगानिस्तान के क्षेत्रीय सहयोगी के रूप में सामने आया और कई तरह से मदद की। काबुल में तालिबान द्वारा आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेते हुए, भारत ने क्षेत्रीय स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका पर जोर दिया। यह जुड़ाव क्षेत्र में भारत की सक्रिय कूटनीति को उजागर करता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने अफगानिस्तान के विकास में 3 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिसमें ज़ालरांज-डेलाराम राजमार्ग जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, कनेक्टिविटी और व्यापार मार्गों को बढ़ावा शामिल है। यह दीर्घकालिक निवेश अफगानिस्तान की प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अपने सहायता प्रयासों के बावजूद, भारत सुरक्षा खतरों के बारे में सतर्क रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य उग्रवादियों जैसे समूहों के साथ तालिबान के संबंध महत्वपूर्ण चिंता का विषय हैं। हालांकि, तालिबान का यह रुख कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच एक द्विपक्षीय मुद्दा है, अप्रत्यक्ष रूप से भारत का समर्थन करता है। तालिबान और पाकिस्तान के बीच लगातार बिगड़ते संबंधों ने भारत को बड़ा मौका प्रदान किया है। ऐतिहासिक संबंधों के बावजूद, सीमा मुद्दों और टीटीपी की गतिविधियों पर तालिबान और पाकिस्तान के बीच हालिया असहमति भारत को रणनीतिक लाभ प्रदान करती है। भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति ने भी इसमें भूमिका निभाई है। शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंध ने ऐतिहासिक रूप से सद्भावना को बढ़ावा दिया है। हालांकि, हाल ही में वीजा मुद्दों से दोनों देशों के रिश्तों में कुछ तनाव जरूर आया है, लेकिन ये तकनीकी कारणों से हुआ है, न कि संबंधों के स्तर पर। इसके बावजूद इन चुनौतियों का समाधान करने से अफगानिस्तान में भारत का प्रभाव और मजबूत हो सकता है। भारत और अफगानिस्तान को जोड़ने में क्रिकेट एक महत्वपूर्ण सॉफ्ट पावर टूल रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राशिद खान और मोहम्मद नबी जैसे अफगान खिलाड़ियों ने बहुत नाम और पैसा कमाया है, जिससे दोनों देशों के बीच साझा सांस्कृतिक और खेल संबंध को बढ़ावा मिला है। आज अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम की गिनती दुनिया के शक्तिशाली टीमों में होती है। इसका पूरा श्रेय भारत को जाता है। अफगानिस्तान की टीम भारत में रहती है और भारत की सहायता से अपने क्रिकेट के गुर को और बेहतर बना रही है। हाल में ही टी-20 विश्वकप में अफगानिस्तान के प्रदर्शन को सभी ने सराहा अफगानिस्तान में तालिबान का नियंत्रण क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिम पैदा करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का संभावित पुनरुत्थान भी शामिल है। भारत की चल रही सतर्क कूटनीति का उद्देश्य इन जोखिमों को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि अफ़ग़ानिस्तान भारत विरोधी गतिविधियों का अड्डा न बने। क्षेत्रीय सम्मेलनों और पहलों में भारत की भागीदारी अफ़ग़ानिस्तान की स्थिरता और विकास के लिए सहयोगी समाधानों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। सामूहिक सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए यह जुड़ाव महत्वपूर्ण है। शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से अफ़गान नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों का समर्थन करना भारत की सॉफ्ट पावर रणनीति का आधार रहा है। लोगों के बीच इन संबंधों को बढ़ाने से अफ़ग़ानिस्तान में भारत का प्रभाव और समर्थन काफ़ी हद तक बढ़ सकता है। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को इस्लामिक एमिरेट्स ऑफ अफगानिस्तान के नाम से जाना जाता है। तालिबान ने हथियार के दम पर अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता हथियाई थी। अफगानिस्तान के दौरे पर गए जेपी सिंह ने तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई से भी मुलाकात की। बुधवार को काबुल में जेपी सिंह और मोहम्मद याकूब मुजाहिद के द्विपक्षीय मुलाकात के बाद तालिबान के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय ने एक्स पर लिखा कि नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री के प्रशासक ने अपने ऑफिस में भारत से आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

ललित गर्ग

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 को पुनर्बहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नहीं है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या, परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोड़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर को धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए। भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक है। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पड़ोसी देश के मनसूबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस एवं पीडीपी सरीखे दल यहां अलगावावाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते है, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टुकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है। अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है।

बातों का जहाज

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव के चौपाल पर हर शाम की तरह बुजुर्ग लोग इकट्ठे हुए थे। किस्से-कहानियों और राजनीति की बातें करने का एक अनिवार्य कार्यक्रम रोजाना की तरह चल रहा था। इस दिन, चौधरी साहब ने बड़ी खबर दी – हमारे गांव में एक 'बातों का जहाज' उतरा है! अब ये सुनकर हर कोई चौंका। 'बातों का जहाज'! ये किस बला का नाम है?मुसद्दी मामा, जो हर बात पर तंज कसने से नहीं चूकते, हंसते हुए बोले, अरे, चौधरी साहब! ये कौन सा जहाज है जो बातें लेकर आता है? ये बातों का खेल तो नेता जी खेलते हैं, कोई जहाज-वहाज नहीं होता! चौधरी साहब ने रहस्यमयी आवाज में कहा, अरे मामा, तुम नहीं समझोगे। ये कोई मामूली जहाज नहीं है। ये उड़ता है और बातों से चलता है। इसमें पेट्रोल-डीज़ल नहीं लगता, सिर्फ हवा-हवाई बातें भर दो, और ये उड़ जाता है। सभी लोग ध्यान से चौधरी साहब की तरफ देखने लगे। ऐसा लगता था कि उन्होंने कोई अद्भुत चीज़ खोज निकाली हो। तो किसने चलाया ये जहाज? पप्पू, गांव का सबसे बड़ा सवाल पूछने वाला, जिज्ञासा से बोला। चौधरी साहब मुस्कुराते हुए बोले, अरे बेटा, ये जहाज गांव के नेता जी ने चलाया है। उन्होंने कहा कि जितनी ज्यादा बातें करेंगे, जहाज उतना ही ऊपर उड़ेगा। नेता जी ने तो अपनी पूरी पार्टी की बातों से जहाज भर दिया। अब सभी के चेहरे पर हल्की मुस्कान आ गई थी। बिल्लू काका बोले, अरे, ये तो बड़ा अच्छा साधन है! अब नेता जी को काम करने की जरूरत ही नहीं। बस बातें करते रहो और गांव का विकास भी उड़ता रहेगा! मुसद्दी मामा ने अपना तंज फिर से कसा, बातों से विकास! वाह! ये तो नया फार्मूला है। अब हम तो सालों से समझते थे कि काम से विकास होता है, लेकिन नेता जी ने साबित कर दिया कि बातें ही काफी हैं! तभी गांव का एक बच्चा दौड़ता हुआ आया और चिल्लाया, चाचाजी, वो जहाज टूट कर गिर गया! सभी लोग घबरा गए। कहां गिरा? कैसे गिरा? सबने एक साथ पूछा। बच्चा बोला, नेता जी ने ज्यादा बातें कर दीं। जहाज इतना भारी हो गया कि उसका संतुलन बिगड़ गया और धड़ाम से गिर पड़ा! अब चौपाल पर सन्नाटा छा गया। सबकी आंखों में एक ही सवाल था – 'क्या वाकई में बातों से जहाज उड़ सकता है?' मुसद्दी मामा ने ठहाका लगाते हुए कहा, देखा, मैंने पहले ही कहा था! बातें करना आसान है, लेकिन उन्हें संभालना मुश्किल। जहाज क्या, अगर ज्यादा बातें करोगे तो पूरा गांव ही उलट जाएगा! सबने एक-दूसरे की तरफ देखा और धीरे-धीरे समझ में आने लगा कि विकास की असली उड़ान सिर्फ बातों से नहीं हो सकती। अब चौपाल पर केवल एक ही बात थी – 'बातों का जहाज' तो उड़ गया, लेकिन गांव का विकास धरातल पर ही पड़ा रहा।

भारत को ट्रम्प की दूसरी पारी से अपेक्षाएं

जयसिंह रावत

एक शानदार जीत के बाद अब डोनाल्ड ट्रम्प आगामी 20 जनवरी 2025 को विश्व के सबसे शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश होने के कारण दुनिया का चौधरी भी है, इसलिये सारे विश्व की नये राष्ट्रपति से कुछ अपेक्षाएं हैं। होंगी तो रूस और चीन जैसे कुछ देशों को उनसे आशंकाएं भी होनी स्वाभाविक ही हैं।

पिछले ट्रम्प प्रशासन (2017-2021) के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन कुल मिलाकर इसे भारत का मिलाजुला अनुभव कहा जा सकता है। उस समय ट्रम्प प्रशासन के दौरान भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कुछ अहम पहलुओं पर जोर दिया गया था। भारत को भी इस शक्तिशाली देश के सर्वाधिक शक्तिशाली नेता से अवश्य ही कई अपेक्षाएं हैं। चूंकि डोनाल्ड ट्रम्प से हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत सम्बन्ध भी हैं इसलिये अगले ट्रम्प प्रशासन से हमारी कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं होनी स्वाभाविक ही हैं।

पिछले ट्रम्प प्रशासन के दौरान भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में मजबूती आई थी। दोनों देशों ने विभिन्न रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सैन्य सहयोग बढ़ाया। "कम्बाइंड मिलिटरी एक्सरसाइज" और भारत को "मेजर डिफेंस पार्टनर" का दर्जा देने से रणनीतिक साझेदारी को प्रोत्साहन मिला। पिछले ट्रम्प प्रशासन (2017-2021) ने चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा था। भारत और अमेरिका दोनों ही चीन के "आक्रामक" रवैये के खिलाफ मिलकर काम करने की ओर अग्रसर हुए।

भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान अमेरिका ने भारत के पक्ष में कई बयान दिए, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को एक रणनीतिक दिशा मिली थी। अतः भारत और अमेरिका के बीच चीन के प्रभाव को चुनौती देने के लिए साझा रणनीतियाँ बनाने की उम्मीद की जा सकती है। ट्रम्प प्रशासन ने पहले भी भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखा था। अगला ट्रम्प प्रशासन खास कर सीमा विवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों में भारत के प्रयासों का समर्थन कर सकता है। अब भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में और विस्तार की संभावना है, जिससे भारत को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकी सहयोग का लाभ मिल सकता है। इससे भारत की सैन्य ताकत बढ़ने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी भी और मजबूत होगी।

पिछले ट्रम्प प्रशासन के दौरान व्यापार विवादों में वृद्धि हुई। अमेरिका ने भारत पर अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए दबाव डाला था। इसके अलावा ट्रम्प ने भारत की उच्च टैरिफ और ड्यूटी जैसे कुछ व्यापारिक निर्णयों को लेकर आलोचना की थी। हालांकि उस दौर में रक्षा उपकरणों की बिक्री जैसे कुछ समझौते सम्पन्न भी हुए थे जो दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक थे। अगला ट्रम्प प्रशासन इन मुद्दों को फिर से उठा सकता है। हालांकि यदि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते मजबूत होते हैं, तो भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में कुछ लचीलापन और बेहतर साझेदारी की उम्मीद हो सकती है। भारत को उम्मीद हो सकती है कि अगला ट्रम्प प्रशासन व्यापारिक फैसलों में "अमेरिका फर्स्ट" दृष्टिकोण अपनाएगा, लेकिन वह भारत से अपने व्यापार घाटे

इस बार भारत को अमेरिका से मित्रतापूर्ण वीजा नीति की अपेक्षा रहेगी। पिछली बार ट्रम्प प्रशासन की वीजा नीति, विशेष रूप से एच-1बी वीजा को लेकर भारतीय पेशेवरों के लिए अनुकूल नहीं थी। ट्रम्प के प्रशासन ने प्रवासी नीति को सख्त किया था जिससे भारतीय प्रवासियों और पेशेवरों, खासकर एच-1बी वीजा धारकों के लिए कुछ चुनौतियां उत्पन्न हुईं। ट्रम्प की "अमेरिका फर्स्ट" नीति ने वीजा आवेदनों पर प्रतिबंध और अन्य नियमों में कड़ाई लाने का प्रयास किया था। अब भारत को उम्मीद हो सकती है कि ट्रम्प प्रशासन अपने "अमेरिका फर्स्ट" दृष्टिकोण के तहत प्रवासी नीति को सख्त रखे लेकिन यदि कोई सुधार होता है तो भारतीय पेशेवरों को वीजा प्रक्रिया में राहत मिले। भारतीयों के अमेरिका में योगदान को लेकर ट्रम्प प्रशासन की नीतियों में कुछ सकारात्मक संकेत भी हो सकते हैं, जैसे भारतीय समुदाय के लिए विशेष योजनाएं और सम्मान ट्रम्प प्रशासन ने 2017 में पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और यह निर्णय भारत सहित कई देशों के लिए चिंताजनक था। ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने पर भारत को यह चिंता हो सकती है कि वह फिर से इस समझौते से बाहर हो सकता है, जिससे वैश्विक जलवायु प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा।

श्रीकृष्ण और गाय की पूजा का पर्व गोपाष्टमी आज

गोवर्धन पर्वत और कृष्ण के गाय चराने से जुड़ी है इस त्योहार की मान्यता

कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष के आठवें दिन गाय और भगवान कृष्ण की पूजा होती है। मान्यता है इस महीने की पहली तिथि पर श्रीकृष्ण ने बाढ़ से ब्रज वालों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था। इसके बाद आठवें दिन यानी अष्टमी को इंद्र ने श्रीकृष्ण से माफी मांगी थी और कामधेनु ने अपने दुध से भगवान का अभिषेक किया, इसलिए गोपाष्टमी पर गायों और बछड़ों को सजाया जाता है। उनकी पूजा होती है। ये पर्व मथुरा, वृंदावन ब्रज और अन्य जगहों पर खासतौर से मनाया जाता है। एक और मान्यता के मुताबिक इस दिन से ही श्रीकृष्ण ने गाय चरानी शुरू की थी।

माता यशोदा प्रेम के कारण श्रीकृष्ण कभी गाय चराने नहीं जाने देती थीं, लेकिन एक दिन कृष्ण ने गाय चराने की जिद की। तब यशोदा ने ऋषि शांडिल्य से मुहूर्त निकलवाया और पूजन के लिए श्रीकृष्ण को गाय चराने भेजा। पुराणों में बताया गया है कि गाय में सभी देवी-देवताओं का वास होता है, इसलिए गाय की पूजा से सभी देवी-देवता प्रसन्न होते हैं।

भविष्य पुराण: गाय के शरीर में देवी-देवता और ऋषियों का वास

भविष्य पुराण के अनुसार गाय को माता यानी लक्ष्मी का रूप माना गया है। इस पुराण के मुताबिक गाय की पीठ में ब्रह्म का वास है, गले में विष्णु, मुख में रुद्र, बाकी शरीर में सभी देवताओं और रोम-रोम में महर्षियों, पूंछ में अनंत नाग, पैर में सभी पर्वत, गौमूत्र में गंगा जैसी नदियां, गोबर में लक्ष्मी और आंखों में सूर्य-चन्द्र का अंश रहता है।

गोपाष्टमी की परंपराएं

गाय और बछड़े को सुबह नहलाकर तैयार किया जाता है। उसका श्रृंगार किया जाता हैं, पैरों में घुंघरू बांधे जाते हैं, अन्य आभूषण पहनाएं जाते हैं। गौ माता के सींगो पर चुनड़ी का पट्टा बाधा जाता है। सुबह जल्दी उठकर स्नान करके गाय के चरण स्पर्श किए जाते हैं।

गाय की परिक्रमा की जाती हैं। इसके बाद उन्हें चराने बाहर ले जाते है। इस दिन ग्वालों को भी दान दिया जाता हैं। कई लोग ग्वालों को नए कपड़े देकर तिलक लगाते हैं।

शाम को जब गाय घर लौटती है, तब फिर उनकी पूजा की जाती है, उन्हें अच्छा भोजन दिया जाता है। खासतौर पर इस दिन गाय को हरा चारा, हरा मटर एवं गुड़ खिलाया जाता हैं।

जिनके घरों में गाय नहीं होती है वे लोग गौ शाला जाकर गाय की पूजा करते है, उन्हें गंगा जल, फूल चढाते है, दीपक लगाकर गुड़ खिलाते है। गौशाला में भोजन और अन्य समान का दान भी करते है।

औरतें कृष्ण जी की भी पूजा करती है, गाय को तिलक लगाती है। इस दिन भजन किये जाते हैं। कृष्ण पूजा भी की जाती हैं।

मराठा विजय का औरंगजेब का सपना अधूरा ही रह गया

88 साल की उम्र में औरंगजेब का निधन

मराठों का इतिहास

तुम्हारे जैसा होता, तो सारा हिंदुस्तान कब का मुगल सल्तनत में समा चुका होता।'

संभाजी की मृत्यु के बाद मुगलों ने शिवाजी के बड़े बेटे शाहूजी को कैद कर लिया था। इधर नए पेशवा बने राजाराम को मुगलों से अपनी जान बचाने तमिलनाडु के जिन्जी भागना पड़ा। इस दौरान करीब दस साल राजाराम के दो कमांडर- सांताजी घोरपड़े और धानाजी जाधव ने मराठा साम्राज्य चलाया। इधर बूढ़े हो चले औरंगजेब की विरासत के लिए बेटों में तलवारें खिंच गई थीं। 26 साल चली लड़ाई से थका हुआ औरंगजेब अब समझ चुका था कि मराठा विजय का उसका सपना पूरा नहीं होगा। 3 मार्च 1707 को 88 साल की उम्र में उसकी मौत हो गई।

साल 1700 में राजाराम के बाद उनकी विधवा ताराबाई अपने बेटे शिवाजी द्वितीय को राजा बनाना चाहती थीं, लेकिन वह कामयाब नहीं हुईं। इधर औरंगजेब के बेटे आजम शाह ने शिवाजी के बेटे शाहूजी को जेल से रिहा कर दिया। शर्त यह थी कि शाहूजी मुगलों के लिए काम करेंगे। जनवरी 1708 में शाहूजी सत्ता पर काबिज हो गए। कई इतिहासकार लिखते हैं कि शाहूजी के सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उन्हें मुगलों का दरबारी समझा जा रहा था। उनके अपने लोग मुगलों के लिए उनकी जासूसी करने लगे थे। ऐसे में शाहूजी की नजर अपने एक वफादार पर पड़ी- बालाजी विश्वनाथ।

मूल रूप से कोंकण के रहने वाले बालाजी, कभी क्लर्क की नौकरी किया करते थे। कूटनीति में माहिर और विनम्र स्वभाव वाले बालाजी को अगस्त 1711 में सेना बढ़ाने का जिम्मा मिला और 16 नवंबर को शाहूजी ने उन्हें पेशवा यानी प्रधानमंत्री बना दिया। हालांकि, सिर्फ 9 साल की पेशवाई के बाद 12 अप्रैल 1720 को बालाजी की बीमारी से मृत्यु हो गई। इसके बाद का दौर, बालाजी के बेटे बाजीराव प्रथम का था। वह मराठा योद्धा जिसने दिल्ली की छाती पर मराठा ध्वज लहराया। 1720 में बालाजी की मौत के तुरंत बाद शाहूजी ने 20 साल के बाजीराव को पेशवा बना दिया। इस समय तक मुगल और निजाम फिर से एकजुट हो चुके थे। पेशवा बाजीराव ने अपने 40 साल के जीवन में 41 लड़ाइयां लड़ीं और सभी में जीते। बुद्धिमान ब्राह्मण बाजीराव के पास दो चीजें थीं- योजनाएं बनाने के लिए सिर और उनका क्रियान्वयन करने के लिए हाथ। बाजीराव अपना घुड़सवारों का दस्ता लेकर दुश्मन पर बहुत तेजी से हमला करने के लिए जाने जाते थे। बाजीराव ने मुगलों के खिलाफ मराठाओं और राजपूत राजाओं को एकजुट किया। दक्कन के मुगल गवर्नर निजाम आसफ जाह ने बाजीराव को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी। **(जारी)**

अक्षय नवमी 10 नवंबर को

कार्तिक शुक्ल नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा करने की है परंपरा, इस दिन आंवले का करें दान

रविवार, 10 नवंबर को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी है। इसे अक्षय नवमी और आंवला नवमी कहते हैं। इस पर्व पर आंवले के पेड़ की पूजा करने की परंपरा है। मान्यता है कि जो लोग इस तिथि पर आंवले की पूजा करते हैं, उन पर विष्णु जी और महालक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

कार्तिक शुक्ल नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है और आंवला नवमी की कथा सुनी जाती है। पूजा में आंवले के पेड़ की परिक्रमा भी करते हैं। पूजा-पाठ के साथ ही इस पर्व पर आंवले का दान भी करना चाहिए। ये पर्व प्रकृति का सम्मान करने का संदेश देता है। पेड़-पौधों से ही हमारा जीवन है और हमें इनकी पूजा करनी चाहिए यानी इनकी रक्षा करनी चाहिए।

ये हैं आंवला नवमी से जुडी.मान्यताएं

आंवला नवमी पर आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा, मंत्र जप, ध्यान और भोजन करने की परंपरा है।

अक्षय नवमी से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार कार्तिक शुक्ल नवमी पर देवी लक्ष्मी भगवान विष्णु के साथ ही शिव जी पूजा करना चाहती थीं। देवी लक्ष्मी ने सोचा कि विष्णु जी को तुलसी प्रिय है और शिव जी को बिल्व पत्र प्रिय है। तुलसी और बिल्व पत्र के गुण एक साथ आंवले में होते हैं। ऐसा सोचने के बाद देवी लक्ष्मी ने आंवले के पेड़ को ही भगवान विष्णु और शिव जी का स्वरूप मानकर इसकी पूजा की। देवी लक्ष्मी की इस पूजा से विष्णु जी और शिव जी प्रसन्न हो गए। विष्णु जी और शिव जी देवी लक्ष्मी के सामने प्रकट हुए तो महालक्ष्मी ने आंवले के पेड़ के नीचे ही विष्णु जी और शिव जी को भोजन कराया। इस कथा की वजह से ही कार्तिक शुक्ल नवमी पर आंवले की पूजा करने की और इस पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने परंपरा है।

एक मान्यता ये भी है कि अक्षय नवमी पर महर्षि च्यवन ने आंवले का सेवन किया था। आंवले के शुभ असर से च्यवन ऋषि फिर से जवान हो गए थे।

आयुर्वेद में कई रोगों को ठीक करने के लिए आंवले का इस्तेमाल किया जाता है। आंवले का रस, चूर्ण और मुरब्बा ये सभी हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आंवले के नियमित सेवन से अपच, कब्ज, गैस जैसी दिक्कतें दूर हो जाती हैं।

अक्षय नवमी पर घर के मंदिर में लक्ष्मी-नारायण की भी पूजा की जाती है। भगवान विष्णु मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करते हुए लक्ष्मी-विष्णु का अभिषेक करें।

ऐसे कर सकते हैं आंवले की पूजा

आंवला नवमी पर किसी आंवला वृक्ष के आसपास साफ-सफाई करें। आंवले की जड़ में शुद्ध जल चढ़ाएं। थोड़ा सा कच्चा दूध अर्पित करें। कुमकुम, चावल, अबीर, गुलाल, चावल, हार-फूल, भोग के लिए मिठाई आंवले को चढ़ाएं। आंवले के तने पर कच्चा सूत लपेटें। धूप-दीप जलाकर आरती करें। आंवले की परिक्रमा करें।

किचन में रखी ये एक चीज है बेहद चमत्कारी

सरल उपाय से खुल जाएंगे भाग्य, नौकरी-व्यापार में मिलेगा लाभ

भारतीय घरों में लौंग और इलायची का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजों के अलावा पूजा पाठ में किया जाता है। इसे माउथ फ्रेशनर के रूप में भी खाया जाता है और चाय का जायका बढ़ाने में भी उपयोग किया जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं आपकी किचन में रखी इलायची आपका भाग्य भी चमका सकती है। दरअसल, ज्योतिष शास्त्र में इलायची के कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जो चमत्कारी सिद्ध होते हैं।

नौकरी-कारोबार के लिए उपाय

यदि आप नौकरीपेशा हैं या फिर कारोबारी हैं और लगातार कड़ी मेहनत के बावजूद आपको आपकी उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं मिल रहा है तो आप इसके लिए एक उपाय कर सकते हैं। आपको किसी भी मंगल या शनिवार को हनुमान जी को 2 इलायची अर्पित करना है। इससे पहले आपको उनकी प्रतिमा के सामने दंडवत होना होगा। इसके अगले दिन दोनों इलायची को अपने कार्यस्थल पर किसी साफ स्थान पर रख दें।

आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

यदि आप अपने कार्य को पूर्ण ईमानदारी से करते हैं, लेकिन मेहनत के बावजूद आपको इसका फल नहीं मिल रहा है और आर्थिक परेशानी भी बढ़ती जा रही है तो इलायची का उपाय आपको करना चाहिए। इसके लिए शुक्रवार को 7 इलायची पीले कपड़े में बांधें और अपनी तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा से आपकी आर्थिक परेशानी दूर होने लगती है।

मंत्र जाप का सही समय

घरेलू कलह दूर करने का उपाय

यदि आपके घर में आए दिन लगातार कलह और क्लेश का वातावरण बनता है और परिवार के सदस्यों में झगड़े होते हैं या फिर पति-पत्नी की रिश्तों में खटास आ गई है तो आपको इलायची का उपाय करना चाहिए। इसके लिए आप शुक्रवार की रात एक इलायची को अपने तकिये के नीचे रख कर सोएं। ऐसा आपको लगातार तीन शुक्रवार करना है। इससे आपको लाभ मिलेगा।

घर में गलत जगह रखा कबाड़, कर देगा आपसी सम्बन्ध खराब

वास्तु के अनुसार घर में रखे कबाड़ को जल्द से जल्द घर से बाहर निकाल देना चाहिए, वास्तु के अनुसार कबाड़ वाले कमरे में कभी भूलकर भी अपने जरूरी कागजात, धन, पूजा-पाठ की पवित्र चीजें कभी भूलकर नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के कबाड़ को शनिवार अथवा अमावस्या के दिन घर से बाहर करना चाहिए।

वास्तु के अनुसार कबाड़ को हमेशा घर के बाहर नैर्ऋत्य कोण में रखना चाहिए और कबाड़खाने के कमरे के आग्नेय, ईशान तथा दक्षिण दिशा में दरवाजा नहीं होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार कबाड़ कक्ष के दरवाजे का रंग काला होना चाहिए। कबाड़ कक्ष का द्वार लोहे अथवा टीन का बना होना चाहिए।

कबाड़ कक्ष का द्वार हमेशा एक पल्ले का होना चाहिए। कबाड़ कक्ष की लंबाई व चौड़ाई बहुत कम होनी चाहिए। कबाड़ कक्ष के नीचे तहखाना नहीं होना चाहिए। कबाड़ कक्ष में पानी नहीं रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार भूलकर भी ईशान कोण, पश्चिम, उत्तर, पूर्व, आग्नेय दिशा में नहीं रखना चाहिए।

शास्त्रों में कार्तिक मास की अमावस्या से पहले चतुर्दशी के दिन घर का सारा कबाड़ निकालने का विधान है।

वास्तु के अनुसार घर के घर की छत, छज्जे, या घर की कोठरी आदि में कबाड़ भूलकर भी नहीं रखना चाहिए, अन्यथा घर के लोगों को अनावश्यक तनाव बना रहता है।

वास्तु के अनुसार प्रतिदिन उपयोग में न आने वाले यानि कि खराब, भारी तथा लोहे का सामान जैसे चाकू, छूरियां, आदि अन्य औजार हमेशा कबाड़खाने में रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार कबाड़खाने में महत्त्वपूर्ण कागजात, रुपये-पैसे आदि नहीं रखने चाहिए।

वास्तु के अनुसर कभी भी कबाड़ वाले कमरे में कभी भी भगवान की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए।

वास्तु के अनुसार बीमार व्यक्ति को कबाड़ से भरे कमरे में नहीं सुलाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर उस पर इलाज काम नहीं करता है।

वास्तु के अनुसार कबाड़ वाले कमरे में किसी भी प्रकार का शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

कई बार कुछ लोग घर के कबाड़ को अपने मकान की बालकनी, छत या फिर बेसमेंट में रख देते हैं, जो वास्तु के अनुसार पूरी तरह से गलत है। वास्तु के अनुसार घर की छत, बालकनी आदि पर कबाड़ रखने पर वास्तु दोष पैदा होता है, जिसका नकारात्मक असर न सिर्फ उस घर में रहने वाले लोगों के व्यक्तिगत संबंधों बल्कि सेहत पर भी देखने को मिलता है। वास्तु के अनुसार कबाड़ से उत्पन्न वास्तु दोष के चलते ऐसे घरों के लोगों में अक्सर बेवजह की चीजों को लेकर मानसिक तनाव बना रहता है।

अपने फिल्मी सफर को 'खुशनुमा' मानती हूं

कृति सेनन

मैं यह कहना चाहती हूं कि मेरा सफर बहुत अच्छा रहा। मैंने कभी इसकी कल्पना तक नहीं की थी कि यूं ही शुरू किया मॉडलिंग का सफर मुझे अभिनय के क्षेत्र में ले आएगा। रोहित शैट्टी के निर्देशन में 2015 में बनी फिल्म 'दिलवाले' में काजोल के साथ काम करने वाली कृति सेनन पूरे 9 वर्षों बाद फिर से हाल में रिलीज थ्रिलर फिल्म 'दो पत्ती' में काजोल के साथ डबल रोल में नजर आ रही है। फिल्म में कृति की परफॉर्मेंस की जोरदार तारीफ हो रही है।

एक अभिनेत्री का निर्मात्री बनना कितना आसान और कितना मुश्किल ₹गत 4-5 वर्षों से या हो सकता है, उससे भी पहले मुझसे सीनियर अभिनेता और अभिनेत्रियां फिल्म निर्माण के क्षेत्र में खुद को आजमा चुके हैं। आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान के अलावा अजय देवगन, अक्षय कुमार भी कई फिल्मों का निर्माण कर रहे हैं और कर चुके हैं। अनुष्का शर्मा, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, तापसी पन्नू, ऋचा चड्डा ऐसे कई नाम मैं आपको गिनवा सकती हूं जो सफल निर्मात्री भी हैं। कहना न होगा कि ये सभी नायिकाएं बहुत सक्षम अभिनेत्रियां भी हैं। निर्माण में क्रिएटिव इनपुट्स की जरूरत होती ही है, लेकिन महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है सभी को साथ लेकर एक सफल और स्तरीय फिल्म को अंजाम देना। जो निर्मात्री खुद अभिनेत्री भी है, उसे संयुक्त रूप से काम का विभाजन करना होता है। खुद सैट पर प्रोडक्शन से संबंधित काम नहीं करना होता इसलिए यह तनाव की बात नहीं है। हां, यह चुनौती तो है, जिसे कुशलता से निभाना आना चाहिए।

अब तक का सफर कैसा रहा बेहद सुहाना। मैं यह कहना चाहती हूं कि मेरा सफर बहुत अच्छा रहा। मैंने कभी इसकी कल्पना तक नहीं की थी कि यूं ही शुरू किया मॉडलिंग का सफर मुझे अभिनय के क्षेत्र में ले आएगा और र मुझे नामचीन एक्टरों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। हालांकि, मुझे शुरुआत में साऊथ की फिल्मों में काम करने का मौका मिला। भाषा की मुश्किलें आईं, क्योंकि मैं दिल्ली से हूं । राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना और फिल्म 'हीरोपंती' के लिए 'फिल्मफेयर' अवॉर्ड मिलना मेरे लिए बड़ी उपलब्धियां रहीं। अपने सफर को मैं खुशनुमा मानती हूं।

फिल्म 'दो पत्ती' की निर्मात्री बनने के पीछे क्या वजह रही

मेरी जगह कोई और हीरोइन होती तो उसे भी 'दो पत्ती' की निर्मात्री बनने की प्रेरणा मिल ही जाती। निर्देशक शशांक चतुर्वेदी और लेखिका कनिका ढिल्लन ने जब फिल्म की कहानी सुनाई तो मैं प्रभावित हो गई।

डबल रोल निभाते हुए क्या चुनौतियां थीं

हालिया रिलीज फिल्म 'दो पत्ती' में डबल रोल निभाने के अनुभव के बारे में कृति कहती है, डबल रोल वाली फिल्में बहुत कम बनी हैं। रमेश सिप्पी की फिल्म 'सीता और गीता' को एक बेहद उम्दा फिल्म माना जाता है। उस फिल्म में सीता बेहद शरीफ और सीधी-साधी है तो गीता चालाक लेकिन गीता दुष्ट नहीं, उसमें नैगेटिविटी नहीं है, जो 'दो पत्ती' की बहनों में है। सौ म या नाम के अनुरूप सौम्य है और दूसरी बहन शैली तूफान है, पता नहीं कब क्या कर बैठे।

अच्छी तथा बुरी को बैलेंस करना और किरदार को न्याय देना ही चैलेंजिंग रहा लेकिन सौम्या और शैली को स्क्रिप्ट लैवल पर कनिका ने भिन्न बनाया। एक्शन और रिएक्शन को एक साथ बैलेंस करना आसान नहीं होता।एक-दूसरे से विपरीत स्वभाव वाली दो सगी बहनों का चैलेंजिंग डबल रोल बड़ी मुश्किल से मिलता है। यही मेरी मुख्य प्रेरणा थी। स्वयं कनिका मेरे साथ इस प्रोजैक्ट में सह निर्मात्री हैं। 'दो पत्ती' हम दोनों का साझा प्रयास है। अभी तक जो फीडबैक मुझे मिला, वह उत्साहवर्धक है।

सीमा सजदेह को मिला था 'घटिया ऑफर'

वैब सीरीज 'फैब्युलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' का तीसरा सीजन इन दिनों काफी चर्चा में है क्योंकि इसमें कई सारे खुलासे हो रहे हैं। इसमें हिस्सा ले रही फैशन डिजाइनर और सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह शो के अलावा एक और वजह से सुर्खियां बटोर रही है। उसने बताया है कि वह विक्रम आहूजा को डेट कर रही है लेकिन इसके बाद, सीमा ने एक और बड़ा खुलासा किया कि एक आदमी ने उससे सम्पर्क किया था कि वह उसे खरीदना चाहता था।

'फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स' में ही सीमा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। भावना पांडे, रिद्धिमा कपूर साहनी, नीलम कोठारी, महीप कपूर, शालिनी पासी और कल्याणी साहा चावला समेत पूरी गर्ल गैंग वहां मौजूद थी और बातचीत के दौरान, सीमा ने एक घटना को याद किया जो चौंकाने वाली और डरावनी भी थी।

सीमा से उसे अब तक मिले सबसे अजीब संदेश के बारे में बात करने के लिए कहा गया तो उसने बताया, एक आदमी ने मुझे संदेश भेजा था। उसने मुझे महीने भर के लिए एक ऑफर दिया था। सीमा के इस कबूलनामे ने उसकी सहेलियों को सदमे में डाल दिया। हालांकि, सीमा ने हंसते हुए बताया कि वह आदमी ऐसा लग रहा था जैसे वह 100 साल का हो। उसने आगे कहा, यह डरावना था। उसका कहना था कि मुझे तुम्हें रखने में खुशी होगी, लेकिन इसका एक बजट होगा। बजट करीब 7000- 8000 डॉलर था... मैंने उसका चेहरा देखा तो मुझे और शॉक लगा।

एक्स-मंगेतर से बढ़ी करीबियां

सीमा ने खुलासा किया था कि इन दिनों वह अपने एक्स- मंगेतर विक्रम को डेट कर रही है जिससे उसने सोहेल खान से शादी के लिए सगाई तोड़ दी थी। अब सालों बाद दोनों फिर एक साथ हैं।

उसने सोहेल खान के साथ अपने तलाक पर भी बात की और बताया कि उसने अपने तलाक के साथ कैसे डील किया था। साथ ही इसका उसके बच्चों पर क्या असर पड़ा, इस पर भी उसने अपनी राय रखी। उसने बताया, मुझे मालूम है कि मेरे हर फैसले का मेरे बच्चों पर असर पड़ता है। वे दोनों काफी यंग हैं। एक अभी स्कूल जाता है, तो दूसरा अपने करियर की शुरुआत करने वाला है। हम जब भी इन चीजों के बारे में बात करते हैं, तो बहुत सजहता रहती है। बड़े बेटे निर्वान के बारे में सीमा कहती है, वह मेरी तरह है। वह मुझे समझता है। तलाक के बारे में मैंने उससे खुलकर बात की थी। मैं अपनी हर प्रॉब्लम के बारे में उससे ही बात करती हूं। अक्सर ही मांएं 'पंचिंग बैंग' बन जाती हैं। योहान, निर्वान से 10 साल छोटा है। कभी-कभी निर्वान मुझे योहान को समझने में मदद करता है।

'सपनों का आशियाना' तलाश पाना किस्मत की बात : विद्या बालन

विद्या बालन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म' भूल भुलैयां 3' को लेकर सुर्खियां बटोर रही है और इसके साथ ही वह अपनी फिटनैस को लेकर भी चर्चा में रही है।

दरअसल, उसने अपना वजन हाल के दिनों में काफी कम कर लिया है।कम ही लोग जानते होंगे कि विद्या बालन ने अब तक अपना घर नहीं खरीदा है, लेकिन अब वह इस बारे में विचार कर रही है। वह खुद तो काफी कमाती है ही, उसका पति सफल प्रोड्यूसर है और उनकी करोड़ों की संपत्ति है लेकिन फिर भी उनके किराए के घर में रहने पर कुछ लोगों को हैरानी होती है। हाल ही में एक इवेंट में उसने इस बारे में बात की और इस बात पर जोर दिया कि सपनों का घर खरीदना 'किस्मत कनैक्शन' जैसा है।

उसने बताया कि उसे किराए के घर में रहना पसंद है और अच्छा घर ढूंढना आसान नहीं होता। उसने लगभग 15 साल पहले अपनी मां के साथ घर तलाशने के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि चेंबूर की लंबी जर्नी से बचने के लिए वह बांद्रा या जुहू में अपने काम के पास ही घर की तलाश में थी। इस दौरान उसे एक खूबसूरत घर मिला, लेकिन वह उसके बजट से बाहर था। उसकी मां ने तब उससे कहा था कि यह सोचो कि बैंक के लोन की किस्तें कैसे भरी जाएंगी। विद्या ने कहा, जब मैं घर में गई, तो ऐसा लगा जैसे यह मेरा घर है। उसे यह महसूस हुआ कि उस घर में रहना उसकी किस्मत में लिखा था।

शादी के बाद फिर खोजा घर

विद्या ने कहा कि जब उसने सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की, उस वक्त भी वह घर तलाश रही थी। तब लगभग 25 घर देखने के बाद भी वह और उसके पति किसी फैसले पर नहीं आ पाए। इसके बाद एक ऐसा घर मिल गया जो दोनों को पसंद आया, लेकिन वह किराए का था। विद्या ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं किराए के घर में नहीं रहना चाहती। उन्हें कुछ पसंद नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने उसी घर को किराए पर लेने का फैसला लिया। उसने कहा कि भीड़भाड़ वाले शहर में गार्डन और सी व्यू वाला घर मिलना मुश्किल था और इससे उनके मकान मालिक को भी मोटा पैसा मिल रहा है।

रिबेल स्टार प्रभास ने होम्बले फिल्म्स के साथ साइन की तीन फिल्में, सालार 2 से होगी शुरुआत

फिल्म कल्कि 2898 एडी से दर्शकों का दिल जीत चुके साउथ के सुपरस्टार प्रभास ने अपनी कई फिल्मों से अभी तक कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं। नई मिली जानकारी के अनुसार, प्रभास ने होम्बले फिल्मस के साथ तीन फिल्मों का कान्ट्रेक्ट कर लिया है। जिसमें सबसे पहले प्रभास की फिल्म सालार 2 शामिल है।

होम्बले फिल्म्स का एक्स पोस्ट

होम्बले फिल्म्स ने अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया और लिखा, हमें रिबेल स्टार प्रभास के साथ एक शानदार तीन-फिल्म साझेदारी में एकजुट होने पर गर्व है, जो भारतीय सिनेमा के सार का जश्न मनाते हैं, जो इसे दुनिया भर में ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। यह बेहतरीन सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हमारी घोषणा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मंच तैयार है और आगे का रास्ता बड़ा लंबा है। तैयार हो जाइए, क्योंकि #Salaar2 के साथ सफर शुरू हो रहा है ...

हर साल सुपरहिट फिल्में की लाइन लगाने वाले प्रभास इन दिनों हाई लेवल सिनेमा बनाने पर काफी फोकस कर रहे हैं। अब प्रभास ने होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर 3 फिल्में साइन की हैं। होम्बले फिल्म्स ने इसकी जानकारी दी है। जिसमें बताया गया कि इस बड़े समझौते में सालार पार्ट 2 के साथ दो और फिल्में शामिल हैं जो एक के बाद एक रिलीज होंगी। ये किसी भी एक्टर और प्रोडक्शन कंपनी के बीच की अब तक की सबसे बड़ी डील मानी जा रही है, जिससे प्रभास और होम्बले दोनों के लिए नए और बड़े मौके आएंगे।

होम्बले फिल्म्स

होम्बले फिल्म्स हाई क्वालिटी वाले प्रोजेक्ट्स दर्शकों के लिए टॉप लेवल सिनेमा लाने के लिए उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है। केजीएफ चैप्टर 1, केजीएफ चैप्टर 2, कंतारा और सालार 1 जैसी दुनिया भर में हिट होने के बाद, अब उनके पास एक रोमांचक लाइनअप है, जिसमें मच अवेटेड कंतारा 2 और केजीएफ चैप्टर 3 के साथ-साथ सुपरस्टार प्रभास की नई तीन फिल्में शामिल हैं।

प्रभास की आने वाली फिल्में

साउथ सुपरस्टार प्रभास के पास कई बड़ी फिल्में हैं, जैसे होम्बले फिल्म्स की सलार 2 के अलावा भी दो और फिल्में हैं। इसके अलावा प्रभास के पास राजा साब, स्पिरिट, कल्कि 2 जैसी कई और फिल्में भी शामिल हैं। प्रभास की फिल्में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में जबरदस्त बिजनेस लाती हैं, जो वाकई में कमाल है।

जलपरी बन किआरा आडवाणी ने जीता प्रशंसकों का दिल

राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म 'गेम चेंजर' का टीजर का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस खबर की जानकारी खुद इस फिल्म की अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर शेयर करते हुए दी है।

कियारा आडवाणी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म गेम चेंजर का नया पोस्टर जारी किया है। गेम चेंजर के इस नए पोस्टर में कियारा बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं और उनका लुक किसी जलपरी जैसा लग रहा है। इस लुक के साथ कियारा ने लिखा, "आगे देखते रहिए क्या आने वाला है। आगे कियारा ने लिखा कल आएगा #गेम चेंजर टीजर।"

इस अनोखे जलपरी अवतार ने कियारा के प्रशंसक की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। कियारा ने पोस्टर के साथ एक और तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें कियारा फोन पर व्यस्त समुद्र के बीच में बैठी एक कुर्सी पर नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्देशन शंकर द्वारा किया जा रहा है, जो एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक धमाकेदार कहानी लाने की तैयारी में हैं।

फिल्म 'गेम चेंजर' सिनेमाघरों में 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी की जोड़ी को लेकर फैंस पहले से ही काफी उत्साहित हैं और उन्हें इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म गेम चेंजर का टीजर कल रिलीज होगा, जिसे लेकर प्रशंसक आज से उत्साहित दिख रहे हैं। 'गेम चेंजर' में शंकर के निर्देशन, रोमांचक कहानी, और दमदार स्टार कास्ट की वजह से दर्शकों में एक खास उत्साह है। फिल्म में कियारा के इस लुक के बाद से ही प्रशंसक और सेलेब्स लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने लिखने की बजाए लाल रंग का हार्ट इमेजी बनाया है। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'जलपरी'। वहीं एक और प्रशंसक ने लिखा, 'क्वीन'। इस फिल्म में राम चरण डबल अवतार में नजर आएंगे। यह फिल्म पूरी तरह से एकशन-थ्रिलर फिल्म है।

खेसारी ने दिखाया नम्रता मल्ला के साथ नया अंदाज

खेसारी लाल यादव भोजपुरी इंडस्ट्री में फिलहाल गर्दा उड़ा रहे हैं। वह फिल्म राजाराम में नजर आने वाले हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अब उनका नया गाना सामने आया है। इसे प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा के प्रशंसक खुद को इस गाने पर थिरकने से रोक नहीं पाएंगे।

खेसारी यादव की आगामी फिल्म 'राजाराम' की रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खेसारी का नया गाना 'कमरिया लॉलीपॉप' आज रिलीज किया गया है। गाने में खेसारी के साथ नम्रता मल्ला भी नजर आ रही हैं। धमाकेदार डांस ने गाने में और जान डाल दी है और ज्यादा धमाल मचा दिया है। धमाकेदार जोडी के दमदार डांस ने गाने में और जान डाल दी है।

'कमरिया लॉलीपॉप' गाने को प्रकाश बारूद ने लिखा है। गाने का म्यूजिक विनय विनायक ने दिया है। सुरज कटोच इस गाने के डायरेक्टर और गीत टम्टा कोरियोग्राफर हैं। गाना रिलीज होने के साथ ही इस पर प्रशंसकों के रिएक्शन भी आने लगे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'अब तबाही आने कोई नहीं रोक सकता'। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, 'माहौल बदल जाएगा खेसारी भईया'। साथ ही प्रशंसकों ने गाने में खेसारी के ठुमकों की भी तारीफ की है।

तुषार कपूर ने स्टार किड्स को दी ऐसी हिदायत बोले- बॉलीवुड में ओटीटी से ज्यादा राजनीति है

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर अपनी ओटीटी सीरीज 'दस जून की रात' और उनकी एक स्टार किड के रूप में करियर के दबाव से निपटने की कहानी के बारे में बात करते नजर आए। उन्होंने इंडस्ट्री में आ रहे स्टार किड्स के भविष्य को लेकर कुछ बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि यहां बहुत से उतार चढ़ाव हैं। लोगों को लगता है कि अगर कोई स्टार किड डेब्यू करता है तो इसके लिए सब आसान ही होगा, हालांकि ऐसा होता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अब तक दो डिजिटल सीरीज में काम किया है, और ओटीटी उन्हें ज्यादा पसंद आया।

स्टार किड्स को नसीहत देते हुए तुषार कपूर ने कहा, जब आप किसी फिल्मी सितारे के बेटे या बेटी होते हैं, तो आपको मजबूत और कठोर होना चाहिए। आप चाहे जितनी भी हिट फिल्में दें, आपको नीचे गिराने की कोशिश की जाती है। जो आपने नहीं किया है, उसे आपने जो किया है, उससे ज्यादा दिखाने की कोशिश की जाती है। अगर आप फिल्मी दुनिया से नहीं हैं, तो बहुत कम उपलब्धि के बाद भी लोग कहते हैं 'वाह, आपने क्या किया है!

अभिनेता ने अब तक दो वेब सीरीज में काम किया है, जिनमें 'दस जून की रात' और 'बूः सबकी फटेगी' शामिल हैं। तुषार कपूर ने ओटीटी को एक अच्छा मीडियम बताया है। तुषार कहते हैं, ₹जहां तक टैलेंट की बात है तो ओटीटी आपको उसकी छूट ज्यादा देता है। मैं उन चीजों को कर सकता हूं, जो मैंने पहले कभी नहीं की हैं।

बॉक्स ऑफिस पर होता है कम दबाव

बॉक्स ऑफिस का थोड़ा कम दबाव होता है और आप दर्शकों को सीधा वो दिखा सकते हैं जो आप चाहते। देखते हैं कि यह भविष्य में मेरे लिए कैसे काम करता है क्योंकि ओटीटी आपको बांधता नहीं हैं। अभिनेता 'दस जून की रात- चैप्टर टू' में जल्द दिखाई देंगे। तबरेज खान द्वारा निर्देशित कॉमेडी-थ्रिलर में तुषार कपूर और प्रियंका चाहर चौधरी हैं।

मनीषा कोइराला 'हीरामंडी-2' को लेकर हैं खुश, कहा-'अभिनय में नए आयाम तलाशना चाहती हूं'

मनीषा कोइराला ने अपने अभिनय करियर में कई हिट और बेहतरीन फिल्में दीं। अचानक जब उनको कैंसर हुआ, तो मनीषा के करियर में ब्रेक लग गया। कैंसर से ठीक होने के बाद वह फिर से फिल्मों में सक्रिय हो गईं। उन्होंने अपनी जिंदगी के अलावा फिल्मों में भी नई पारी की शुरुआत की।

अलग-अलग तरह के किरदार निभाने शुरू किए। इस साल रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में उनकी अदाकारी दर्शकों से लेकर आलोचकों तक को पसंद आई। अब वह 'हीरामंडी-2' में काम करने को लेकर खुश हैं, इस सीरीज को अपने लिए बहुत ही खास मानती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने 'हीरामंडी-2' और अपने आगे के करियर को लेकर बात की।

'हीरामंडी-2' को मानती हैं बड़ा प्रोजेक्ट

मनीषा 'हीरामंडी-2' के बारे में कहती हैं, 'यह मेरे लिए लाइफ टाइम का प्रोजेक्ट है। अभी मुझे नहीं पता है कि इस पर कब काम शुरू होगा। दरअसल, अभी तो संजय लीला भंसाली फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं, इसके बाद ही वह 'हीरामंडी-2' पर काम करेंगे।' मनीषा इस सीरीज के दूसरे पार्ट में काम करने का लेकर काफी उत्साहित हैं।

चुनौतीपूर्ण किरदार करना चाहती हैं

मनीषा कोइराला आगे कहती हैं, 'कैंसर से ठीक होने के बाद मैं अपने जीवन का आनंद ले रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे काम करने और बेहतरीन किरदार करने का मौका मिल रहा है। मुझे अच्छे निर्देशकों के साथ भी काम करने का मौका मिला है। अब मैं चाहती हूं कि अभिनय

में नए आयाम तलाश करूं। मैं चुनौती स्वीकार करना चाहती हूं। साइड रोल करने के लिए मैं उत्सुक नहीं हूं।'

पुरानी फिल्मों को लेकर बातें

मनीषा ने पिछले दिनों अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर भी कई इंटरव्यू में बात की। इसमें 'दिल से' और 'बॉम्बे' जैसी फिल्में शामिल रहीं। 'दिल से' के बारे में तो उन्होंने बताया कि इसमें शाहरुख का किरदार मरने वाला नहीं था, लेकिन बाद में फिल्म का अंत बदल दिया गया। वहीं 'बॉम्बे' में काम करने के लिए भी उन्हें मना किया गया था, लेकिन मनीषा ने अपने मन की सुनी और इस फिल्म में निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम किया। आगे चलकर उनका फैसला सही साबित हुआ और 'बॉम्बे' फिल्म हिट साबित हुई।

द. अफ्रीका में दो या इससे ज्यादा मैचों की टी20 सीरीज नहीं हारा भारत

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज का आज से आगाज होने जा रहा है। सूर्यकुमार यादव की अगुआई में टीम इंडिया की नजर दक्षिण अफ्रीका में एक और टी20 सीरीज जीतने पर होगी। भारत अब तक दक्षिण अफ्रीका में कभी दो या इससे ज्यादा मैचों की द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं हारा है। पहली बार दोनों टीमों के बीच दक्षिण अफ्रीका में 2018 में तीन मैचों की सीरीज खेली गई थी। तब भारत ने उस सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था। वहीं, 2023 में दो मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। टीम इंडिया करीब एक साल बाद दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही है। सूर्यकुमार की अगुआई में युवा टीम खेलती दिखेगी। विजयकुमार वैशाक और यश दयाल इस सीरीज में डेब्यू कर सकते हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक 27 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। भारत ने 15 और दक्षिण अफ्रीका ने 11 मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है। पिछली बार दोनों इसी साल केनसिंगटन ओवल में टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल के दौरान आमने-सामने आए थे। उस मैच को टीम इंडिया ने सात रन से अपने नाम किया था। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के मन में अभी भी वह हार चुभती होगी। ऐसे में वह भारतीय टीम से बदला लेने को आतुर होंगे। ऐसे में यह सीरीज और भी दिलचस्प होगी।

हम आपको भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले टी20 मैच के लाइव टेलीकास्ट से जुड़ी सारी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं...

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच शुक्रवार यानी आठ नवंबर को खेला जाएगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच डरबन के किंग्समीड स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच रात 8:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी रात 8 बजे होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज के प्रसारण का अधिकार स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क के पास है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच को ऑनलाइन जिओ सिनेमा एप पर देखा जा सकता है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

भारतः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, विजयकुमार वैशाक, आवेश खान, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, यश दयाल, रवि बिश्नोई, रमनदीप सिंह , जितेश शर्मा।

दक्षिण अफ्रीकाः रीजा हेंड्रिक्स, रेयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), एडेन मार्करम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, गेराल्ड कोएत्जी, एन पीटर, ओटनील बार्टमैन, डोनोवन फरेरा, मिहलाली मपोंगवाना, पैट्रिक क्रूगर

चैंपियंस ट्रॉफी पर आया बड़ा अपडेट हाइब्रिड मॉडल में होगा आयोजन?

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं? यह सवाल प्रशंसकों को परेशान कर रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से अब तक इसको लेकर कोई बयान भी नहीं आया है। इस बीच गुरुवार को पीटीआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट के आयोजन के लिए हामी भर सकता है। इस पर अब एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि पीसीबी इसके लिए तैयार नहीं है। आइये जानते हैं मामला क्या है...

हाइब्रिड मॉडल में हो सकता है आयोजन?

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी के तहत भारत अपने मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और शारजाह में खेल सकता है। वहीं, पीसीबी भी इस टूर्नामेंट का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में कराने के लिए राजी हो सकता है। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई से कहा, पीसीबी को लगता है कि भले ही भारत सरकार पाकिस्तान दौरे को मंजूरी ना दे लेकिन कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है क्योंकि पूरी संभावना है कि भारत अपने मैच दुबई या शारजाह में खेलेगा।

विज्ञापन

'हमारा रुख जस का तस है'

अब इंडिया टूडे ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि पीसीबी ने टूर्नामेंट के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन के लिए हामी नहीं भरी है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, ₹हाइब्रिड मॉडल पर विचार नहीं किया जा रहा है। यह प्रमाणित है कि इसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लोग X Y Z स्रोतों का दावा करते हुए थोड़े से व्यूज के लिए कहानियां बना रहे हैं। अभी तक हमने चैंपियंस ट्रॉफी के बारे में कुछ भी तय नहीं किया है। हमारा रुख जस का तस है।

भारत सरकार को लेना है अंतिम फैसला

मालूम हो कि, पाकिस्तान ने पिछली बार जब 2023 में एशिया कप की मेजबानी की थी तो इसका आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल में किया गया था। इस दौरान भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे। भारत सरकार ने टीम इंडिया को पाकिस्तान का दौरे करने की इजाजत नहीं दी थी। वहीं, एक बार फिर ऐसी स्थिति बनती दिख रही है कि भारत सरकार भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने की अनुमति नहीं दे सकती है।

कब जारी होगा कार्यक्रम?

वहीं, पाकिस्तान के एक मीडिया अखबार ने दावा किया कि 11 नवंबर को चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया, आईसीसी का एक प्रतिनिधिमंडल 10-12 नवंबर तक लाहौर का दौरा करेगा। इस दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जारी तैयारियों का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान एक कार्यक्रम में चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल का एलान किया जा सकता है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 11 नवंबर को आईसीसी की तरफ से प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की जा सकती है।

अभिषेक शर्मा को मिली चेतावनी, पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा अब नहीं बनाया रन तो टीम से होंगे ड्रॉप

साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की टी20 सीरीज में भारत की तरफ से ओपनिंग की जिम्मेदारी युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन पर होगी, लेकिन अब अभिषेक शर्मा के लिए रन बनाना जरूरी हो गया है। अभिषेक ने 6 जुलाई 2024 को टी20 में डेब्यू किया था, लेकिन पहले ही मैच में वो डक पर आउट हो गए थे।

इसके बाद दूसरे मैच में उन्होंने गजब की शतकीय पारी खेली, लेकिन उसके बाद से उनका बल्ला लगातार खामोश है। अभिषेक को लगातार मौके मिल रहे हैं खास तौर पर तब जब यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल टी20 टीम में नहीं हैं। अब अभिषेक को लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने साफ कर दिया है कि अगर वो रन बनाने में कामयाब नहीं होते हैं तो संभव है कि टी20 टीम से उनकी छुट्टी ना हो जाए।

अभिषेक को प्रदर्शन में सुधार की जरूरत

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अभिषेक शर्मा के लिए यह करो या मरो वाली स्थिति है, क्योंकि इसके बाद जब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज खेली जाएगी, तो अगर आप यहां रन नहीं बनाते हैं, तो आपको निश्चित रूप से टीम से बाहर कर दिया जाएगा। शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं। दोनों फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चोपड़ा ने कहा कि मुझे अभिषेक बहुत पसंद हैं। मुझे वह बहुत अच्छे खिलाड़ी लगते हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे में शतक भी लगाया था, लेकिन उस शतक के बाद से अब तक ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं हुआ है, जिसे देखकर आप कहें कि अभिषेक शर्मा को टीम में बनाए रखना चाहिए।

अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाई थी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 7 पारियों में अब तक 159 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाने के बाद अभिषेक का बल्ला पूरी तरह से खामोश है और वो मैच दर मैच असफल हो रहे हैं।

अब उनके पास शानदार मौका है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वो रन बनाए और टीम इंडिया में बने रहने की अपनी दावेदारी को मजबूत बनाए। इस बार अगर वो रन बनाने में कामयाब नहीं हो पाते हैं तो आगे के लिए उनकी राह मुश्किल हो सकती है साथ ही उनके खराब प्रदर्शन का असर आईपीएल में नीलामी पर भी पड़ सकता है।

तेज और उछाल लेती पिच पर स्पिनर ने केएल राहुल को भेजा पवेलियन

भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल का खराब प्रदर्शन जारी है। वह शुक्रवार आठ नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 43 गेंदों में 10 रन बनाए। राहुल ने पारी की शुरुआत तो अच्छे अंदाज में की थी, लेकिन उनकी सारी मेहनत पर पानी तब फिर गया, जब वह तेज और उछाल लेती पिच पर एक स्पिनर रोकिसियोली की गेंद पर अजीबोगरीब तरीके से बोल्ड हो गए। गेंद उनके पैरों के बीच से होकर विकेट पर जा लगी।

राहुल ऑफ स्पिनर रोकिसियोली की गेंद को लेग साइड में खेलना चाहते थे और इसके लिए वह बैकफुट पर आ गए, लेकिन वह शॉट नहीं खेल सके। नतीजा यह हुआ कि गेंद उनके बाएं पैड पर लगी और उनके ऑफ स्टंप से टकराई। पहली पारी में राहुल केवल चार रन बना सके थे। उनका खराब फॉर्म जारी है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करते दिख सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि रोहित शर्मा के

पहले टेस्ट में खेलने पर संशय है। निजी कारणों की वजह से रोहित पर्थ टेस्ट से दूर रह सकते हैं। आमतौर पर राहुल को टेस्ट में पांचवें स्थान पर भेजा जाता है, लेकिन फिलहाल पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। ऐसे में राहुल के लिए फिलहाल मध्यक्रम में जगह खाली नहीं है। राहुल का फॉर्म भारतीय टेस्ट टीम के लिए चिंता का विषय बन गया है क्योंकि उन्हें हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था और सरफराज खान को उनकी जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया गया था। राहुल न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज का हिस्सा रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें मौका भी मिला था, लेकिन दो पारियों में 0 और 12 के स्कोर के बाद बाकी दो टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर कर दिया गया था। साल 2022 के बाद से राहुल ने 12 मैचों (21 पारी) में 25.7 की औसत से टेस्ट मैचों में 514 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी को भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन भी मिला है।

राहुल और ध्रुव जुरेल को भारत ए टीम में शामिल किया गया है ताकि ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के अनुकूल ढल सकें। जुरेल ने पहली पारी में शानदार 80 रन बनाकर मौके का पूरा फायदा उठाया। वहीं, भारत की दूसरी पारी में वह 19 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 161 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए की पहली पारी 223 रन पर समाप्त हुई थी। मार्कस हैरिस 74 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। दूसरी पारी में भारत ने पांच विकेट गंवाकर 73 रन बना लिए हैं। राहुल के अलावा पहली पारी में खाता नहीं खोलने वाले अभिमन्यु ईश्वरन दूसरी पारी में 17 रन ही बना सके। ईश्वरन भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। साई सुदर्शन तीन रन और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 11 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल एक रन बना सके। फिलहाल ध्रुव जुरेल 19 रन और नीतीश रेड्डी नौ रन बनाकर नाबाद हैं।

रोहित शर्मा भरेंगे टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया की उड़ान, प्रैक्टिस करेंगे, लेकिन लौट आएंगे भारत, जानिए क्या है माजरा?

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया दो ग्रुप में 10 और 11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया जाएगी। टीओआई के मुताबिक लॉजिस्टिक बाधाओं के

कारण पूरी टीम को एक ही कमर्शियल फ्लाइट से वहां भेजना संभव नहीं था ऐसी स्थिति में बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा। भारत को वहां 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है और इस सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से होगी।

प्रैक्टिस करके भारत लौट आएंगे रोहित!

भारतीय टेस्ट टीम के नियमित कप्तान टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन वो अपने दूसरे बच्चे के जन्म की वजह से पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल सकते हैं। सूत्र के मुताबिक रोहित शर्मा कुछ दिनों के लिए ऑस्ट्रेलिया में ट्रेनिंग करना चाहते हैं और उसके बाद वो निजी कारणों से भारत लौट सकते हैं। रोहित के इस कदम से ये जाहिर होता है कि वो ऑस्ट्रेलिया की कंडीशन में ढ़लना चाहते हैं और इसकी वजह से ही उन्होंने ऐसा फैसला किया है। बीच में वो कुछ दिन के लिए भारत लौटेंगे, लेकिन फिर से वापस चले जाएंगे। इससे रोहित शर्मा को काफी फायदा हो सकता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत नवंबर में होगी और इस टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच जनवरी में खेला जाएगा। भारत के लिए ये टेस्ट सीरीज काफी अहम है क्योंकि इस टेस्ट सीरीज के जरिए ही पता लग पाएगा कि टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचेगी या नहीं। भारत को अगर फाइनल में पहुंचना है तो उसे कंगारू टीम के खिलाफ 4 मैच जीतने होंगे और एक मैच ड्रॉ करना होगा। भारत काफी मुश्किल हालात में है और कंगारू टीम के खिलाफ उसे अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। कंगारू टीम के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने पहले ही 18 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद को शामिल किया गया है। इस टेस्ट सीरीज के लिए अभी कंगारू टीम का ऐलान नहीं किया गया है।

खराब फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों को कपिल देव की खास सलाह

न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में 0-3 से व्हाइटवॉश के बाद भारतीय क्रिकेट टीम को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत के ज्यादातर बल्लेबाजों को कीवी स्पिनरों के खिलाफ जूझना पड़ा था। यहां तक कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की भी फैंस और पूर्व क्रिकेटर्स ने जमकर आलोचना की। अब इस पर भारत के महान कप्तान कपिल देव का बयान आया है। उनका मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों के लिए सुधार करने का एकमात्र तरीका लगातार अभ्यास करना है और उन्होंने उन्हें बेसिक्स पर वापस जाने की सलाह दी।

कपिल ने क्रिकेटनेक्स्ट से कहा, 'मूल बातों पर ध्यान दें और फिर से शुरुआत से शुरू करें। आप अभ्यास...अभ्यास और अभ्यास करें। अगर आप कहेंगे कि कमरे में बैठकर मैं सुधर जाऊंगा, तो ऐसा नहीं होने वाला है। यदि आप किसी कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो बस ज्यादा से ज्यादा अभ्यास करें। आप जितना अधिक अभ्यास करेंगे, यह आपके लिए उतना ही बेहतर होगा।'

पोंटिंग ने कही यह बात

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाजों की फॉर्म भी चिंता का विषय बनी हुई है। भारत के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया को यह सीरीज जीतने का प्रबल दावेदार बताया और भारत की बड़ी हार की भविष्यवाणी की। पोंटिंग के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की यह सीरीज 3-1 से अपने नाम करेगा। पोंटिंग ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में भारत के गेंदबाजी आक्रमण में कुछ कमी है। शमी पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से मैदान पर वापसी नहीं कर सके हैं। शमी चोट के कारण करीब एक साल से खेल से दूर हैं। उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी करेंगे, लेकिन भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली।

'भारत के लिए मैच में 20 विकेट लेना चुनौती'

पोंटिंग ने कहा, 'शमी ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में एक खाली स्थान छोड़ दिया है। अगस्त में इस बारे में चर्चा हो रही थी कि शमी फिट हो सकेंगे या नहीं। मुझे लगता है कि एक टेस्ट मैच में 20 विकेट लेना भारत के लिए बड़ी चुनौती होगी। भारतीय टीम में जितने बल्लेबाज हैं, उसे देखते हुए वे ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं।' ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ट्रॉफी के अपने सूखे को समाप्त करने के लिए उत्सुक है। भारत ने 2014-15 के बाद से चार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज जीती है। इनमें 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ऐतिहासिक जीत शामिल है।

सूर्यकुमार यादव बने टीम इंडिया के 'शेफ', बताई तेज गेंदबाज और बल्लेबाज बनाने की रेसिपी

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज का आगाज करने वाली है। सीरीज का पहला मैच 8 नवंबर को खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शेफ का अवतार धारण किया और बता दी मजेदार रेसिपी। यह रेसिपी थी एक तेज गेंदबाज और बल्लेबाज की जो टीम इंडिया में नए-नए आए हैं।

सूर्यकुमार यादव ने बने शेफ

बीसीसीआई ने वीडियो शेयर किया है जिसमें सूर्यकुमार बड़े ही मस्ती के मूड में नजर आए। उन्होंने कैमरा के लिए शेफ का अवतार लिया और रेसिपी बताई। सूर्यकुमार ने वीडियो में कहा कि वह एक शेफ हैं और आज मजेदार रेसिपी बताएंगे। उन्होंने कहा, 'चलिए बनाते हैं एक धांसू गेंदबाज। फास्ट बॉलर बनाने के लिए आपको चाहिए चुस्ती, फुर्ती, हिम्मत, ताकत और रफ्तार का भरपूर मसाला। जितना तेज उतना बेहतर।' इस दौरान वीडियो में विशाक विजयकुमार को गेंदबाजी करते हुए दिखाया।

ऐसे तैयार होता है गेंदबाज

रेसिपी को आगे बढ़ाते हुए सूर्या ने कहा, "जब धीमी आंच पर फिटनेस और पेशेंस पकेंगे, तब आएगा ना असली मजा, तो लीजिए तैयार हो गया हमारा तेज गेंदबाज।" उन्होंने इस तरह विशाक का परिचय दिया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने रमनदीप सिंह को का भी इसी अंदाज में परिचय दिया।

बल्लेबाज बनने के लिए क्या है जरूरी

बल्लेबाज की रेसिपी के बारे में बात करते हुए सूर्या ने कहा, "तो अब बारी है एक चाबुक बल्लेबाज बनाने की। तो इसके लिए चाहिए थोड़ा धैर्य, आत्मविश्वास और चालाकी. सबसे पहले डालते हैं धैर्य का नमक और फिर डालते हैं फुटवर्क का मसाला और ध्यान की चटनी। आखिर बल्ले और पैर का तालमेल होगा तभी तो बल्लेबाज महान होगा. इसके बाद डालिए आत्मविश्वास और टाइमिंग का पाउडर। क्रिकेट और लाइफ में टाइमिंग सही, तो सब सही। आखिर में स्वादानुसार चालाकी."

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को पचास अरब डालर का झटका, इकनामिक स्लोडाउन के कारण संघर्ष कर रही है कंपनी

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज फिर गिरावट दिख रही है। बीएसई पर यह 1.5% से अधिक गिरावट के साथ 1278.70 रुपये पर पहुंच गया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में कंपनी का शेयर उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन उसके बाद से इसके मार्केट कैप में करीब 50 अरब डॉलर यानी करीब 42,18,63,25,00,000 रुपये की गिरावट आई है। अभी इसका मार्केट कैप करीब 17,39,586.54 करोड़ रुपये रह गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर आय और इकनॉमिक स्लोडाउन के कारण

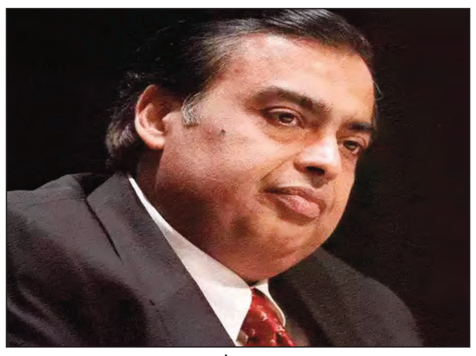

रिलायंस संघर्ष कर रही है। एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बिजनस रिफाइनिंग से लेकर रिटेल तक फैला है। इस साल कंपनी के शेयरों में कम ही तेजी देखने को मिली है। यह बेंचमार्क एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स से लगभग एक दशक में सबसे बड़े अंतर से पीछे है। हाल के महीनों में विदेशी बिकवाली और इनकम ग्रोथ की चिंताओं के कारण शेयर मार्केट में भारी गिरावट आई है। इसके बावजूद देश के प्रमुख सूचकांक अब भी 2024 में एशिया के सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले प्रमुख बाजारों में से हैं।

क्यों आ रही है गिरावट

रिलायंस ने पिछले महीने दूसरी तिमाही का रिजल्ट जारी किया था। कंपनी की आय लगातार छठी तिमाही में अनुमान से कम रही। इसकी सबसे बड़ी वजह यह रही कि कंपनी के प्रमुख कारोबार ऑयल-टू-केमिकल बिजनस के लिए डिमांड कम रही। इस रिजल्ट के बाद से कंपनी के शेयरों में काफी गिरावट आई है। कंपनी ने अगस्त में अपनी एजीएम में निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर एक मुफ्त शेयर देने की पेशकश की थी। कंपनी ने अपनी टेलिकॉम और रिटेल यूनिट्स की लिस्टिंग के बारे में कोई डिटेल नहीं दी। टैरिफ में बढ़ोतरी के बाद रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या में कमी आई है।

2,700 रुपये का घाटा और 3 रुपये का डिविडेंड... देश के सबसे महंगे स्टॉक के साथ यह क्या हो गया?

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। देश में सबसे महंगे शेयर वाली कंपनी एमआरएफ ने शुक्रवार को सितंबर तिमाही का रिजल्ट जारी किया। फाइनेंशियल ईयर 2024 को दूसरी में कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 20% की गिरावट के साथ 455 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 572 करोड़ रुपये था। इस अवधि के लिए कंपनी का परिचालन से राजस्व 11% बढ़कर 6,760 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 3 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया और 19 नवंबर को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की। टायर बनाने वाली इस कंपनी ने जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के लिए 974 करोड़ रुपये का ईबीआईटीडीए दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि में दर्ज 1,129 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 14% कम है। दूसरी तिमाही में कंपनी का मार्जिन भी घटकर 14.4% रह गया। तिमाही के लिए कुल व्यय पिछले साल की समान तिमाही के 5,497 करोड़ रुपये से 16% बढ़कर 6,363 करोड़ रुपये हो गया। सितंबर तिमाही में कंपनी का कर पूर्व लाभ पिछले वर्ष की तिमाही के 791 करोड़ रुपये की तुलना में 20% गिरकर 631 करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर करीब तीन फीसदी गिरावट के साथ 117500.00 रुपये पर आ गया था। पिछले सत्र में यह 120958.70 रुपये पर बंद हुआ था। एमआरएफ देश का सबसे महंगा शेयर है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 151,283.40 रुपये और न्यूनतम स्तर 107,200.00 रुपये है।

फेड ने लगातार दूसरी बार ब्याज दरें घटाईं

सितंबर में 50 अब 25 बेसिस पॉइंट की कटौती; इंटरेस्ट रेट 4.50% से 4.75% के बीच रहेगा

वाशिंगटन,8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की कटौती की है। अब ब्याज दर 4.50% से 4.75% के बीच रहेंगी। इससे पहले 18 सितंबर को फेड ने इंटरेस्ट रेट्स में 50 बेसिस पॉइंट्स (0.5%) की कटौती की थी। सितंबर की कटौती करीब 4 साल बाद की गई थी। फेड ने मार्च 2020 बाद सितंबर 2024 में इंटरेस्ट रेट्स में कटौती की थी। इन्फ्लेशन पर काबू पाने के लिए अमेरिका के सेंट्रल बैंक ने मार्च 2022 से जुलाई 2023 के बीच 11 बार ब्याज दरों में इजाफा किया था।

2023 में लगातार तीसरी बार ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा

पिछले साल फेडरल रिजर्व ने अपने पॉलिसी डिसीजन में लगातार तीसरी बार ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा था। 26 जुलाई 2023 को फेड ने बाजार की उम्मीदों के मुताबिक पॉलिसी रेट को 5.25%-5.5% की रेंज में जस-का-तस रखा था।हालांकि, फेड ने ये भी संकेत दे दिया था कि 2024 में दरों में कटौतियां देखने को मिलेंगी और ये कम होकर 4.6% तक आ सकती हैं।

फेड ने महंगाई से निपटने के लिए मार्च 2022 से दरों को बढ़ाना शुरू किया था। पिछले साल जुलाई तक बढ़कर ये दरें 23 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं।

फेड रेट तय करता है कि बैंक एक दूसरे से

कितना ब्याज लेंगे

फेडरल रेट्स तय करता है कि बैंक एक-दूसरे से दिए गए लोन पर एक रात में कितना ब्याज लेंगे। लेकिन अक्सर यह कंज्यूमर डेट, मॉर्गेज यानी गिरवी रखी गईं चीजें, क्रेडिट काड्र्स और ऑटो लोन्स को भी प्रभावित करता है।किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

अमेरिका में छोरा, भारत में ढिंढोरा, ट्रंप की जीत से भारत के सैटकॉम सेक्टर में आ सकता है भूचाल

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से भारत के सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेक्टर में बड़ी हलचल देखने को मिल सकती है। जानकारों का कहना है कि ट्रंप की जीत से एलन मस्क की स्टारलिंक और जेफ बेजोस की ऐमजॉन कुइपर को भारत के सैटकॉम सेक्टर में बैकडोर से एंट्री मिल सकती है। मस्क लंबे समय से भारत में एंट्री करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक इसके लिए लाइसेंस नहीं मिल पाया है। मस्क की ट्रंप से करीबी किसी से छिपी नहीं है। राष्ट्रपति चुनावों में उन्होंने ट्रंप की रैलियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था और उन्हें जमकर चुनावी चंदा भी दिया था। इसका फायदा उन्हीं आने वाले दिनों में दिख सकता है। केंद्र सरकार नीलामी के बिना सैटकॉम एयरवेव आवंटित करना चाहती है। स्टारलिंक और ऐमजॉन ने उसके इस रुख का समर्थन किया है। दूसरी ओर भारत की शीर्ष दूरसंचार कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल इसके पक्ष में नहीं हैं। जानकारों का कहना है कि अब जियो और एयरटेल के लिए सरकार को मनाना आसान नहीं होगा। ट्रंप की जीत के एक दिन बाद कम्युनिकेशंस मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस बात को दोहराया कि सैटेलाइट एयरवेव की नीलामी नहीं की जाएगी, बल्कि इसका प्रशासनिक रूप से आवंटन किया जाएगा। हालांकि इसकी कॉस्ट टेलिकॉम रेगुलेटर तय करेगा।

किस बात पर है रार

टेलिकॉम इंडस्ट्री के एक शीर्ष सलाहकार ने ईटी को बताया कि मस्क और ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। यह भी सच्चाई है कि स्टारलिंक और ऐमजॉन भारत में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन के पक्ष में हैं। पूरी दुनिया में यही ट्रेंड है। ऐसे में आने वाले दिनों में स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए सरकार पर दबाव बनाने में जियो और भारती के लिए चुनौतियां और भी

बड़ी हो जाएंगी। इसकी वजह यह है कि सरकार भी ग्लोबल ट्रेंड के मुताबिक चलना चाहती है। अभी सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन के तरीके और ब्रॉडबैंड-फ्रॉम-स्पेस सर्विसेज को सपोर्ट करने के लिए इसकी प्राइसिंग को लेकर जियो और एयरटेल तथा स्टारलिंक और ऐमजॉन के बीच जबरदस्त होड़ चल रही है। टेलिकॉम और सैटकॉम सर्विसेज के समान व्यवहार की वकालत करते हुए जियो और एयरटेल ने ट्राई से कहा है कि शहरी या रिटेल ग्राहकों की सर्विस के लिए केवल नीलाम किए गए सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का उपयोग किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि स्टारलिंक, ऐमजॉन और अन्य वैश्विक सैटेलाइट ऑपरेटर शहरी क्षेत्रों में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं देना चाहते हैं और उनका सीधा मुकाबला स्थानीय टेलीकॉम करने के साथ है।

लेवल प्लेइंग फील्ड

हालांकि भारतीय टेलिकॉम कंपनियां का कहना है कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों या मस्क की ट्रंप से नजदीकी से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्हें भरोसा है कि सरकार निष्पक्ष सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन और मूल्य निर्धारण नीति को अंतिम रूप देगी जो टेलिकॉम और सैटकॉम कंपनियों के बीच एक लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करेग। एक बड़ी टेलिकॉम कंपनी के अधिकारी ने कहा कि चाहे व्हाइट हाउस में कोई भी आए, अगर भारत सैटेलाइट स्पेक्ट्रम की नीलामी करने का फैसला करता है, तो कोई भी विदेशी सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अब गेंद भारत सरकार के पाले में है। अभी केवल भारती ग्रुप के सपोर्ट वाले यूटेलसैट वनवेब और जियो-एसईएस गठबंधन के पास भारत में सैटकॉम सर्विसेज शुरू करने के लिए लाइसेंस है। स्टारलिंक और ऐमजॉन कुइपर का आवेदन सरकार के पास लंबित हैं। अमेरिका की कंपनी ग्लोबलस्टार भी भारत में अपनी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विसेज का विस्तार करने के लिए उत्सुक है।

हमेशा के लिए बंद हो गई जेट एयरवेज, अब बिक जाएंगी ये सम्पतियां

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। जेट एयरवेज ने 25 साल तक पूर्ण सेवा एयरलाइन के रूप में उड़ान भरने के बाद पांच साल पहले अप्रैल के महीने में अस्थाई रूप से अपना परिचालन बंद करने की घोषणा की थी. नकदी संकट की वजह से एयरलाइन ने यह कदम उठाया था. अब सुप्रीम कोर्ट के एयरलाइन के परिसमापन के आदेश के बाद इसके फिर से उड़ान भरने की संभावना पूरी तरह समाप्त हो गई है. ऐसे में आइए जानते हैं कंपनी कौन-कौन सी सम्पतियां बिकने वाली हैं.बैंकों के पास सबसे बड़ी संपत्ति मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद के हवाई अड्डों पर खड़े ग्यारह जेट एयरवेज विमान हैं.तीन बोइंग 777, दो एयरबस ए330 और एक बोइंग 737 सहित छह विमान मुंबई हवाई अड्डे पर खड़े हैं.दिल्ली हवाई अड्डे पर दो बोइंग 777 और एक बोइंग 737 हैं । जबकि एक बोइंग 737 और एक एयरबस ए330 हैदराबाद हवाई अड्डे पर हैं.

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 55 अंक फिसला, निफ्टी 24150 के नीचे

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक शुक्रवार को पिछले सत्र के अपने नुकसान को बढ़ाते हुए गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 55.47 अंक या 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 79,486.32 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 51.15 अंक या 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ 24,148.20 अंक पर बंद हुआ। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, सेक्टोरल इंडेक्स में पीएसयू बैंक, मीडिया, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में रहे। बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से लगातार बिकवाली चिंता का विषय बनी हुई है।

अक्तूबर में, एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ा और वे चार महीने तक लगातार खरीदार रहने के बाद भारत में शुद्ध विक्रेता बन गए।

एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एसबीआई और रिलायंस के शेयरों में गिरावट

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट रही। लाभ पाने वालों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर का नाम शामिल रहा। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत

निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 4,888.77 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई जबकि टोक्यो में सकारात्मक रुख रहा। यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। वॉल स्ट्रीट गुरुवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.28 प्रतिशत घटकर 74.66 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। गुरुवार को बीएसई का सेंसेक्स 836.34 अंक या 1.04 प्रतिशत गिरकर 79,541.79 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 284.70 अंक या 1.16 प्रतिशत गिरकर 24,199.35 अंक पर बंद हुआ।

बाजार की चाल पर क्या है जानकारों की राय?

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, निराशाजनक आय और एफपीआई की निरंतर निकासी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं, इस कारण बाजार में सुस्ती जारी रही। यूएस फेड ने अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए अपने दर-कटौती चक्र को जारी रखा है और ब्याज दरों में 25 बीपीएस की कटौती की है। मुद्रास्फीति में नरमी के बीच दिसंबर की आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में भी इसी तरह की कटौती की उम्मीद है।नायर ने कहा, हालांकि, भारत में अक्तूबर में मुद्रास्फीति बढ़ने की उम्मीद है, और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण आरबीआई निकट अवधि में दरों को बनाए रखने पर भी विचार कर सकता है।

रुपया पांच पैसे गिरकर 84.37 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे टूटकर 84.37 (अनंतिम) के नए सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर आ गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के कारण यह गिरावट आई।विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती का हालिया निर्णय वैश्विक वित्तीय परिदृश्य में बदलाव का संकेत देता है। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प की कर और व्यापार नीतियों के वैश्विक बाजारों को प्रभावित करने के साथ, रुपये के प्रक्षेपवक्र में फिर से अस्थिरता आ सकती है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.32 पर खुला। कारोबार के दौरान स्थानीय मुद्रा ने 84.31 का उच्चतम और 84.38 का न्यूनतम स्तर छुआ। अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 5 पैसे की गिरावट के साथ 84.37 (अनंतिम) पर बंद हुआ।गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 1 पैसे गिरकर 84.32 के नए सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ।

आज सोने-चांदी के दाम में तेजी : सोना 700 बढ़कर 77,480 हुआ

चांदी 1,398 महंगी होकर 91,767 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज (8 नवंबर) बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 700 रुपए बढ़कर 77,480 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 76,780 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त रही। ये 1,398 रुपए बढ़कर 91,767 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 90,369 रुपए पर थी। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,620 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की

कीमत 72,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपए है

साल के आखिर तक 80 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 80 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच सकती है।

सोलर एनर्जी से 45 हजार करोड़ रुपये बनाने वाले हितेश चिमनलाल दोशी ने खडा किया अरबों का कारोबार

नई दिल्ली,8 नवंबर (एजेंसियां)। हितेश चिमनलाल दोशी ने अपनी जर्नी कि शुरुआत महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव टुंकी से की। उन्होंने 1985 में अपने एक रिश्तेदार से 5,000 रुपए उधार लिए और उन पैसों से मुंबई में हार्डवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स का काम शुरू किया। इससे कमाई कर के उन्होंने श्री चिनाई कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स में अपनी पढ़ाई पूरी की। यह शुरुआत उनके लिए बड़ी कामयाबियों की नींव साबित हुई।

मैन्युफैक्चरिंग में रखा पहला कदम

उन्होनें अपनी पढ़ाई खत्म करने के बाद 1.5 लाख रुपए का लोन लेकर अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग कारोबार शुरू किया। इस कारोबार मे पहले वे प्रेशर गेज, इंडस्ट्रियल वॉल्व, और गैस स्टेशन इक्विपमेंट बनाते थे। बाद में एनर्जी सेक्टर में बदलाव को देखते हुए उन्होंने पावर इक्विपमेंट का कारोबार शुरू किया इस बदलाव से उन्हें अमेरिका व यूरोप से बड़े ऑर्डर मिले।

सोलर ऊर्जा में बड़ा बदलाव

2007 में जर्मनी में एक ट्रेड एग्जीबिशन के दौरान दोशी ने सोलर एनर्जी की पॉसिबिलिटी को जाना । इससे प्रेरित होकर उन्होंने अपने थर्मल इक्विपमेंट के कारोबार को बेचकर पूरी तरह से सोलर एनर्जी पर अटेंशन कंसंट्रेट किया और वॉरी एनर्जीज का इस्टैब्लिशमेंट किया। यह नाम उनके गाँव के वारी मंदिर से प्रेरित है और उनके जड़ों से जुड़े रहने का प्रतीक है।

वॉरी एनर्जी का आईपीओ

आज वॉरी एनर्जीज भारत की सबसे बड़ी सोलर मॉड्यूल निर्माता कंपनी बन चुकी है, इस कंपनी की प्रोडक्शन क्षमता 12,000 मेगावॉट है। हाल ही में कंपनी के आईपीओ से 514 मिलियन डॉलर जुटाए गए है, जिससे दोशी परिवार की संपत्ति लगभग 45,000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। इस राशि से वे ओडिशा में 6 गीगावॉट की मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और अमेरिका में सोलर मॉड्यूल यूनिट खोलने का प्लैन बना रहे हैं। हितेश दोशी का यह सफर दिखाता है कि कैसे कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता से उन्होंने सोलर एनर्जी के फील्ड में अपनी पहचान बनाई और भारत को एक सस्टेनेबल फ्यूचर की ओर ले जाने में योगदान दिया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	मकर	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	धनु	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	धनु	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय	
तुला--	04-43 बजे
वृश्चिक-	06-53 बजे
धनु----	09-07 बजे
मकर...	11-13 बजे
कुंभ-	13-04 बजे
मीन-	14-42 बजे
मेष---	16-17 बजे
वृष---	18-03 बजे
मिथुन	20-03 बजे
कर्क--	22-15 बजे
सिंह---	00-27 बजे
कन्या--	02-38 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -**2051**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-21 सूर्यास्त. -17-38
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी **22-45** तक उपरान्त नवमी
मास - कार्तिक शुक्ल , शनिवार **09 November**
नक्षत्र - श्रवण **11-47** तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - गण्ड **06-38** तक उप वृद्धि
करण- विष्टी **11-25** तक उप बव
विशेष:- व्रत -त्योहार - **गोपाष्टमी**

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:10 से 10:35 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:21 - 07:44	अशुभ	लाभ .	17:38 - 19:15	शुभ
शुभ.	07:44 - 09:10	शुभ	उत्पात	19:15 - 20:50	अशुभ
रोग.	09:10 - 10:35	अशुभ	शुभ.	20:50 - 22:25	शुभ
उत्पात	10:35 - 11:59	अशुभ	अमृत.	22:25 - 00:00	शुभ
चंचल.	11:59 - 13:25	शुभ	चंचल.	00:00 - 01:35	शुभ
लाभ	13:25 - 14:50	शुभ	रोग.	01:35 - 03:10	अशुभ
अमृत.	14:50 - 16:15	शुभ	काल.	03:10 - 04:45	अशुभ
काल.	16:15 - 17:38	अशुभ	लाभ.	04:45 - 06:21	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता , लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कनाडा में मंदिर ही नहीं, गुरुद्वारों पर भी अटैक

हिंदू बोले- 3-4 साल में माहौल बिगड़ा, खालिस्तान समर्थक धमकी भरे मैसेज भेज रहे

ओटावा, 8 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'उस दिन दिवाली वाला माहौल था। ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में इंडियन कॉन्सुलेट ने कैंप लगाया था। इस कैंप में लाइफ सर्टिफिकेट पर स्टैम्प लगाई जाती है। ये सर्टिफिकेट उन लोगों के पास होते हैं, जिनकी पेंशन भारत सरकार की तरफ से आती है।' 'उसी वक्त मंदिर के बाहर खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन कर रहे थे। लोग मंदिर से बाहर निकले, तो प्रदर्शनकारियों ने हमारे हिंदू भाई, महिलाओं और बच्चों पर हमला कर दिया। वे मंदिर में घुस गए।'

नरेश कुमार कनाडा सनातन मंदिर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के ट्रस्टी हैं। हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स से भी जुड़े हैं। 3 नवंबर को ब्रैम्पटन के मंदिर में लोगों पर खालिस्तान समर्थकों के हमले के बाद उनसे बात किया गया।

नरेश बताते हैं कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पिछले तीन-चार साल से कनाडा में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। खालिस्तान समर्थक, मंदिर के ट्रस्टियों को धमकी भरे मैसेज भेज रहे हैं। हमने नरेश के अलावा कनाडा में रह रहे कुछ और लोगों से भी बात की। पता चला कि ब्रैम्पटन की तरह ही कनाडा के दूसरे शहरों में भी उसी दिन ऐसी घटनाएं हुई थीं। सरे और कैलगरी में मंदिरों पर हमले की कोशिश की गई। मिसिसागा में गुरुद्वारे पर हमले की तैयारी थी। एक दिन पहले 2 नवंबर को वैंकूवर में गुरुद्वारे के बाहर प्रदर्शन हुआ था। पुलिस को शक है इन सभी घटनाओं में कनेक्शन हो सकता है। भारतीय कॉन्सुलेट कनाडा के मंदिरों और गुरुद्वारों में कैंप लगा रहा है। 3 नवंबर को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में कैंप लगा। ये ब्रैम्पटन और आसपास के इलाके में सबसे बड़ा मंदिर है। ऐसे ही कैंप सरे और कैलगरी में भी लगे थे। कनाडा में जर्नलिस्ट राजीव शर्मा बताते हैं, 'जितने भी लोग भारत से पेंशन ले रहे हैं, उन्हें लाइफ सर्टिफिकेट भेजना होता है। इसके लिए हर साल नवंबर में भारतीय दूतावास की तरफ से कैंप लगाए जाते हैं। दूतावास दूर होते हैं, सभी लोग नहीं आ सकते, इसलिए उनकी सहूलियत के लिए धार्मिक जगहों जैसे गुरुद्वारों और मंदिर में कैंप लगाए जाते हैं। कैंप लगने से एक हफ्ते पहले अपना नाम दूतावास को देना होता है।'

राजीव शर्मा आगे बताते हैं, 'कुछ दिनों से हिंदू और सिखों में मतभेद बढ़ गए हैं। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में एक ही तरह की घटना हुई। ब्रैम्पटन में 15-20 खालिस्तान समर्थक मंदिर के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। उन्हें पता था मंदिर में कॉन्सुलेट के अफसर लोगों के कागज चेक कर रहे हैं।' 'तभी कुछ लोग मंदिर से बाहर निकले। उनके हाथ में भारत का झंडा था। उनकी खालिस्तान समर्थकों से बहस हो गई। दोनों तरफ से एक-दूसरे को अपशब्द कहे गए। इससे माहौल बिगड़ा और लड़ाई शुरू हो गई। ऐसा ही सरे में भी हुआ, लेकिन वहां काफी पुलिस थी। उसने मामले को संभाल लिया। ब्रैम्पटन में पुलिस बाद में आई। तब तक लोग एक-दूसरे को डंडों से मारने लगे।' 'खालिस्तान समर्थक मंदिर के अंदर घुस गए। वे पार्किंग एरिया तक पहुंच गए। हालांकि जल्द ही बाहर भी आ गए थे। इसी बीच पुलिस आ गई। धार्मिक स्थल में घुस जाना गलत है। हिंदू और सिख दोनों धर्म के लोग इसकी निंदा कर रहे हैं।'

ब्रैम्पटन में खालिस्तान समर्थकों के साथ एक पुलिस अधिकारी भी शामिल था। उसका नाम हरिंदर सोही बताया जा रहा है। सोही पील पुलिस में सार्जेंट है। एक वीडियो में उसके हाथ में खालिस्तान का झंडा दिखाई दे रहा है। सोही को सस्पेंड कर दिया गया है। ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पुलिसवाले हिंदू पक्ष के लोगों के साथ सख्ती कर रहे हैं। इसके बारे में राजीव बताते हैं, 'पुलिस ने मारपीट तब शुरू की, जब उनके साथ धक्कामुक्की की गई।' 'पुलिस भीड़ को कंट्रोल कर रही थी। लोग गुस्से में थे। पुलिस नहीं चाहती थी कि ये लड़ाई हिंदू और सिख के बीच दंगे में बदल जाए। वो अपनी तरह से गुस्साई भीड़ को संभाल रही थी।'

राजीव कहते हैं, 'कनाडा में सिख और हिंदू साथ रहते हैं, साथ कारोबार करते हैं। दोनों को एक दूसरे की जरूरत पड़ती है। कनाडा में शांति से प्रदर्शन करने की इजाजत है। खालिस्तान समर्थक कई बार प्रदर्शन करते हैं। यहां पुलिस की कभी जरूरत नहीं पड़ी।' 'कनाडा में नगर कीर्तन या रथयात्रा निकलती है तो पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए आती है। सिक्योरिटी के लिए नहीं आती। पिछले एक साल में धार्मिक भावनाओं को लेकर लोगों को भड़काया जा रहा है, लेकिन ये बहुत कम लोग हैं।' इस मामले में हमने कनाडा में सनातन मंदिर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के ट्रस्टी नरेश कुमार चावड़ा से बात की। नरेश कुमार बताते हैं, 'कनाडा में प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसके लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पुलिस से परमिशन ली जाती है। आम तौर पर सड़क पर या कुछ दूर प्रदर्शन की परमिशन दी जाती है। 3 नवंबर को खालिस्तान समर्थक मंदिर के बिल्कुल बाहर प्रदर्शन कर रहे थे।'

'उस दिन मंदिर में कॉन्सुलेट के लोग तो थे ही, दिवाली की वजह से बहुत से आम लोग मंदिर आए थे। पूरे कनाडा में वीकेंड पर मंदिरों में दिवाली मनाई जा रही थी। इसलिए भी भीड़ ज्यादा थी। बाहर खालिस्तान समर्थक नारेबाजी कर रहे थे। वे मंदिर के अंदर घुस आए। ये क्राइम है। इसके वीडियो भी वायरल हुए हैं।'

'इसके लिए कनाडा गवर्नमेंट, स्टेट गवर्नमेंट और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, हर लेवल की अथॉरिटी जिम्मेदार है। पिछले चार साल से हिंदुओं और सिखों में तनाव बढ़ रहा है। हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी।' 'घटना के अगले दिन ब्रैम्पटन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने किसी भी धार्मिक स्थल के पास प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी। ऐसा पहले भी कर सकते थे। ये सब देखकर लगता है कि कनाडा में हिंदूफोबिया है। हिंदुओं का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है।' नरेश कुमार आगे कहते हैं, 'हम मानते हैं 99% सिख हमारे भाई हैं। हम साथ काम करते हैं। सिर्फ एक परसेंट लोग हैं, जो माहौल खराब कर रहे हैं। जानबूझकर या अनजाने में अफसरों ने उन्हें समर्थन दिया है। इसका एक सबूत सामने है कि खालिस्तान समर्थकों के प्रदर्शन में एक पुलिस अफसर भी शामिल था।'

'हमारा मानना है कि कनाडा और भारत सरकार के बीच जो कुछ भी चल रहा है, उसे सरकारें आपस में देखें। कनाडा में हिंदू मेहनत करते हैं, टैक्स देते हैं, लेकिन अब हमें सेकेंड क्लास सिटीजन की तरह महसूस हो रहा है। जिन्हें खालिस्तान चाहिए, वे भारत जाकर इसकी मांग करें। कनाडा से क्या मिलेगा।' 'कनाडा में श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के हिंदुओं के मंदिर भी हैं, लेकिन हमला सिर्फ भारतीय हिंदुओं के मंदिर पर हो रहा है। 4 नवंबर को हमने प्रदर्शन किया। हिंदू समुदाय के लिए एकजुटता दिखाने के लिए दूर-दूर से लोग आए थे। इन्हीं में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जो उत्तेजित हो जाते हैं। कुछ वीडियो में वो दिख रहा है। हिंदू सबसे शांत समुदाय है। उसके खिलाफ कनाडा में शायद ही कोई क्रिमिनल केस हो।'

खुशपाल पॉल 15 साल से वैंकूवर में रह रहे हैं। उनका मीडिया और पब्लिशिंग का काम है। मौजूदा माहौल के बारे में वे कहते हैं, 'हिंदू और सिखों में कोई तनाव नहीं है। कुछ साल पहले गुरुद्वारा और मंदिर के लोग मिलकर भारतीय दूतावास गए थे, ताकि पेंशन और लाइफ सर्टिफिकेट का काम सहूलियत के साथ धार्मिक जगहों पर ही हो जाए।' 'करवा चौथ, शिवरात्रि और शनि देव की पूजा करने कई सिख मंदिर जाते हैं। हिंदू भी लंगर खाते हैं। अगर तनाव बढ़ा है तो वो खालिस्तान और हिंदू कट्टरपंथियों के बीच है। इस घटना का हम पर कोई असर नहीं हुआ है।' ब्रैम्पटन में रहने वाले कुलतरन सिंह कैमरे पर बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। वे ऑफ कैमरा बताते हैं, 'ब्रैम्पटन और सरे में जो हुआ, उससे पहले 2 नवंबर को वैंकूवर के रॉस स्ट्रीट एरिया में गुरुद्वारे पर भी हमला हुआ था। सिख फॉर जस्टिस के लोग खालसा दीवान सोसाइटी गुरुद्वारे के बाहर जुटे थे। उस दिन गुरुद्वारे में भारतीय काउंसलर और सीनियर सिटीजंस के बीच मीटिंग चल रही थी। उनके सर्टिफिकेट पर स्टैम्प लगाए जा रहे थे।

'प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि भारतीय दूतावास कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों की जानकारी जुटा रहा है। ये सब उस वक्त हो रहा है, जब कनाडा ने भारत पर अपने यहां हो रहे अपराधों में शामिल होने की बात कही है।' कुलतरन सिंह आगे कहते हैं, 'सभी धर्म के लोगों ने इस घटना की आलोचना की है। पिछले कुछ साल में दोनों समुदायों में तनाव बढ़ा है। लोगों को लगता है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने का मतलब है, आप हिंदुओं के खिलाफ हैं। सिखों के खिलाफ हिंदुओं को लड़ाया जा रहा है।' 3 नवंबर को मिसिसागा के श्री गुरु सिंह सभा माल्टन गुरुद्वारे पर भी हमला हुआ। दावा है कि मास्क पहनकर आए हमलावरों के पास हथियार भी थे। इस पर ब्रिटिश कोलंबिया गुरुद्वारा काउंसिल, ओंटारियो गुरुद्वारा कमेटी, वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन, गुरुद्वारा साहिब दशमेश कल्चर सेंटर और सिख फेडरेशन ने विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि कनाडा के सिख संगठनों और गुरुद्वारों ने 3 नवंबर को श्री गुरु सिंह सभा माल्टन पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। हम कनाडा में हिंसा और विभाजन को भड़काने के लिए भारतीय अधिकारियों के प्रयासों की निंदा करते हैं। इंडियन कॉन्सुलेट ने कनाडा के कई शहरों में धार्मिक स्थलों पर कैंप लगाए हैं। 15 अक्टूबर को कनाडा पुलिस ने भारतीय दूतावास के अफसरों पर क्रिमिनल एक्टिविटी और हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने की बात कही थी। वैंकूवर की खालसा दीवान सोसाइटी के सेक्रेटरी कश्मीर सिंह बताते हैं, 'घटना के बाद 4 नवंबर को हिंदू और सिख संगठनों ने मीटिंग की है। हमने फैसला लिया है कि सरकार से कानून बनाने के लिए कहेंगे।

किसी भी धार्मिक स्थल पर प्रदर्शन करने की अनुमति न दी जाए। खालिस्तानी समर्थक हर उस धार्मिक स्थल पर प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां भारतीय दूतावास कैंप लगा रहा है।' '2 नवंबर को इन लोगों ने वैंकूवर के गुरुद्वारों के बाहर भी नारेबाजी की थी।

साय सरकार का पहला एनकाउंटर

मारा गया बदमाश अमित जोश, क्राइम ब्रांच की टीम से मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में ढेर

अमित जोश

भिलाई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने भिलाई में पहला एनकाउंटर किया है। भिलाई क्राइम ब्रांच की टीम ने निगरानी बदमाश अमित जोश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि एसीसीयू की टीम आरोपी को पकड़ने गई थी, तभी आरोपी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अमित जोश मारा गया है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक अमित जोश भिलाई के ग्लोब चौक में हुए गोलीकांड का मुख्य आरोपी है। वह 4 महीने से फरार था। पुलिस को उसके भिलाई आने की खबर मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तैयारी करते हुए आरोपी की घेराबंदी की। इस समय दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला हैं। उन्हें काफी सख्त माना जाता है।

इस दौरान बदमाश अमित जोश ने पुलिस जवानों को देखते ही उन पर फायरिंग कर दी। इस दौरान पुलिस ने उसे फायरिंग नहीं करने की चेतावनी दी, लेकिन वह लगातार गोलियां बरसता रहा, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दरअसल, 4 महीने पहले आरोपी ने 3 लोगों पर फायरिंग की थी, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सेक्टर-6 निवासी अमित जोश निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ दुर्ग-भिलाई के अलग-अलग थानों में मारपीट और गंभीर अपराधों में कई केस दर्ज हैं।

जंग का अखाड़ा बना थाना

आपस में भिड़े पुलिस वाले, एएसआई-आरक्षक के बीच मारपीट, एक का हाथ तो दूसरे का टूटा दांत

कोरबा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा सिटी कोतवाली में पदस्थ दो सहायक उप निरीक्षक और एक आरक्षक के बीच झड़प हो गई। एएसआई अश्वनी वर्मा और अजय सिंह और कोर्ट आरक्षक नितेश मिश्रा के बीच थाने के अंदर मारपीट हुई। यह घटनाक्रम 6 नवंबर 2024 की शाम 6 से 7 बजे बीच की बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कोरबा सीएसपी के प्रतिवेदन के आधार पर दोनों एएसआई को लाइन अटैच कर दिया है जबकि आरक्षक पूर्व से ही लाइन में रहकर न्यायालय कार्य में संलग्न है। इस घटना को लेकर जो बातें सामने आई हैं उसके मुताबिक थाने के दो मुखबिर और गवाहों को लेकर आरक्षक नितेश मिश्रा व एएसआई अश्वनी वर्मा के द्वारा अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एएसआई अजय सिंह के लिए भी भला-बुरा कहा गया था। उक्त बातों की जानकारी होने और

समय आने पर गवाहों को दारू-गांजा के मामले में जेल भेजने की बात को लेकर जब एएसआई अजय सिंह ने आरक्षक से उक्त बात की तस्दीक करना चाहा और ऐसा कहने व करने की वजह पूछी तो आरक्षक ने ऐसी बात कहने वाले के लिए ही गाली-गलौच करना शुरू कर दिया और जब अजय सिंह ने गलत बात करने से रोका तो उसके साथ हाथापाई पर उतारू हो गया। इसी समय एएसआई अश्वनी वर्मा के वहां पहुंचने पर उन सभी बातों को लेकर सवाल-जवाब किया गया तो नौबत मारपीट तक आ गई और आरक्षक के अलावा दोनों एएसआई आपस में ही भिड़ गए। थाना में मौजूद स्टाफ ने इन तीनों को अलग कराया। तब तक घटनाक्रम की सूचना फोन के जरिए एसपी को दी जा चुकी थी, जिसे उन्होंने गंभीरता से लेते हुए सीएसपी भूषण एक्का को जांच के निर्देश दिए। पुराने विवाद को लेकर हुए घटनाक्रम में जो बातें सामने आई उनके आधार पर पुलिस की छवि धूमिल होती देख दोनों एएसआई को लाइन अटैच कर दिया गया है।

इससे पहले दोनों का मेडिकल मुलाहिजा जिला अस्पताल में सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद डडसेना की उपस्थिति में कराया गया। इस मारपीट की घटना में एएस आई अजय सिंह का दांत टूट गया है वही एएसआई अश्वनी का हाथ टूट गया है। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं इससे पहले भी अश्वनी वर्मा के विवादित मामले सामने आ चुके हैं।

अनियंत्रित बाइक नहर में गिरी

बिहार के दो दोस्तों की मौके पर मौत एक की हालत गंभीर, एक बाइक पर थे तीनों

पलामू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में सड़क हादसे में बाईक सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से जख्मी है। घटना हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के जपला-नबीनगर रोड पर गुरुवार की रात हुआ। बेकाबू बाइक लोटनिया गांव के समीप नहर में पुल से नीचे गिर गई। इसमें बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत नबीनगर के रामपुर मुहल्ले के रहने वाले रॉकी कुमार (18) और राहुल कुमार (20) की मौत हो गई। वहीं बिट्टू कुमार पासवान (20) की स्थिति गंभीर है। जानकारी के मुताबिक तीन दोस्त रॉकी कुमार (18), राहुल कुमार (20) और बिट्टू कुमार पासवान (20) एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर छठ पर घूमने निकले थे। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल तीनों को पहुंचाया।

भारतीय कृषि एवं खाद्य चैंबर' का हुआ पुनर्गठन

बस्तर के डॉ राजाराम त्रिपाठी बने बोर्ड मेंबर

रायपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य एवं कृषि चैंबर (इंडियन चैंबर ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर - आईबीएफए), देश की शीर्ष कृषि संस्था, ने छठ पूजा के पावन अवसर पर अपने केंद्रीय बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विशेषज्ञों और प्रगतिशील नेतृत्वकर्ताओं को शामिल किया है। नवगठित 21-सदस्यीय इस बोर्ड का नेतृत्व प्रतिष्ठित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु करेंगे, जिनके पास रेलवे, ऊर्जा, वाणिज्य और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है। बोर्ड में देश के प्रतिष्ठित नीति निर्माताओं, कृषि विशेषज्ञों, अकादमिक जगत के गणमान्य व्यक्तियों और प्रगतिशील किसानों का प्रभावशाली मिश्रण शामिल है। इस बोर्ड में देश के किसान संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. राजाराम त्रिपाठी को भी शामिल किया गया है। डॉ. त्रिपाठी अखिल भारतीय किसान महासंघ

(एआईएफए) के राष्ट्रीय संयोजक हैं और जैविक खेती, औषधीय पौधों की खेती, उच्च मूल्य फसलें, और सस्टेनेबल नेचुरल ग्रीनहाउस मॉडल के सफल विकास के लिए प्रसिद्ध हैं। वे सेंट्रल हर्बल एग्रो मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएचएएमएफ) के चेयरमैन और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सदस्य भी हैं। आईसीएफए का सदस्य बनाए जाने पर डॉ. त्रिपाठी की नियुक्ति से विशेष रूप से बस्तर, छत्तीसगढ़ और देशभर के किसानों में प्रसन्नता का माहौल है, और एक नई आशा जगी है। आईसीएफए बोर्ड के प्रमुख सदस्य सुरेश प्रभु - कुलपति, ऋषिहुड विश्वविद्यालय और पूर्व केंद्रीय मंत्री (अध्यक्ष), डॉ. अशोक दलवाई - अध्यक्ष, प्रधानमंत्री किसान आय दुगनीकरण कार्यबल, डॉ. मीनश पटेल - अध्यक्ष, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, सिमोन टी. वाइबश - अध्यक्ष, दक्षिण एशिया, बायर क्रॉपसाइंस, आरके तिवारी - अध्यक्ष, ग्लोबल ग्रेन्स एंड पल्सेज काउंसिल, जेपी मीणा - महासचिव, इंडियन बेवरेज एसोसिएशन, डॉ. एचके भानवाला - अध्यक्ष, एमसीएक्स बोर्ड और पूर्व अध्यक्ष, नाबार्ड, डॉ. राजाराम त्रिपाठी को शामिल किया गया है। पुनर्गठित इस बोर्ड की पहली बैठक का आयोजन हाइब्रिड मोड में दिल्ली में हुआ, जिसमें अध्यक्षता करते हुए सुरेश प्रभु ने कृषि और खाद्य क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया।

उन्होंने पराली जलाने की समस्या और दिल्ली के पर्यावरण पर इसके प्रभाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि देश में खेती तथा तथा किसान दोनों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यदि किसानों को उचित सहायता नहीं मिली, तो आने वाली पीढ़ियाँ भोजन संकट का सामना कर सकती हैं।

उन्होंने पराली की समस्या के स्थायी समाधान हेतु 11-सूत्रीय कार्यक्रम प्रस्तुत करने का वचन दिया, जिसे बोर्ड के सभी सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया तथा कहां की राम त्रिपाठी के सुझाव एवं अन्य सदस्यों से भी सुझाव लेकर इसे प्रधानमंत्री के प्रस्तुत करेगा।

सीएम विष्णुदेव साय बोले- जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद-अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है कांग्रेस

रायपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है। जम्मू- कश्मीर विधानसभा में धारा 370 और 35ए को फिर से लाने के नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव का समर्थन कर कांग्रेस ने देश को तोड़ने का कुचक्र फिर से चल दिया है। उन्होंने कहा कि कल विधानसभा में जो भी कुछ हुआ, वह पाकिस्तान और देश विरोधी लोगों को खुश करने के लिए किया गया, जम्मू-कश्मीर की जनता को गुमराह करने के लिए किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज जो देश की एकता के लिए खड़े हैं, जम्मू-कश्मीर वे विकास और शांति के पक्ष में खड़े हैं, उन्हें मार्शल के जरिये बेरहमी से जम्मू-कश्मीर विधानसभा से बाहर निकाला जा रहा है। कांग्रेस-एनसी, पीडीपी - ये सब जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद को लाना चाहते हैं। यह कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का राष्ट्रविरोधी एजेंडा है। शेख अब्दुल्ला से लेकर उमर अब्दुल्ला तक, भावनात्मक ब्लैकमेल करना नेशनल कॉन्फ्रेंस की दिनचर्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर धारा 370 तथा 35ए के काले साए से कब का निकल चुकी है। वह विकास के रास्ते पर चल पड़ी है, लेकिन कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी ये सब कश्मीर घाटी में आई शांति से परेशान हैं। ये जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद व अलगाववाद के काले दौर को वापस लाना चाहती है।

बीजापुर एनकाउंटर में 2 नक्सली ढेर, दोनों के शव बरामद

सुबह से चल रही थी सुरक्षाबलों-माओवादियों के बीच मुठभेड़, 1 एसएलआर राइफल भी जब्त

बीजापुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार की सुबह सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में जवानों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। शुक्रवार सुबह 11 बजे से रुक-रुककर फायरिंग चल रही थी।

फिलहाल, गोलीबारी रुक गई है। सर्च ऑपरेशन में मौके से जवानों ने 2 नक्सलियों का शव, 1 एसएलआर राइफल समेत बड़ी मात्रा में अन्य सामान बरामद किया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। बस्तर में पिछले 11 महीने में 191 नक्सली मारे गए हैं और 208 हथियार बरामद हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि उसूर-बासागुड़ा-पामेड़ इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को ऑपरेशन पर भेजा गया। शुक्रवार की सुबह 11 बजे से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हो गई। नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है ये अभी स्पष्ट नहीं है। सारे जवान सुरक्षित हैं।

शाहरुख को धमकी का मामला बिश्नोई समाज से जुड़ा

वकील बोला-अंजाम फिल्म में हिरण को पकाकर खाने के डॉयलॉग से समुदाय आहत

रायपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मामले में नया मोड़ सामने आया है। मुंबई पुलिस जिस व्यक्ति से पूछताछ करने रायपुर आई थी, उसने आरोप लगाया है कि शाहरुख खान के खिलाफ हिरण मामले में शिकायत करने पर उन्हें फंसाया जा रहा है। एडवोकेट मो. फैजान खान (42) ने कहा कि शाहरुख खान ने एक फिल्म में बिश्नोई समाज की आस्था को ठेस पहुंचाई है। डायलॉग में हिरण को मारकर खा लेने की बात कही थी। डायलॉग से दंगा भड़काने की कोशिश की गई। राजस्थान और मुंबई पुलिस से एक्शन की मांग की थी, जिसकी वजह से साजिश रची जा रही है। मामले की शुरुआत मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन पर आए एक फोन कॉल से हुई। अनजान कॉलर ने फोन पर धमकी देकर फिरौती मांगी। कॉलर ने कहा कि sउसे 50 लाख रुपए चाहिए। वरना वो शाहरुख खान को जान से मार देगा। इसके बाद मुंबई पुलिस एक्शन मोड पर आई। मुंबई से तीन पुलिस अफसर रायपुर पहुंचे। बुधवार की रात वे रायपुर के होटल

में रुके। तड़के उन्होंने पंडरी एरिया में मोबाइल सिम की लोकेशन देखने के बाद फैजान के घर गए। धमकी भरे कॉल के संबंध में करीब 2 घंटे पूछताछ की। इस दौरान पूछताछ में फैजान ने बताया कि उसका मोबाइल 2 नवंबर को गुम हो गया था, जिसकी शिकायत उसने 4 नवंबर को खम्हारडीह थाने में कराई थी, जबकि बांद्रा पुलिस स्टेशन में फोन कॉल 5 नवंबर को गया था। थाने में शिकायत की कॉपी दिखाने के बाद फैजान को छोड़ा गया। दोबारा पूछताछ के लिए 14 नवंबर को मुंबई बुलाया है। वकील फैजान खान ने खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक रील देखी। ये शाहरुख खान की 1994 में रिलीज हुई अंजाम फिल्म की क्लिप थी, जिसमें एक सीन में वह हाथों में बंदूक लिए एक हिरण का शिकार करके आ रहे हैं। इस दौरान वह अपने नौकर हरि सिंह को कह रहे हैं कि गाड़ी में एक हिरण पड़ा हुआ है, उसे पकाकर खा लो, तभी फिल्म में एक अभिनेत्री शाहरुख खान से कहती हैं कि वह क्यों बेगुनाह जानवरों को मारता है। इस पर शाहरुख खान कह रहे हैं कि उन्हें अच्छा लगता है, बहुत मजा आता है। फैजान ने बताया हिरण को बिश्नोई समाज के लोग पूजते हैं। समाज के 29 धर्म में से एक हिरण की रक्षा करना भी है। ऐसे में शाहरुख खान का इस तरीके से आपत्तिजनक डायलॉग से बिश्नोई समाज की आस्था को चोट पहुंची है।

sफैजान ने शिकायत में अंजाम फिल्म की सीन के बारे में बताते हुए कहा था कि शाहरुख खान एक विशेष धर्म से आते हैं। वे बिश्नोई समाज को ठेस पहुंचाकर दंगा भड़काना चाहते हैं। उन्होंने पुलिस से दो समुदाय के बीच दरार डालने को लेकर राजस्थान के जोधपुर के मथानिया थाना और मुंबई पुलिस कमिश्नर समेत बांद्रा पुलिस को अक्टूबर में शिकायत दी थी।

आय से अधिक संपत्ति केस में सौम्या चौरसिया गिरफ्तार

एसीबी ने रायपुर कोर्ट में किया पेश, 10 दिनों की मिली कस्टोडियल रिमांड

रायपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोयला घोटाला केस में जेल में बंद पूर्व सीएम की डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसीबी ने गिरफ्तार किया। इसके बाद शुक्रवार को रायपुर में विशेष न्यायाधीश निधि शर्मा की कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सौम्या चौरासिया को 10 दिनों के एसीबी के कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया है। दरअसल, 2 जुलाई 2024 में को निलंबित आईएएस अधिकारी रानू साहू और समीर विश्नोई के साथ-साथ राज्य सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया के खिलाफ 3 नई एफआईआर दर्ज की थी। सौम्या पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। अब एसीबी की टीम इसी केस में पूछताछ करेगी। पिछली कांग्रेस सरकार में ताकतवर और प्रभावशाली अफसर रहीं सौम्या चौरसिया पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी भी रह चुकी हैं। उन्हें कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था।

डोनाल्ड ट्रंप का खौफ ?

इजरायल को धमकी दे रहा लेकिन हमला नहीं कर रहा ईरान, समझें शिया मुल्क के डर की वजह

तेहरान/यरुशलम, 8 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान ने बार-बार कहा है कि वह इजरायली हवाई हमले का जवाब देगा। अमेरिका में बीते 5 नवम्बर को होने वाले चुनाव के पहले तो यहां तक आशंका जताई जा रही थी कि तेहरान चुनाव वाली रात को हमला कर सकता है। इसकी वजह भी थी। ईरान के लिए यह सही मौका था, क्योंकि अमेरिका का ध्यान अपनी घरेलू राजनीति में था। लेकिन तमाम धमकियों के बाद अभी तक ईरान ने हमला नहीं किया है। आखिर इसकी वजह क्या है?

ईरान ने इसी साल अप्रैल में इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद उसने 1 अक्तूबर को फिर से हमला किया। तेहरान ने इजरायल के ऊपर 180 बैलिस्टिक मिसाइलें बरसाईं, जिनमें कई इजरायली क्षेत्रों के अंदर आकर गिरीं। इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की और 26 अक्तूबर को ईरान पर सबसे अपना सबसे बड़ा हवाई हमला बोला। इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ ही शिया शासन की मिसाइल सुविधाओं को निशाना बनाया।

ईरान लगातार दे रहा हमले की धमकी

इसके बाद से ही ईरान एक बार फिर इजरायल पर हमला करने की धमकी दे रहा है। इस बीच 5 नवम्बर को हमले की योजना के बारे में अफवाह उड़ी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक गार्ड कोर (आईआरजीसी) के जुड़े टेलीग्राम चैनलों पर इराक, सीरिया और यमन से ड्रोन हमलों की अफवाहें सामने आईं, लेकिन अब सब थम गया है।

आईआरजीसी ने दी है धमकी

हालांकि, ईरान पूरी तरह से चुप नहीं हुआ है। आईआरजीसी के डेप्युटी कमांडर अली फदावी ने 6 नवमब्र को एक धमकी भरा बयान दिया। आईआरजीसी के जुड़े तस्नीम न्यूज जैसे ईरानी न्यूज चैनलों पर भी इजरायल को लेकर चर्चा है। तस्नीम न्यूज ने हिजबुल्लाह की लंबी दूरी की मिसाइलों के बारे में लेख के जरिए इजरायल को डराने की कोशिश की है। हाल ही में हिजबुल्लाह ने इजरायल में लंबी दूरी के लक्ष्यों को निशाना बनाने हुए रॉकेट हमले तेज कर दिए हैं।

हिजबुल्लाह के भरोसे ईरान

सवार यह है कि क्या ईरान सीधे इजरायल पर हमला करेगा। ऐसा लगता है कि ईरान हमलों को अंजाम देने के लिए हिजबुल्लाह पर निर्भर है। इज़राइली वायु सेना के लगातार हमलों के बावजूद हिजबुल्लाह ने अपने अभियान तेज किया है। रिपोर्ट आई थी कि ईरान इराक से भी इजरायल पर हमला कर सकता है। पिछले कुछ सप्ताह से ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया लगातार धमकी दे रहे हैं।

अगर ईरान सीधे हमले न करके प्रॉक्सी का इस्तेमाल करता है, तो इसका मतलब होगा कि वह तनाम कम करना चाहता है। ईरान ऐसा इसलिए कर सकता है क्योंकि उसने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी देख ली है और वह समझता है कि नए अमेरिकी प्रशासन का तेहरान के खिलाफ रुख सख्त होने वाला है।

ट्रम्प की जीत के दो दिन बाद पुतिन की बधाई

कहा- वे बहादुर हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर उनसे बातचीत को तैयार

वॉशिंगटन/मॉस्को, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार बयान दिया है। बीबीसी के मुताबिक पुतिन ने ट्रम्प को अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के 2 दिन बाद गुरुवार को बधाई दी है। पुतिन ने कहा, मैं उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जीत पर बधाई देना चाहूंगा। हम ऐसे राष्ट्राध्यक्ष के साथ काम करेंगे, जिस पर अमेरिकी लोगों का भरोसा है। पुतिन ने ट्रम्प को 'साहसी व्यक्ति' बताया और कहा कि अपने पहले कार्यकाल में उन्हें 'हर तरफ से परेशान' किया गया था। पुतिन ने ट्रम्प पर हुए हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- ट्रम्प ने गोली लगने के बाद खुद को संभाला। यह बहुत साहसी तरीका था। उन्होंने एक 'मर्द' की तरह व्यवहार किया। ट्रम्प ने अपने चुनावी अभियान के दौरान कई बार यूक्रेन जंग को खत्म करने का वादा किया था। इस पर पुतिन ने कहा- उनकी बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए। मैं उनसे बात करने को तैयार हूं। इससे पहले गुरुवार को ही ट्रम्प ने भी एक इंटरव्यू में कहा कि वे पुतिन से बात करेंगे। अब आगे क्या होगा, यह मैं नहीं जानता। यह ट्रम्प का आखिरी कार्यकाल होगा। इसमें वे क्या करने वाले हैं, यह उनका मामला है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सूसी विल्स को व्हाउस हाउस चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी सौंपी है। 67 साल की विल्स अमेरिकी इतिहास में पहली महिला होंगी जो यह पद संभालेंगी। वह ट्रम्प के चुनावी कैंपेन की मैनेजर रही हैं।

विल्स ने मुझे अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल करने में मदद की। वह मेरे साथ 2016 और 2020 के चुनावी कैंपेन का भी हिस्सा थीं। वह मजबूत, स्मार्ट और नई सोच की हैं। उनका इस पद के लिए चुना जाना एक उचित सम्मान है।

अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर कहा कि विल्स चुनावी कैंपेनिंग में ट्रम्प के लिए अहम कड़ी थीं।

व्हाइट हाउस में भी वह एक अहम भूमिका निभाएंगी। चीफ ऑफ स्टाफ अमेरिकी राष्ट्रपति के सबसे करीबी लोगों में से एक माना जाता है। यह राष्ट्रपति के लिए सरकारी विभाग और संसद के बीच तालमेल बैठाने का काम करता है। चीफ ऑफ स्टाफ यह तय करता है कि प्रशासन, राष्ट्रपति की नीतियों के मुताबिक काम करे। इसके साथ ही चीफ ऑफ स्टाफ पॉलिसी एजेंडा बनाने में भी राष्ट्रपति की मदद करता है। उसके पास राष्ट्रपति से जुड़े किसी भी संकट को दूर की जिम्मेदारी होती है। यही वजह है कि चीफ ऑफ स्टाफ का पद अमेरिकी सरकार में बेहद पावरफुल माना जाता है। सरकार चलाने में चुनौतीविल्स फ्लोरिडा की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रही हैं।

हालांकि वह वॉशिंगटन की पॉलिटिक्स से दूर रही हैं। सरकार के कामकाज में भी उनका अनुभव बहुत कम रहा है। ऐसे में उनकी लिए थोड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। विल्स सार्वजनिक तौर पर काफी कम बोलती हैं। बुधवार सुबह जीत के बाद ट्रम्प ने उन्हें मंच पर बुलाया तो वह वहां आने में भी हिचक रही थीं। विल्स का मानना है कि 'पर्दे के पीछे' से ज्यादा बेहतर तरीके से काम किया जा सकता है।

कनाडा ने ऑस्ट्रेलियाई चैनल को ब्लॉक किया

विदेश मंत्री जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस चलाई थी, विदेश मंत्रालय बोला- ये कनाडा की हिपोक्रेसी

ओटावा, 8 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया के एक न्यूज चैनल ऑस्ट्रेलिया टुडे और उसके सोशल मीडिया हैंडल्स को ब्लॉक कर दिया है। दरअसल इस चैनल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस को टीवी पर दिखाया था। जयशंकर ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने निज्जर मामले में भारत पर बिना ठोस सबूत के आरोप लगाने पर कनाडा की आलोचना की थी।

इस दौरान जयशंकर ने कहा कि कनाडा भारत विरोधी तत्वों को राजनीतिक स्थान देता है। साथ ही कनाडा में भारतीय राजनयिकों की जा रही निगरानी की भी निंदा की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के इस कदम को हिपोक्रेसी बताया है। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेशमंत्री जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ घंटे बाद ही कनाडा ने ये किया है। विदेश मंत्री जयशंकर 3 से 7 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान जयशंकर ने बिजनेस लीडर्स और कई कंपनियों को सीईओ के साथ बातचीत की। साथ ही 15वें भारत-ऑस्ट्रेलिया फ्रेमवर्क डायलॉग में भी हिस्सा लिया। वे आज सिडनी में थे यहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्री के साथ प्रेस ब्रीफिंग में हिस्सा लिया। ब्रीफिंग के दौरान जयशंकर ने कनाडा से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर ने तीन बातों पर जोर दिया। इनमें कनाडा का निज्जर हत्या मामले में बिना किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगाना, भारतीय राजनयिकों की निगरानी करना और भारत-विरोधी तत्वों को राजनीतिक स्थान शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि कनाडा ने भारतीय कॉन्सुलेट शिविरों को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है। इसके चलते भारत को इन शिविरों को रद्द करना पड़ा है। टोरंटो में स्थित भारतीय कॉन्सुलेट इस हफ्ते कुछ शिविरों का आयोजन करने वाला था।

दरअसल भारतीय कॉन्सुलेट जनरल ने 27 सितंबर को पेंशन सर्टिफिकेट्स के लिए कनाडा के अलग-अलग शहरों में 14 शिविर लगाने की घोषणा की थी।

ट्रंप के खिलाफ जहर उगलना मोहम्मद यूनुस को पड़ेगा भारी

बांग्लादेश की सत्ता से होगी बेइज्जती भरी विदाई?

ढाका, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को अमेरिका में नए ट्रंप प्रशासन से निपटने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस घोषित तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के धुर विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक हैं। इसके अलावा उन्होंने 2016 में ट्रंप के चुनाव जीतने पर ऐसा बयान दिया था, जो अब उन पर भारी पड़ सकता है। ट्रंप पहले से ही मोहम्मद यूनुस को पसंद नहीं करते हैं। उन्होंने 2016 में बांग्लादेश से मिलने पहुंचे एक डेलिगेशन के सामने भी मोहम्मद यूनुस की आलोचना करते हुए कहा था कि वो मुझे चुनाव जीतते हुए नहीं देखना चाहते थे। 2016 में, ट्रंप के पहली बार राष्ट्रपति चुनाव जीतने के ठीक बाद, पेरिस में एक व्याख्यान देते हुए, यूनुस ने कहा था, ट्रंप की जीत ने हमें इतना प्रभावित किया है कि आज सुबह मैं मुश्किल से बोल पा रहा था। मेरी सारी ताकत खत्म हो गई। मुझे आना चाहिए, हमें इस गिरावट को अवसाद में नहीं जाने देना चाहिए, हम इन काले बादलों को दूर कर देंगे। ट्रंप पर यूनुस के पिछले विचार और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की ट्रंप द्वारा सार्वजनिक रूप से निंदा किए जाने के कारण इस नोबेल पुरस्कार विजेता के लिए अमेरिका से निपटना मुश्किल हो सकता है।

अमेरिका के एफ- 35 के डिजाइन की चोरी करके चीन ने बनाया नया स्टील्थ फाइटर जेट?

बीजिंग, 8 नवंबर (एजेंसियां)। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएएफ) ने अपनी स्टील्थ फाइटर तकनीक की प्रगति दिखाई है। चीन ने हाल ही में पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट जे-35ए का अनावरण किया। चीन के इस जेट को देखकर कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह अमेरिका के एफ-35 लाइटनिंग II से काफी मिलता जुलता है। 12 से 17 नवंबर तक चलने वाले चीन इंटरनेशनल एविएशन एंड एयरोस्पेस प्रदर्शनी में इसे दिखाया जाएगा। चीन की वायुसेना के उपकरण विभाग ने घोषणा की है कि जे-35ए एयर शो का हिस्सा होगा। जे-35 एक मल्टीरोल मध्यम आकार का स्टील्थ लड़ाकू विमान है। चीनी मीडिया के मुताबिक इस जेट के दौ संस्करण हैं। एक वायुसेना के लिए वहीं दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनाती के लिए है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक जेट को सर्विस में शामिल करने की कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। चीन में फाइटर जेट को जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट के पूरक के रूप में देखा जा रहा है, जो पहले से ही सर्विस में है।

एफ-35 की खासियत

चीन के इस फाइटर जेट में अमेरिकी जेट जैसी समानता है। इस कारण इसकी तुलना अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन की ओर से विकसित एफ-35 लाइटनिंग II से की जा रही है। एफ-35 के तीन संस्करण हैं। एफ35ए जो पारंपरिक टेक-ऑफ और लैंडिंग करते हैं। एफ-35बी जो शॉर्ट टेक-ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग करते हैं। वहीं एफ-35सी को एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए बनाया गया है। एफ-35 को रडार पर खोज पाना मुश्किल है। एडवांस्ड सेंसर, इन्फॉर्मेशन फ्यूजन और नेटवर्क कनेक्टिविटी से लैस है। यह सिंगल सीट, सिंगल इंजन वाला सुपरसोनिक और लंबी दूरी का लड़ाकू विमान है। हालांकि एफ-35 के विपरीत जे-35ए में जुड़वा इंजन लगा है। एक अंतर यह भी कि एफ35 का शॉर्ट टेक-ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग का संस्करण भी है। चीनी लड़ाकू विमान के पास यह क्षमता नहीं है। चीन का जेट एफ-35 की तुलना में ज्यादा चिकना और पतला लगता है। द वार जोन की रिपोर्ट के मुताबिक डीएसआई इनलेट्स, कैनोपी और बुनियादी कॉन्फिगरेशन समान हैं। दोनों के अंतर को देखते हुए माना जा रहा है कि चीन ने या तो डिजाइन की नकल की या उसने विमान से जुड़ा डेटा चुराया।

पहले विदेश दौरे पर चीन जाएंगे नेपाली पीएम

64 साल पुरानी परंपरा टूटेगी, 4 महीने बाद भी केपी ओली को भारत ने न्योता नहीं दिया

काठमांडू, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के नए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली आधिकारिक वदिश यात्रा पर चीन जा रहे हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने ओली को 2 से 6 दिसंबर तक की आधिकारिक यात्रा के लिए न्योता भेजा है। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राजदूत ने मंगलवार को चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग का न्योता विदेश सचिव सेवा लामसाल को सौंपा। नेपाल में यह परंपरा रही है कि जो भी नया प्रधानमंत्री बनता है वह सबसे पहले भारत का दौरा करता है। ओली के करीबी सलाहकारों ने काठमांडू पोस्ट से बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि भारत यह परंपरा कायम रखेगा लेकिन कार्यभार संभालने के चार महीने बीत जाने के बाद भी भारत से कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला। आमतौर पर नेपाल के

प्रधानमंत्रियों को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद नई दिल्ली से निमंत्रण मिलता है। केपी शर्मा ओली जुलाई में चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने थे। वे 2015 में 10 महीने, 2018 में 40 महीने और 2021 में तीन महीने तक पद पर रहे। ओली पहली बार अगस्त 2016 में नेपाल के पीएम बने थे। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2016 में भारत का दौरा किया था। एक महीने बाद मार्च में उन्होंने चीन की यात्रा की थी। हालांकि ओली ने अपने पिछले कार्यकाल में कई भारत विरोधी कदम उठाए थे। उनके समय में ही नेपाल सरकार ने विवादित नक्शा जारी किया था। इसके अलाव उन्होंने कई भारत विरोधी बयान भी दिए थे। इस बार केपी शर्मा ओली को न्योता न भेजने के पीछे माना जा रहा है कि भारत की नेपाल को लेकर नीतियों में बदलाव आया है। वहीं, चीन के आधिकारिक न्योते के बाद, विदेश मंत्री आरजू राणा ने अजरबैजान का दौरा रद्द कर दिया है। उन्हें 11-22 नवंबर तक यूनाइटेड नेशन के क्लाइमेट चेंज समिट में हिस्सा लेना था। लेकिन अब उनकी जगह राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल यह यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ओली ने विदेश मंत्री से देश में रहकर उनकी चीन यात्रा की तैयारी करने का अनुरोध किया है। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में केपी शर्मा ओली की चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात हुई थी। इस दौरान वांग ने उन्हें बताया था कि वे दिसंबर में उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

काठमांडू पोस्ट ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि पीएम ओली यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ली कियांग से मुलाकात करेंगे। इस दौरान ओली की कोशिश होगी कि चीन सरकार नेपाल को दिया गया लोन माफ कर दे।

भारत बोला- हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे बांग्लादेश

चटगांव, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव में हिंदुओं पर हुए हमले की भारत ने निंदा की है। बांग्लादेश से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी कहा है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बयान दिया। जायसवाल ने चटगांव में पैदा हुए तनाव के पीछे एक भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट को वजह बताया। दरअसल चटगांव में इस्कान मंदिर और सनातन धर्म पर विवादित टिप्पणी से हिंदुओं में नाराजगी है। इसे लेकर मंगलवार को हजारों की संख्या में हिंदू समुदाय ने प्रदर्शन किया था। विरोध में जब हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए तो आर्मी ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। उधर, चटगांव पुलिस के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर काजी तारेक अजीज ने बताया कि विवादित पोस्ट शेयर

करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। बांग्लादेश में अगस्त से अब तक हिंदुओं पर हमले के 250 से ज्यादा मामले सामने आए हैं।

घटना हजारी गली की, यहां रहते हैं 25,000 लोग

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना मंगलवार शाम की है। सुबह हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन रात 10 बजे फिर से अचानक पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों ने हजारी गली इलाके में छापेमारी की। आरोप है कि इस दौरान स्थानीय हिंदुओं के साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

हजारी गली इलाके में करीब 25,000 लोग रहते sहैं, इनमें 90% हिंदू समुदाय के हैं। स्थानीय लोगों का कहना है, 'हादसे के बाद से सभी दुकानों में ताले लगे हैं और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इलाके में एक फार्मेसी चलाने वाले गौतम दत्ता ने भी बताया कि उन्होंने दुकान बंद कर दी थी, फिर भी आर्मी के जवानों ने उन्हें और उनके कर्मचारियों को पीटा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हैं हमले

कुछ ही दिन पहले, चटगांव में इस्कॉन संगठन के सचिव चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी उर्फ चंदन कुमार धर पर भी मामला दर्ज किया गया था। उन पर चटगांव के न्यू मार्केट में आजादी स्तंभ पर लगे नेशनल फ्लैग से ऊपर भगवा ध्वज फहराने का आरोप था। इस ध्वज पर 'सनातनी' लिखा हुआ था। बांग्लादेश में सरकार गिरने के बाद से ही अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा के कई मामले सामने आए हैं। अगस्त में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले के 205 मामले सामने आए थे। इसके विरोध में चटगांव में रैली का आयोजन किया गया था। अगस्त में सत्ता परिवर्तन के बाद से अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा दिलवाने के मामले भी सामने आए थे।

नीदरलैंड में इजराइली फुटबॉल फैंस पर हमला

5 को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, पीएम नेतन्याहू ने वापस लाने के लिए प्लेन भेजा

एम्स्टर्डम, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में गुरुवार रात को एक फुटबॉल मैच के बाद इजराइली फैंस पर हमला हुआ है। इस दौरान फैंस के साथ मारपीट की गई है। हमले में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 5 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इसके चलते इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फैंस को वापस लाने के लिए प्लेन भेजा है। उधर एम्स्टर्डम पुलिस ने मामले में अब तक 62 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'X' पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने हमले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी है। यह भी साफ नहीं हो पाया है कि मैच के बाद हिंसा कहां और कब शुरू हुई। पुलिस ने बताया कि हमले में शामिल दंगाईयों ने इजरायली फैंस को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। नीदरलैंड और इजरायल दोनों ने इस हमले की निंदा की है। इजराइली फैंस पर हुए हमले को लेकर पीएम नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया कि हमारे नागरिकों पर हुए भयानक हमले की तस्वीरों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। नेतन्याहू ने इसे एक गंभीर घटना बताते हुए नीदरलैंड की सरकार से मामले में कड़े कदम उठाने की बात कही।

कनाडा चुनाव पर मस्क की भविष्यवाणी-जस्टिन टूडो हारेंगे

जर्मनी की सरकार गिरने पर कहा- वहां के चांसलर मूर्ख

वॉशिंगटन, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने कनाडाई पीएम जस्टिन टूडो की हार की भविष्यवाणी की है। जर्मनी में सरकार के गिरने के बाद एक यूजर ने पोस्ट किया था कि कनाडा को टूडो से छुटकारा दिलाने के लिए मस्क की मदद चाहिए। इस पर मस्क ने कहा कि कनाडा में टूडो अगले चुनाव में खुद ही हार जाएंगे।

जर्मनी में सरकार गिरने को लेकर मस्क ने चांसलर शॉल्ज का मजाक उड़ाया और उन्हें 'मूर्ख' कहा। दरअसल, जर्मनी में चांसलर ने अपने वित्त मंत्री क्रिस्टियान लिंडनर को निकाल दिया है। लिंडनर फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) के नेता हैं जो शॉल्ज सरकार का समर्थन कर

रही थी। एफडीपी के गठबंधन छोड़ने से शॉल्ज की सरकार अल्पमत में आ गई है।

गठबंधन के टूटने को लेकर चांसलर शॉल्ज ने कहा कि देश की इकोनॉमी को ठीक करने के लिए वित्त मंत्री को बाहर का रास्ता दिखाना जरूरी था। दरअसल, रूस-यूक्रेन जंग को लेकर जर्मनी की इकोनॉमी गड़बड़ा गई है। जर्मनी, अमेरिका के बाद यूक्रेन की सबसे ज्यादा आर्थिक मदद कर रहा है। जर्मन इकोनॉमी को ठीक करने के लिए चांसलर वित्तीय संस्थाओं से ज्यादा कर्ज लेना चाहते थे, लेकिन वित्त मंत्री इसका विरोध कर रहे थे। वे खर्च में कटौती पर जोर दे रहे थे। जब वित्त मंत्री ने कर्ज लेने की अनुमति नहीं दी तो चांसलर शॉल्ज ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

चांसलर शॉल्ज यूक्रेन सहायता पैकेज को 27 हजार करोड़ रुपए से 1.63 लाख करोड़ रुपए करना चाहते थे। वित्त मंत्री ने इसे नकार दिया था। इसे लेकर शॉल्ज ने कहा कि लिंडनर को दुनिया की फिक्र नहीं है। वह छोटे मकसद पर ध्यान लगाए बैठे हैं। इसके जवाब में लिंडनर ने कहा कि वे देश की जनता पर और टैक्स लादना नहीं चाहते थे। शॉल्ज ने कहा कि वे 15 जनवरी 2025 को विश्वास मत हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर सरकार को बहुमत नहीं मिला तो मार्च के अंत तक देश में चुनाव हो सकते हैं।

मलेशिया में फंसे हैं झारखंड के 41 मजदूर

रांची, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य छोड़ कर पैसा कमाने मलेशिया गए झारखंड के 41 मजदूर अब वहां फंस गए हैं। ये मजदूर राज्य के तीन जिले हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह के रहने वाले हैं। मजदूरों ने एक वीडियो जारी कर मदद की गुहार लगाई है। मजदूरों की ओर से भेजे गए वीडियो में बताया जा रहा है कि सभी बीते ढ़ाई महीने से मलेशिया में फंसे हुए हैं। वे सभी पहले डेढ़ महीने तक कंपनी के भीतर बैठे रहे। अब सभी बीते एक महीने से दूतावास में बैठे हैं। मजदूरों ने बताया कि दूतावास में उन्हें कहा गया कि सभी को सैलेरी दिला कर भारत वापस भेजा जाएगा, पर अब तक संज्ञान नहीं लिया गया है। मजदूर जिस कंपनी में काम करने गए वहां तीन महीने से सैलरी नहीं दी गई है। मजदूरों का कहना है कि हमने राज्य सरकार और भारत सरकार से मदद की पहले भी गुहार लगा चुके हैं। वे पहले भी वीडियो बना कर भेजे हैं पर न तो राज्य सरकार ने संज्ञान लिया और न ही भारत सरकार ने। मलेशिया में फंसे मजदूरों को सरकार से उम्मीद है कि उन्हें वतन वापसी जल्द से जल्द कराई जाएगी।

बीते तीन महीने में पैसे नहीं रहने से उन्हें परेशानी हो रही है। इधर परिजन भी परेशान हो रहे हैं। मजदूरों के परिजनों ने बताया कि एक साल से अधिक समय से सभी वहां काम कर रहे हैं। शुरुआत में सभी को सैलेरी तो मिली अब नहीं दिया जा रहा है। मलेशिया से पहले इन्हीं जिलों के 27 मजदूर मीडिल ईस्ट में फंस गए थे। उन्हें काफी परेशानी के बाद वापस लाया जा सका था।

राजस्थान में 15 लाख लोगों की नौकरी पर से संकट टला

23 हजार खदान बंद नहीं होंगी, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंजूरी लेने की समय सीमा बढ़ाई

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से राजस्थान सरकार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश की समय सीमा को बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब प्रदेश में ऐसी करीब 23 हजार खदानों पर बंद होने का संकट हट गया है। इनमें करीब 15 लाख लोग काम कर रहे हैं। जिन्हें राज्य स्तर पर पर्यावरण मंजूरी नहीं मिली थी। वे खनन जारी रख सकेंगी। आज सरकार की अपील पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की बैंच ने कहा- जब तक सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं कर लेता है, तब तक खनन जारी रखा जा सकता है। अब सुप्रीम कोर्ट 12 नवम्बर को मामले की सुनवाई करेगा।

आज राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और राजस्थान के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने पैरवी की। दरअसल, इस मामले में राजस्थान सरकार को तब झटका लगा जब एनजीटी ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से समय सीमा बढ़ाने के लिए किए गए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य भी प्रभावित हो जाते

प्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया था- अगर यह खदान बंद हो जाती तो राज्य में बेरोजगारी, सामाजिक अशांति और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य भी प्रभावित हो जाते। इन खदानों में काम करने वाले करीब 15 लाख श्रमिकों की नौकरी पर भी संकट आ जाता। ऐसे में एमओईएफ की राज्य पर्यावरणीय प्राधिकरण द्वारा आवेदनों के पुन मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए हमने सुप्रीम कोर्ट से एक साल का समय बढ़ाने की मांग की थी। क्योंकि एसईआईएए में सीमित ढांचा और स्टॉफ होने के कारण वह इस समय सीमा में उसे पूरा करना संभव नहीं था। प्राधिकरण द्वारा अब तक प्राप्त आवेदनों में से कुछ का ही मूल्यांकन किया गया था।

मंत्री बोले-कांग्रेस कार्रवाई करती तो आज नौबत नहीं आती

इस पर पलटवार करते हुए विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- सरकार राज्य के एक भी व्यक्ति पर रोजगार का संकट नहीं आने देगी। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सरकार ने एनजीटी के आदेश पर समय पर कार्रवाई की होती तो आज यह नौबत नहीं आती। हमने सरकार में आते ही प्रकरणों की अधिकता और लीज धारकों व लाइसेंस धारकों के पुनर्मूल्यांकन कार्य की अधिकता को देखते हुए पहले से स्थापित दो स्टेट एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी के अतिरक्त 11 जून 2024 को अधिसूचित कर पृथक से जोधपुर और उदयपुर में सीईएसी स्थापित की गई।

एससी के जज बोले-फटी जैकेट ठीक हो सकती है, बच्चे का टूटा हुआ दिल नहीं

छेड़छाड़ में आरोपी का पीड़िता से समझौता कोर्ट में अस्वीकार्य

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। एक दलित नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने कहा कि नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी का पीड़ित के साथ हुआ समझौता कोर्ट में कतई स्वीकार्य नहीं है। ऐसे किसी भी समझौते के आधार पर आपराधिक केस खारिज नहीं किया जा सकता। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के 4 फरवरी 2022 के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत 11वीं की छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपी स्कूल शिक्षक पर केस खत्म कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को भी फिर से लागू करते हुए कार्रवाई आगे बढ़ाने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अक्टूबर 2023 में पक्षकारों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमें यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि दोनों पक्षों में समझौते से आरोपी का दोष सिद्ध होने की संभावना बेहद कम है। मगर यह आपराधिक कार्यवाही को रद्द करके आगे की जांच अचानक समाप्त करने का आधार नहीं बन सकता। सीआरपीसी की धारा 482 के तहत शक्तियों का प्रयोग समझौते के आधार पर गंभीर आपराधिक मामले बंद करने के लिए नहीं किया जा सकता।

राजस्थान की जनता भाजपा को चुनेगी, कांग्रेस ने देश के साथ किया अन्याय : मदन दिलावर

रामगढ़, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सात सीटों पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने दिग्गज नेता चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। 13 नवंबर को होने वाली वोटिंग के लिए अब कम समय बचा है, ऐसे में सियासी पारा बढ़ गई है। इस बीच राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उपचुनाव में भाजपा की जीत का दावा किया है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर देश के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अलवर के रामगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग कांग्रेस को वोट नहीं देना चाहते। कांग्रेस उन लोगों का समर्थन करती है जो देश के साथ अन्याय करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, राज्य के लोग उन लोगों को वोट नहीं देना चाहते हैं जो राम मंदिर का विरोध करते हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस लागू करने का कांग्रेस का समर्थन करना यह दिखाता है कि वह आतंकवादियों का पक्ष ले रही है। धारा 370 के कारण से अब तक 41 हजार नागरिक और सैनिक आतंकवाद का शिकार हो चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर हमारे सैनिक सतर्क रहते हैं। कांग्रेस ने कभी सैनिकों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैनिकों को ब्लड प्रूफ हेलमेट और बुलेट प्रूफ जैकेट्स प्रदान किए है, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। शिक्षा मंत्री ने दावा किया कि राजस्थान सभी सात सीटों के होने वाले उपचुनाव में भाजपा जीत हासिल करेगी।

सड़क हादसे में पिता-पुत्री की दर्दनाक मौत

अलवर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के टपूकड़ा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और उसकी 2 वर्षीय बेटी की मौत हो गई. घटना के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना अलवर के टपूकड़ा क्षेत्र में हुई. 23 वर्षीय खालिद मूल रूप से डीग जिले के मोटूका छपरा का रहने वाला था।

शादी में हुई दोस्ती, मिलने बुलाकर लड़की से किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के अरावली विहार थाना पुलिस ने एक युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पीड़िता से पहचान एक शादी समारोह में हुई थी. वहां दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. दोनों ने एक दूसरे के नंबर एक्सचेंज किए.

कुछ दिन बाद युवक ने एक रेस्टोरेंट में पीड़िता को मिलने बुलाया और वहां बने एक सेपरेट केबिन में उसके साथ दुष्कर्म किया। अरावली विहार थाना पुलिस ने बताया कि 17 अक्टूबर 2024 को एक युवती ने इसको लेकर एफआईआर दर्ज करवाई थी कि एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया. पुलिस ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम राजेश कुमार कोहली उम्र 20 साल निवासी 200 फीट रोड है. पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान पीड़िता से एक शादी में हुई और वहां दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. दोनों ने एक दूसरे के नंबर एक्सचेंज किए और दोनों फोन पर बात करने लगे. युवक ने पीड़िता का विश्वास जीत लिया. कुछ दिनों में बातचीत दोस्ती में बदल गई।

मंत्री खर्रा बोले-आतंकियों का सफाया करने के लिए सरकार संकल्पित

दूसरे दिन भी की जनसुनवाई, कहा-वाजिब शिकायतों का होगा निस्तारण

अजमेर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा दूसरे दिन शुक्रवार को अजमेर दौरे पर रहे। मंत्री ने सर्किट हाउस में भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर जनसुनवाई की। मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा- दूसरे दिन भी जनसुनवाई में कई प्रकार की शिकायत प्राप्त हुई हैं। अधिकारियों को भी जनसुनवाई में बुलाया गया। जो-जो शिकायत वाजिब है, उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। जम्मू कश्मीर में धारा 370 वापस हटाने के सवाल पर मंत्री खर्रा ने कहा- जब से सृष्टि का निर्माण और मानव सभ्यता का विकास हुआ है। उसमें दो ध्रुव हमेशा रहे हैं। एक सदाचारी और एक प्रकाशी प्रभृति।

जिन लोगों को राष्ट्र और मानवता से मतलब नहीं है। वह निश्चित रूप से चाहते है कि हम तो पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के सुरक्षा घेरे में रहे। इसके अलावा अलगाववादी और आतंकवादी आम जनता की हत्या करते रहे। भारत सरकार पिछले दिनों से इस पर तेजी से काम कर रही है। सेना को खुली छूट दे रखी है। कभी-कभी ऐसा लगता है दानवी शक्तियां प्रभावी हो रही है। अंतिम विजय सदाचारी शक्तियों की होगी। इसमें जो भी आवश्यक कदम उठाने पड़ेंगे वह उठाए जाएंगे।

स्कूटी सवार महिला को लूटा, 2 आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। बालोतरा जिले की जसोल पुलिस ने स्कूटी सवार महिला से लूट के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूटे मोबाइल व रुपए आरोपियों से बरामद कर लिए है। वहीं वारदात में उपयोग ली गई बाइक को भी जब्त किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर वहां से जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार- 4 नवंबर को पीड़ित ने जसोल थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि शाम के समय बालोतरा से खरीदारी करके मेरी स्कूटी पर सवार होकर वापस घर आ रहा था। जसोल फांटा कके पास पहुंचे तो पीछे से एक बाइक पर सवार होकर आए 3 लड़कों ने पीछे बैठी पत्नी के हाथ में पकड़ी हुई थैली, जिसमें मोबाइल वन प्लस व 12 हजार रुपए नकद झपटा मारकर हाथ से छीनकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की।

राजस्थान में फर्जी पुलिसवालों की गैंग, निशाने पर 'बड़े लोग'

किसी को रेपिस्ट तो किसी को आतंकवादी बताकर लूटे करोड़ों रुपए

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अनजान नंबरों से वीडियो कॉल। रिसीव करते ही सामने दिखता है पुलिस की वर्दी में एक शख्स। पीछे दीवार पर महापुरुषों की तस्वीरें। ये देखते ही कॉल रिसीव करने वाला हड़बड़ा जाता है- मैंने ऐसी क्या गलती कर दी कि पुलिस ने कॉल किया है। इसी का फायदा उठाते हैं डिजिटल अरेस्ट करने वाले लुटेरे। ये लुटेरे पुलिस ऑफिसर बनकर डराते हैं, कई-कई घंटे घर में कैद रहने को मजबूर करते हैं। देशद्रोही, आतंकी, रेपिस्ट बताकर लाखों-करोड़ों रुपए लूट लेते हैं।

क्या होता है डिजिटल अरेस्ट ?

ये साइबर ठगी का नया तरीका है। आरोपी वॉट्सऐप या अन्य किसी माध्यम से वीडियो कॉल करते हैं। ये पुलिस की वर्दी में होते हैं या खुद को सीबीआई अधिकारी बताते हैं। बैकग्राउंड में आपको थाने का पूरा सेटअप दिखेगा। लुटेरे इस बात का विश्वास दिलाते है कि आप पर जो आरोप लगे हैं, उसका वे ऑनलाइन समाधान कर देंगे। इस पर पीड़ित को लगता है कि इस चंगुल में छूट जाएगा। झूठे सबूतों के जरिए डराते हैं कि-आपके अकाउंट से आतंकवादियों को पैसे दिए गए हैं। एयरपोर्ट पर आपके नाम का जो पार्सल मिला है उसमें ड्रग है। मनी लॉन्ड्रिंग के नाम भी डराते हैं। वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित की मॉनिटरिंग करते हैं और उसे हिलने तक नहीं देते। जैसे-जैसे आप डरना शुरू करेंगे वैसे-वैसे ठग की आवाज तेज होती जाएगी। इसकी जांच के बाद यह पैसा लौटा दिया जाएगा। पैसा ट्रांसफर होने के दो तीन घंटे बाद तक भी आपको कैमरे के सामने ही बैठने के लिए मजबूर किया जाएगा। इससे आपके खातों से ट्रांसफर हुए पैसों को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर निकालने के लिए उन्हें समय मिल जाएगा।

यदि पुलिस मामले की जांच करती है तो उसकी क्या प्रोसेस है

पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस जांच और पूछताछ की एक प्रोसेस होती है। पुलिस के सामने कोई भी मामला आने पर पहले FIR दर्ज की जाती है। इसकी एक कॉपी परिवादी और एक कॉपी आरोपी को दी जाती है। इसमें बताया जाता है कि आपके खिलाफ ये मामला है। पूछताछ के लिए भी पहले आरोपी को नोटिस भेजा जाता है और उसे थाने में बयान के लिए एक तारीख दी जाती है। कोई भी बयान ऑनलाइन नहीं होता। यदि गिरफ्तारी करनी है तो उसे पुलिस सीधे पहले गिरफ्तार नहीं करती। थाने में उसके बयान लेने के बाद पुलिस हिरासत में रखती है और इसके बाद गिरफ्तारी होती है।

पेड़ से लटकी मिली युवक-युवती की लाश, युवक 2 बच्चों का पिता, युवती की उम्र थी सिर्फ 15 साल

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के आमेर में आज युवक और युवती का शव पेड़ से लटका मिला। दोनों गुरुवार सुबह से लापता थे। परिवार ने दिनभर तलाश की, लेकिन नहीं मिले। परिवार ने पुलिस को दोनों के लापता होने की जानकारी भी दी थी। पुलिस ने इलाके में दोनों की फोटो सर्कुलेट की थी, लेकिन नहीं मिले। शुक्रवार सुबह दोनों की लाश पेड़ से लटकी हुई मिली।

पुलिस ने दोनों की जेब से मिले कागज और मोबाइल के आधार पर परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी। दोनों मृतकों के परिजन सीएचसी आमेर पहुंचे। यहां पर मेडिकल बोर्ड से दोनों का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दिया जाएगा। पुलिस प्रथम दृश्य मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा मान रही है।

आमेर थाने के सीआई अंतिम शर्मा ने बताया-दोनों के शव दिल्ली रोड मैन कूकस स्टैंड के पास मिले हैं। युवक की पहचान मुकेश कुमार (23) निवासी जमवारामगढ़ और लड़की (15) आमेर क्षेत्र की रहने वाली है। दोनों के परिजन कल रात से दोनों को सर्च कर रहे थे। दोनों ने मोबाइल बंद कर लिये थे। आमेर थाना पुलिस इस केस की जांच कर रही हैं। लड़का आमेर इलाके में पानी का टैंकर चलता है। दो बच्चे हैं। जो जमवारामगढ़ में परिवार के साथ ही रहते हैं। लड़की के परिजनों ने बताया- लड़की मोबाइल नहीं चलाती। वह इस लड़के के सम्पर्क में कैसे आई पता नहीं है।

राजस्थान भाजपा नेता को सुप्रीम कोर्ट का आदेश-सरेंडर करें

2 सप्ताह का मिला टाइम; विधायक रहते हुए एईएन-जेईएन पर हमले का आरोप

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व विधायक और भाजपा नेता गिर्राज सिंह मलिंगा को झटका लगा है। एईएएन-जेईएन मारपीट मामले में उन्हें 2 सप्ताह में सरेंडर करना होगा। कोर्ट के आदेशानुसार सरेंडर करने के 4 सप्ताह बाद मामले में सुनवाई शुरू होगी। शुक्रवार को जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम और अरविंद कुमार की बेंच ने उनकी जमानत पर हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक को हटा लिया है।

दालत ने मलिंगा से कहा- वह 2 सप्ताह में सरेंडर करे। उनके सरेंडर करने के 4 सप्ताह बाद अदालत मामले की सुनवाई करेगी। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट के 5 जुलाई के जमानत को रद्द करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने ही 22 जुलाई को रोक लगाई थी।

क्या है पूरा मामला ?

धौलपुर के बाड़ी डि स् कॉ म ऑफिस में 28 मार्च 2022 को एईएन हर्षदापति और जेईएन नितिन गुलाटी के साथ मारपीट की घटना हुई थी। प्रकरण में एईएन हर्षदापति ने मलिंगा (तत्कालीन कांग्रेस विधायक) और अन्य के खिलाफ 29 मार्च को नामजद मारपीट, राजकार्य में बाधा और एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। केस में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। घटना के बाद तत्कालीन धौलपुर एसपी शिवराज मीणा का भी तबादला कर दिया गया था। बिजली विभाग के इंजीनियर्स के साथ मारपीट होने के बाद निगम के कर्मचारियों में आक्रोश भड़क गया था। उसके बाद गिर्राज मलिंगा ने 11 मई को जयपुर के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव के सामने सरेंडर किया था। 12 मई की दोपहर को उन्हें एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने मलिंगा को 15 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया था।

हाईकोर्ट ने कहा था-जमानत का मिसयूज किया

धौलपुर के बाड़ी डिस्कॉम ऑफिस में एईएन और जेईएन को पीटने के मामले में आरोपी गिर्राज सिंह मलिंगा को 17 मई 2022 को हाईकोर्ट ने ही जमानत दी थी। 5 जुलाई को एईएन हर्षदापति की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि मलिंगा ने जमानत का मिस यूज किया। इसके चलते कोर्ट ने उनकी जमानत को निरस्त कर दिया था। हर्षदापति की ओर से कहा गया था कि मलिंगा ने कोर्ट से कोरोना का बहाना बनाकर जमानत का लाभ लिया था। जमानत मिलते ही उन्होंने जुलूस निकाला था। मामले में पीड़ित और गवाहों को धमकाया था। ऐसे में आरोपी की जमानत याचिका को निरस्त किया जाए।

अबूझ मुहूर्त में बाल विवाह रोकने के लिए पुलिस मुस्तैद

जागरूकता के लिए ऑपरेशन लाडली अभियान

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस बाल विवाह रोकने के लिए राज्यभर में अभियान शुरू करने जा रही है। राजस्थान में 12 नवंबर को अबूझ सावा है। इस दिन प्रदेश में बड़ी संख्या में बाल विवाह होने के मामले सामने आते हैं। ऐसे में पुलिस महानिरीक्षक (नागरिक अधिकार) जयनारायण ने जिला पुलिस अधीक्षकों को ऑपरेशन लाडली" अभियान शुरू करने को कहा है। अभियान के दौरान पुलिस बाल विवाह रोकने के लिए विभिन्न तरीकों से लोगों को समझाने का प्रयास करेगी। पुलिस महानिरीक्षक जय नारायण ने बताया कि पुलिस विभाग 11 से 16 नवंबर लगातार छह दिन तक यह अभियान संचालित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्यभर में ऑपरेशन लाडली" अभियान शुरू किया जा रहा है। राजस्थान पुलिस ने बताया कि यह एक तरह से साझा अभियान है। अभियान के तहत पुलिस उपखंड स्तर से लेकर गांव-गांव तक इसका मैसेज पहुंचाएगी। पुलिस जिला, खंड, स्कूल, ग्राम स्तरीय और सेवा प्रदाताओं की कार्यशाला का आयोजन कर उपस्थित प्रतिभागियों को अभियान के प्रति संवेदनशील बनाएगी।

गेहूं फसल की बुवाई शुरू, आवंटन कम होने से बढ़ सकती है बीज की किल्लत

डूंगरपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। समस्त कृषकों से अपील है कि वर्तमान में गेहूं फसल की बुवाई का दौर प्रारम्भ हो चुका है। सभी किसानों को बुवाई के लिए प्रमाणित बीज की आवश्यकता रहती है। ऐसे में मांग के अनुपात में लक्ष्य का आवंटन कम होने से काफी किसान इससे वंचित रह सकते है, किन्तु किसानों से अपील है कि गेहूं का बीज स्वपरागित फसल है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक परेश पण्ड्या ने बताया कि प्रति वर्ष लेम्पस निजी बीज विक्रेता से खरीदना आवश्यक नहीं है, कृषक गत वर्ष उत्पादित बीज को इस वर्ष बुवाई के लिए प्रयोग में ला सकते हैं एवं इसके उपयोग से उत्पादन में भी कोई कमी नहीं आती है। गेहूं के बीज को तीन वर्ष में एक बार आदान विक्रेता से खरीदने की जरूरत रहती है जो कृषक बीज क्रय करने से वंचित रह गए है वे विचलित नहीं होवें।

जनता डबल इंजन के विकास के साथ, उपचुनाव में सातों सीटें जीतेगी भाजपा : सांसद सीपी जोशी

जोधपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर पहुंचे सांसद सीपी जोशी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस बार के उपचुनाव ऐतिहासिक होंगे। जो सीटें भारतीय जनता पार्टी के कभी पक्ष में नहीं थीं, वहां भी भाजपा का परचम फहराएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की इन सातों विधानसभाओं की जनता डबल इंजन के विकास के साथ जाने वाली है।

अनीता चौधरी हत्याकांड मामले को लेकर उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अपराधी कोई भी हो निश्चित रूप से उसे सजा मिलेगी। इस दिशा में प्रशासन अपना काम कर रहा है और मैं सोचता हूं कि जल्दी ही उन लोगों के खिलाफ एक्शन होगा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा सर्कस कहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि गहलोत साहब ने तो अपनी पार्टी के लोगों को ही निकम्मा और नाकारा कहा था, तो सर्कस कौनसी पॉलीटिकल पार्टी में है यह साफ दिख रहा है। भाजपा एक परिवार है और उस पर कोई उंगली उठाने का किसी को अधिकार नहीं है। चौरासी सीट को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस वहां है ही नहीं।

गोपालगढ़ कांड : कोर्ट में हाजिर होंगे राजस्थान के सीएम!

व्यक्तिगत पेशी में छूट वाली याचिका खारिज

जयपुर, 8 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गोपालगढ़ सांप्रदायिक दंगे के मामले में कोर्ट में सुनवाई के दौरान पेश होना होगा. जिसके बाद प्रदेश में एक बार फिर से गोपालगढ़ कांड चर्चा में आ गया है. दरअसल गोपालगढ़ कांड में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के व्यक्तिगत पेशी की स्थायी छूट वाली याचिका को जयपुर की एडीजे-4 कोर्ट ने खारिज कर दिया है. जयपुर के एडीजे अनामिका सहारण ने कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कोर्ट में हाजिर नहीं हो सकते हैं. मुख्यमंत्री के तरफ से सरकारी वकील ने हाजिरी से स्थायी छूट मिलने के लिए याचिका कोर्ट में दायर की थी और कहा था कि मुख्यमंत्री व्यस्तता की वजह से नियमित सुनवाई दौरान पेशी के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं. सरकार ने कहा है कि एडीजे कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ हम हाईकोर्ट में जाएंगे.

त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में सहयोग करें राजनीतिक दल : अहमद नदीम

हैदराबाद रंगारेड्डी जिला प्रेक्षक ने की बैठक

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए। राज्य वन एवं पर्यावरण विभाग के मुख्य सचिव अहमद नदीम ने हैदराबाद रंगारेड्डी जिलों की मतदाता सूची के पर्यवेक्षकों ने यह बात कही। पर्यवेक्षक ने शुक्रवार शाम जीएचएमसी मुख्यालय में रंगारेड्डी हैदराबाद जिलों में त्रुटि मुक्त मतदाता सूची की तैयारी पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची की बड़ी भूमिका होती है, हर साल की तरह इस साल भी चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का प्रारूप जारी कर दिया गया है और सूची में हुई गलतियों को सुधारने का मौका मिला है। इस सूची पर 29 अक्टूबर से 28 नवंबर तक दावा एवं आपत्ति की जा सकती है। 9 और 10 नवंबर को विशेष अभियान है। दावा एवं आपत्ति का निस्तारण 24 दिसंबर को किया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार स्वस्थ मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 1 जनवरी को किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची 6 जनवरी को जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के इस स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि स्वच्छ मतदाता सूची जारी करने के लिए साप्ताहिक बैठक करेंगे और वहां भी मतदाता सूची में कोई गलती हो तो सुझाव दे सकते हैं। दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि वे बिना किसी संदेह एवं भ्रांति के मतदाता सूची तैयार करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। मतदाता सूची के प्रारूप पर दावे और आपत्तियों के निराकरण के लिए चुनाव आयोग 9-10 नवंबर को दो दिनों तक जिले में विशेष अभियान चलाएगा। इन दो दिनों के लिए मतदाता सूची में अपनी उपस्थिति की जांच करने के लिए बूथ लेवल अधिकारी सुबह 10.30 बजे से बूथ पर पहुंचेंगे।

बालाजी राजस्थानी भवन में अन्नकूट प्रसाद 10 को

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित बालाजी राजस्थानी भवन में राजपुरोहित युवा वाहिनी के सानिध्य में दिपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम रविवार 10 नवंबर शाम 6:15 बजे पुजा-अर्चनाकर महाआरती के पश्चात भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद

वितरण का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में नवीनसिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं व सभी भक्तों के लिए सायं 6 बजे से दिपावली स्नेह मिलन एवं सायं 7.01 बजे से अन्नकूट प्रसाद का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजपुरोहित युवा वाहिनी के अश्विनसिंह, नवीनसिंह, दिलीपसिंह, मांगुसिंह, दीपकसिंह, कृष्णासिंह, चेतनसिंह, अनिलसिंह, प्रीतमसिंह, किशनसिंह, गौरवसिंह, राजुसिंह, अंकितसिंह राजपुरोहित का विशेष सहयोग रहेगा। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है कि समय पर सपरिवार, ईष्टमित्रों सहित पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए मंचेरियल शिक्षक का पेपर चयनित

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी शिक्षक कसम संतोष द्वारा तैयार 'माध्यमिक स्तर पर ज्यामिति में छात्रों की उपलब्धि पर कम लागत और बिना लागत वाली सामग्री के साथ गणित प्रयोगशाला गतिविधियों के प्रभाव पर एक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध पत्र को 22 दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) में आयोजित होने वाले गणित शिक्षा पर राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए चुना गया है।

जेडपीएचएस कासिपेट में गणित के स्कूल सहायक संतोष ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अपने करियर में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, क्योंकि उनका शोध पत्र राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए चुना गया है।

भारतीय वायुसेना के आरईबी (प्रशिक्षण) ने प्लेटिनम जयंती मनाई

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र के प्रति गौरवशाली सेवा के 75 वर्ष पूरे होने पर, वायु सेना स्टेशन बेगमपेट स्थित क्षेत्रीय परीक्षा बोर्ड (प्रशिक्षण), आरईबी (टी) ने शुक्रवार को अपनी प्लेटिनम जयंती मनाई। एयर वाइस मार्शल राजीव शर्मा, सहायक वायु सेना प्रमुख (शिक्षा) ने सेमिनार की अध्यक्षता की और इसमें एयर कमोडोर एच जे पागे, एयर ऑफिसर कमांडिंग, वायु सेना स्टेशन बेगमपेट, विशिष्ट अतिथि, सेवारत कार्मिक और बोर्ड के उल्लेखनीय इतिहास में योगदान देने वाले दिग्गजों ने भाग लिया। ग्रुप कैप्टन टी नरेश कुमार, कमांडिंग ऑफिसर आरईबी (टी) ने अपने उद्घाटन भाषण में यूनिट की शानदार सात दशकों की यात्रा के बारे में बात की और इसके कामकाज के बारे में जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए एयर वाइस मार्शल राजीव शर्मा द्वारा सेना डाक सेवा द्वारा जारी आरईबी (टी) का एक 'विशेष कवर' और एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। आरईबी (टी) की स्थापना मूल रूप से 15 दिसंबर 1949 को एयर फोर्स स्टेशन जलाहल्ली (बेंगलुरू) में सेंट्रल स्कूल ट्रेड टेस्टिंग बोर्ड (सीएसटीटीबी) के रूप में की गई थी। 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, बोर्ड के कई कर्मियों को ऑपरेशनल यूनिट्स से जोड़ा गया था, जो युद्ध के प्रयासों में योगदान देते रहे, जब तक कि युद्ध समाप्त नहीं हो गया। आज, आरईबी (टी) भारतीय वायु सेना के भीतर एक प्रमुख संस्थान के रूप में खड़ा है, जो एयरमैन प्रशिक्षण संस्थानों में सभी ट्रेडों में सभी प्रारंभिक और सेवारत प्रशिक्षुओं के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है, जिससे इसका आदर्श वाक्य 'निष्पक्ष परीक्षा, कुशल प्रशिक्षु' पर खरा उतरता है।

भूख से मर गए 8 कुत्ते

मंचेरियल, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र में कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन के कारण कथित तौर पर भूख से 8 आवारा कुत्तों की मौत हो गई। कुत्तों को मंचेरियल नगरपालिका द्वारा संचालित पशु जन्म नियंत्रण केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया था और लगभग 10 दिन पहले उन्हें एक कमरे में रखा गया था। हालांकि, केंद्र के कर्मचारियों द्वारा ड्यूटी का बहिष्कार करके हड़ताल शुरू करने के बाद उन्हें खाना नहीं मिलने पर उनकी मौत हो गई। यह घटना तब सामने आई जब केंद्र से दुर्गंध आने लगी जिससे पड़ोस में रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी। कुछ दिन पहले वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के कारण केंद्र के एक डॉक्टर को छोड़कर बाकी सभी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया। नतीजतन, कुत्तों की देखभाल के लिए केंद्र में कोई नहीं बचा। एक सप्ताह से अधिक समय तक भोजन न मिलने के कारण कुत्तों की मौत हो गई। यह केंद्र शहर के बाहरी इलाके में अंदलम्मा कॉलोनी के पास 35 लाख रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया है। इसका उद्घाटन 13 मार्च को हुआ।

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा राजभाषा संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद अंचल द्वारा हिंदी माह-2024 के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में दिनांक 7 नवंबर को अंचल प्रबंधक दीपक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में राजभाषा संगोष्ठी सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विषयक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.टी.जे. रेखा रानी, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), हैदराबाद (तेलंगाना) की विशिष्ट उपस्थिति रही। इस अवसर पर 'भाषा, समाज एवं राष्ट्र' शीर्षक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ने अपने सुदीर्घ अनुभव से अभिसींचित 'भाषा, समाज एवं राष्ट्र' के अभिन्न सम्बन्धों पर अपने विचारों से सभी उपस्थितों को लाभान्वित किया। प्रो.टी.जे. रेखा रानी ने अपने उद्बोधन में राष्ट्र की व्यापकता एवं समावेशिकता में राष्ट्रभाषा के समावेशी स्वरूप पर बात करते हुए राष्ट्रीय कार्य-व्यवहार में हिंदी की संप्रेषणीयता एवं ग्रहणीयता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय परंपरा, संस्कृति, अध्यात्म की वैशिष्टिता का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि पूरे भारत का समाज एक है तो एक भाषा भी तो अपनानी होगी।

अध्यक्षीय सम्बोधन में अंचल प्रबन्धक श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक बैंकिंग कारोबार, ग्राहक सेवा में राजभाषा हिन्दी के महत्व को भली-भांति समझता है। इसी कड़ी में हिंदी माह-2024 में स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिनके विजेताओं को आज पुरस्कृत किया गया है।

भगवान श्री सहस्त्रार्जुन जी महाराज का जन्मोत्सव बड़े धूम-धाम से हर्षोल्लास से सारे देश में मनाया जा रहा है इसी संदर्भ में तेलंगाना में कल्चुरी संवर्गिया समिति द्वारा बीसी भवन हनुमान टेकडी हैदराबाद में पार्षद राकेश जायसवाल, अध्यक्ष अमरनाथ, कलवार जायसवाल सभा तेलंगाना के उपाध्यक्ष साईनाथ जायसवाल, भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष स्वरूप कुमार, भोपाल से पधारे रांझना सूर्यवंशी, कल्चुरी महीला समिति कोषाध्यक्ष भोपाल के.के. सूर्यवंशी, भोपाल कल्चुरी समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अजय मोटरिया, महिला विकास की अध्यक्ष दीपाशीष जायसवाल और भी मेंबर्स ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई है।

जाति जनगणना पर सीएम रेवंत रेड्डी का दोहरा मापदंड

पूर्व विधायक का बेबाक बयान

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जाति जनगणना पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दोहरे मापदंड उजागर हो रहे हैं, क्योंकि कई लोग उनके पुराने वीडियो साझा कर रहे हैं, जिसमें घरों द्वारा साझा किए गए विवरण के औचित्य और सुरक्षा पर सवाल उठाए गए हैं। पूर्व विधायक कलवकुंतला विद्यासागर राव द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में रेवंत रेड्डी, जब वे तेलुगु देशम पार्टी के नेता थे, लोगों द्वारा साझा किए गए विवरणों की सुरक्षा के बारे में सरकार से सवाल करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

रेवंत रेड्डी वीडियो में कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि आज राज्य सरकार कुछ अज्ञात लोगों को भेजकर बैंक खातों, बच्चों, संपत्तियों से संबंधित सभी विवरण मांग रही है। लोग इस तरह के विवरण अज्ञात लोगों के साथ कैसे साझा कर सकते हैं, क्या कोई समझदार व्यक्ति इस तरह का काम करता है? सरकार इस सर्वेक्षण को एक बड़ा काम मान रही है। यह वीडियो पहले से ही विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है।

बीआरएस प्रवक्ता पुट्टा विष्णुवर्धन रेड्डी द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक अन्य वीडियो में, मुख्यमंत्री यहां कांग्रेस के राज्य स्तरीय परामर्श को संबोधित करते हुए कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि एक अगड़ी जाति के सदस्य होने के नाते, आप जाति जनगणना कैसे लागू कर सकते हैं। मैंने कहा कि मेरे नेता ने जाति जनगणना कराने के लिए राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी है, मुझे प्रतिबद्ध होना है और आचरण करना है और मुझे सामाजिक न्याय करना है क्योंकि मेरे नेता ने प्रतिबद्ध किया है।

फांसी लगाकर युवक ने आत्महत्या की

आसिफाबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजामपेट कॉलोनी में गुरुवार की रात करीब 8:00 बजे राजशेखर (22) नामक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

राजशेखर प्राइवेट जॉब करता था लेकिन 1 साल से वह प्राइवेट जॉब छोड़ दिया और घर पर ही रह रहा था। गुरुवार के शाम को जब उसके माता बहन ने उसका दरवाजा खटखटाया तो वह दरवाजा नहीं खोला। तब उनकी मां और बहन ने पास की दरवाजे से देखा तो वह फांसी पर लटका हुआ था। आनंद फानन में मां और बहन ने कमरे के भीतर जाकर देखा तो जब तक उसकी जान चली चुकी थी। घटनास्थल पर आसिफाबाद पुलिस इंस्पेक्टर राजेश्वर ने जाकर जांच पड़ताल की और मामला दर्ज किया।

श्री विष्णु महायज्ञ एवं सत्संग-भजन कार्यक्रम

अन्नकूट प्रसाद का आयोजन कल रविवार को होगा

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा श्री विष्णु महायज्ञ एवं दिव्य सत्संग-भजन कार्यक्रम का आयोजन शुरू हो गया है जो 13 नवंबर तक चलेगा। उक्त कार्यक्रम हिमायत सागर रोड कोतवाल गुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर में किया गया है।

आयोजक श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री अयोध्याजी से पधारे पूज्य श्रीश्री 108 स्वामी गोपालाचार्यजी द्वारा किये जा रहे चातुर्मास के समापन के अवसर पर श्री विष्णु महायज्ञ एवं दिव्य सत्संग भजन, संगीतमय रामचरित मानस अखंड पाठ, अन्नकूट, छप्पन भोग का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञाचार्य डॉ. राधाकांताचार्य स्वामी होंगे। धर्मप्रेमियों से यजमान बनकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 12 एवं मध्याह्न 3 से शाम 6 बजे तक पूजन, हवन एवं रात्रि में भजन सत्संग का कार्यक्रम होगा। 9 नवंबर को सुबह 9 से 10 बजे तक संगीतमय रामचरितमानस अखंड पाठ होगा। 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे अन्नकूट दर्शन एवं प्रसाद वितरण होगा। 13 नवंबर को श्री विष्णु महायज्ञ का विश्राम होगा। महा भंडारा दोपहर 12 बजे से रहेगा। इस पुनीत कार्य में मंदिर के पंडित लाल शुक्ला महाराज, पंडित विनीत शुक्ला महाराज सहित पंकज, सोनाली वर्मा एवं भक्तगण उपस्थित थे।

उगते सूरज को अर्घ्य के साथ महापर्व छठ का समापन

घाटों पर उमड़े श्रद्धालु, पारण के साथ खत्म हुआ 36 घंटे का निर्जला उपवास

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन हो गया। 4 दिनों तक चलने वाले छठ के पारण के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म हो गया। आज सुबह 3 बजे से ही घाटों पर छठ व्रतियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। तालाबों पर बने घाट पर जाकर व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। मान्यताओं के मुताबिक, सूर्य षष्ठी का व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य और संतान के लिए रखा जाता है। इससे पहले महापर्व के तीसरे दिन यानी गुरुवार को व्रतियों ने अस्ताचलगामी (डूबते हुए) सूर्य को अर्घ्य दिया। कई लोगों ने घरों की छत पर ही छठ पूजा मनाई। पिछले कई दिनों से चला आ रहा यह त्योहार आज शहर के सभी बतुकम्मा एवं अन्य घाटों पर उदयाचल सूर्य पूजा के साथ संपन्न हुआ।

बिहार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि शहर के सभी बतुकम्मा घाटों पर महापर्व छठ पूजा का भव्यता से आयोजन कराया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उपाध्यक्ष उत्तम यादव एवं उनके कार्यकारिणी मंडल के सदस्यों का व्रतियों के लिए किया गया प्रयास सराहनीय रहा।

आंनदबाग बतुकम्मा घाट पर छठ पूजा संपन्न :

इसी तरह बिहार सहयोग समिति और नॉर्थ पीपल्स एसोसिएशन ने द्वारा बंडा चेरुवु बतुकम्मा घाट आनंद बाग, सफिलगुड़ा में महापर्व छठ श्रद्धा और धूमधाम के संपन्न हुई। हजारों के संख्या में श्रद्धालु और दूसरे दिन सुबह पांच बजे अपने घर से अपने परिवार के साथ आकर पहले दिन डुबते सूर्य को अर्घ्य दिए दुसरे दिन सुबह पांच बजे से पानी में ठहर कर उगते सूर्य उगने पर भगवान को अर्घ्य दिया। इस मौके पर बिहार का प्रसाद ठेकुआ सभी को वितरण किया गया।

इस मौके पर केन्द्रीय समिति जयंत यादव अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष मनोज यादव, सचिव सागर भगत, पूर्व सचिव राजनारायण सिंह, मनोज भगत, नवीन बिहारी, सुनील भगत, अजय कुमार सिंह, दिनेश यादव आदि बडी संख्या में मौजूद थे।

श्री रामा जीवा सेवा सदन में अन्नकूट महाप्रसाद आज

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नंदीगाम पटेनचेरू स्थित श्री रामा जिवा सेवा सदन (गौशाला) में अन्नकूट महाप्रसाद गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला के अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद एवं प्रचार प्रसार संयोजक राजेश तापडिया ने बताया कि शनिवार को श्री रामा जिवा सेवा सदन (गौशाला) में गोपाष्टमी महोत्सव एवं अन्नकूट महाप्रसाद के तहत छप्पन भोग व गोवर्धन दर्शन एवं गौमाता के लिए निर्मित नये भवन का उद्घाटन, सुंदरकांड पारायण, भजन कार्यक्रम एवं मध्याह्न 12.31 बजे से अन्नकूट महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप वीरा बोम्मा श्रीनिवास गुप्ता, विशेष अतिथि कोन्डा विजय से गौशाला के पदाधिकारीयो ने भेट कर कार्यक्रम में पधारने हेतु आमंत्रित किया गया।

उन्होंने आगे कहा फिल्म निदेर्शक अभिषेक अग्रवाल, सम्माननीय अतिथि के रूप में लव फाऊ काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, भारतीय प्राणीमित्र संघ के अध्यक्ष जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, गोवत्स फाऊंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड आदि भाग लेंगे।

सहस्त्रार्जुन राजा राजेश्वर महाराज जयंती पर अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन एसएसके समाज रहीम पुरा हैदराबाद के सदस्यों द्वारा किया गया। नागरी लक्ष्मी नारायण, नागरी सुरेंद्र, पुजारी राजेश्वर सवाजी, एच. कुमार, श्रीगिरि गोपाल कृष्ण, ओमकारी धनराज, एच. सुरेश, टैंक. श्रीनिवास, गणपत पवार आदि ने पूजा-अर्चना की।

आरटीए परिसरों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिकारियों की आलोचना

कुमराम भीम आसिफाबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अजीब नियम के तहत पिछले कुछ दिनों से अजनबियों, आवेदकों के दोस्तों और परिवार के सदस्यों को आसिफाबाद स्थित क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के कार्यालय में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। कार्यालय परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध के कारण उन्हें धूप में खड़े रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

आरटीए का कार्यालय प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए वाहनों का पंजीकरण करता है तथा आवेदकों को ड्राइविंग और लर्नर्स लाइसेंस जारी करता है। यह विभिन्न वाहनों की फिटनेस, प्रमाण-पत्रों का हस्तांतरण और पंजीकरण भी जारी करता है। यह ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदकों के लिए ऑनलाइन टेस्ट और ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदकों के लिए ड्राइविंग टेस्ट आयोजित करता है। ड्राइविंग लाइसेंस और लर्नर्स लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों के मित्र और परिवार के सदस्य धूप में खड़े होकर आवेदन जमा करने को मजबूर हैं। उनमें से कुछ लोग आरटीए कार्यालय में प्रवेश करने के लिए प्रतिबंधों के कारण छाता और पानी की बोतल लेकर आ रहे हैं।

नए गन्ना कारखाने से खत्म होंगी किसानों की समस्याएं

संगारेड्डी, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गन्ना किसानों का वर्षों का संघर्ष अब समाप्त होने वाला है, क्योंकि शुक्रवार को जहीराबाद क्षेत्र में एक और गन्ना मिल ने पेराई कार्य शुरू कर दिया है। कोठूर-बी में स्थित मौजूदा ट्राइडेंट शुगर्स ने गन्ना किसानों को संकट में डाल दिया था क्योंकि यह गन्ना खरीदने के बाद किसानों को समय पर भुगतान करने में विफल रही थी। सरकार और अधिकारियों को कंपनी से किसानों को बकाया भुगतान करवाना मुश्किल हो गया था। इतने संघर्षों के बाद, राज्य के इन हिस्सों के किसानों ने अपनी गन्ने की फसल को संगारेड्डी, कामारेड्डी, वानापर्थी, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अन्य हिस्सों में ले जाना शुरू कर दिया था। अब रेगोडे मंडल के मटूर में एक नई गन्ना फैक्ट्री गोदावरीगंगा एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार से काम करना शुरू कर दिया है। कंपनी प्रबंधन ने जिले के जहीराबाद, रायकोडे, न्यालकल, झारसंगम, वट्टीपल्ली और अन्य स्थानों के कई गन्ना किसानों के साथ उनकी उपज खरीदने के लिए समझौते किए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

अगर मैंने किसी ...

हम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते थे और ये अनुभव जीवन को एक नया दृष्टिकोण देते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं आज बहुत कुछ सीखा हूं। कोई भी मामला पहले के मामले जैसा नहीं होता। अगर कोर्ट में किसी कोई तकलीफ पहुंची हो तो मैं विनम्रतापूर्व माफी चाहता हूं। अंत में धन्यवाद देते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आप सभी का दिल से धन्यवाद, आप इतनी बड़ी संख्या में यहां आए। इसके लिए मैं सदा कृतज्ञ रहूंगा।

तिरुपति लड्डू विवाद ...

पॉल ने अपनी जनहित याचिका में कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू द्वारा लगाए गए आरोपों से श्रद्धालुओं में गंभीर चिंता पैदा हो गई है और इस प्रसाद की पवित्रता धूमिल हुई है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और मौलिक धार्मिक अधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डाला गया है, जो धर्म का अभ्यास और प्रचार करने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

मूसी प्रदूषण परमाणु ...

उन्होंने कहा कि मोदी गुजरात को ठीक कर सकते हैं लेकिन हम मुसी को ठीक नहीं कर सकते है। यह मेरा जन्मदिन नहीं है।

यहाँ आकर मेरा जन्मदिन धन्य हो गया। कीचड़ हम साफ़ करके ख़त्म कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन लोगों के नाम बताएं जो बुलडोजर को रोकना चाहते हैं। अगर तुम हमारे नलगोंडा के लोगों के साथ नहीं आओगे और बुलडोजर नहीं चला तो मैं नाम बदल दूंगा। मुख्यमंत्री ने चुनौती देते हुए कहा कि बिल्ला सेक्टर बुलडोजर रोकने की बात कर रहे हैं, हिम्मत है तो तारीख बताओ। हम अपने वेंकन्ना को बुलडोजर पर चढ़ाएंगे और हम अपने विधायक के साथ झंडा लहराएंगे। अगर आपको केवल तीन महीने के लिए जेल जाने पर दुख होता है, तो क्या आपको परवाह नहीं है कि मुसी के बच्चों की जान चली जाए? क्या नलगोंडा के लोगों ने आपको वोट नहीं दिया, केसीआर? उन्होंने कहा कि नलगोंडा जिला पुरुषों की भूमि है। यदि वे मुसी की सफाई में बाधा डालते हैं, तो उन्हें मुसी में दफनाया जाएगा। वे मुसी विकास को उनके भ्रष्टाचार और शोषण के लिए रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुसी का पुनर्जागरण होगा। आज की पदयात्रा का सिर्फ ट्रेलर.. असल फिल्म तो आगे है। जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में वडापल्ली से हैदराबाद तक पदयात्रा शुरू होगी। बिल्ला रंगा आना चाहिए.. देखते हैं यहां वाले आएंगे या नहीं.. कमर में रस्सी बांध कर मुसी में डुबा देंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हनुमान कप हॉकी प्रतियोगिता : स्पोर्ट्स कॉलेज और लखनऊ हॉस्टल फाइनल में

साई सेंटर और यूपी पुलिस की चुनौती टूटी

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और लखनऊ हॉस्टल ने अपने मुकाबले जीतते हुए हनुमान कप राज्य हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। स्पोर्ट्स कॉलेज ने यूपी पुलिस को 2-0 और लखनऊ हॉस्टल ने साई सेंटर को 4-3 से पराजित किया। पदमश्री मो. शाहिद हॉकी स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल में स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ और यूपी पुलिस के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं दाग सकी। दूसरे क्वार्टर में मो. दानिश ने साथी खिलाड़ी के पास को गोल में बदल कर स्पोर्ट्स कॉलेज को 1-0 की बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में यूपी पुलिस ने आक्रमण तेज किये और कई शानदार मूव बनाये, लेकिन कॉलेज के रक्षापंक्ति को पार नहीं कर सके। चौथे और अंतिम क्वार्टर में स्पोर्ट्स कॉलेज के मो. दानिश ने एक बार फिर पुलिस की रक्षापंक्ति में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल की और शानदार गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई जो कि अंत तक कायम रही।

प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में लखनऊ हॉस्टल और साई सेंटर के बीच बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ। मैच का पहला गोल साई के प्रशांत शुक्ला ने छठे मिनट में किया। यह बढ़त ज्यादा देर नहीं रही। 14वें मिनट में लखनऊ छात्रावास को पेनाल्टी कार्नर का मौका मिला, जिसे सिद्धांत सिंह ने गोल में बदलकर हिसाब बराबर किया। 18वें मिनट में एक बार फिर से सिद्धांत ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदल कर हॉस्टल को 2-1 की बढ़त दिलाई।

इस बार साई के आशु मौर्या ने 21वें मिनट में गोल कर हिसाब 2-2 से बराबर किया। इसके बाद लखनऊ हॉस्टल के केतन कुशवाहा ने खेल के 36वें मिनट में गोल करते हुए स्कोर 3-2 कर दिया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-एक गोल किये। हॉस्टल की ओर से 59वें मिनट में फहद और कुछ ही सेंकड बाद साई सेंटर ने आशू मौर्या ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल किया। इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और लखनऊ हॉस्टल ने 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया।

टीम इंडिया में यशस्वी जायसवाल के बड़े भाई की होगी एंट्री!

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। क्या आप भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए सितारे यशस्वी जायसवाल के भाई तेजस्वी जायसवाल के बारे में जानते हैं? तेजस्वी जायसवाल उम्र में यशस्वी जायसवाल से तकरीबन 4 साल बड़े हैं. यशस्वी जायसवाल घेरलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं. वहीं, तेजस्वी जायसवाल घेरलू क्रिकेट में त्रिपुरा के लिए खेलते हैं. पिछले महीने तेजस्वी जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी डेब्यू किया. मेघालय के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में तेजस्वी जायसवाल महज 13 रन बना सके. इसके बाद मुंबई के खिलाफ सस्ते में पवैलियन लौट गए, लेकिन अब उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ शानदार पारी खेल फैंस का ध्यान खींचा है. बड़ौदा के खिलाफ तेजस्वी जायसवाल ने 60 गेंदों पर पचास रनों का आंकड़ा पार किया. हालांकि, वह अपने पहले शतक से चूक गए.

कोरिया मास्टर्स : किरण जॉर्ज जापान के ताकुमा ओबयाशी पर जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे

इक्सान सिटी, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने कोरिया मास्टर्स में अपनी शानदार जीत का सिलसिला जारी रखा और जापान के ताकुमा ओबायाशी को हराकर पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। शुक्रवार को हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी ने ओबायाशी को सीधे सेटों में 21-14, 21-16 से मात्र 39 मिनट में हराया। ओबायाशी के खिलाफ अपने चौथे मुकाबले में भी जॉर्ज ने अजेय रिकॉर्ड बनाए रखा। पहले गेम में 24 वर्षीय किरण ने 5-1 की बढ़त ली और मिड-गेम ब्रेक तक इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। उन्होंने 21-14 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में वर्ल्ड नंबर 44 जॉर्ज ने जोरदार खेल दिखाया। जापानी खिलाड़ी के शुरुआती संघर्ष के बावजूद किरण ने 11-8 की बढ़त बना ली और उसे बनाए रखते हुए 21-16 से मैच जीत लिया।

अब जॉर्ज, जो बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं, शनिवार को सेमीफाइनल में नंबर एक सीड थाईलैंड के कुनलावुत विटिड्सर्न का सामना करेंगे। इससे पहले, किरण जॉर्ज ने चीनी ताइपे के तीसरे सीड ची यू जेन को 21-17, 19-21, 21-17 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था।

दूसरा अनऑफिशियल टेस्टः ऑस्ट्रेलिया-ए पहली पारी में 223 पर ऑलआउट

मेलबर्न, 8 नवंबर (एजेंसियां)। इंडिया-ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया-ए मेलबर्न में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहली पारी 223 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने इसके बाद 62 रन की बढ़त हासिल की थी। शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया-ए ने दूसरी पारी में 73 रन बनाने में ही 5 विकेट गंवा दिए। इंडिया-ए के लिए दूसरी पारी में अभिमन्यु ईश्वरन 17, ऋतुराज गायकवाड 11, केएळ राहुल 10, साई सुदर्शन 3 और देवदत्त पडिक्कल 1 रन बनाकर आउट हुए। ध्रुव जुरेल 19 और नीतीश रेड्डी 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए ब्यू वेबस्टर और नाथन मैकएंड्रयू ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया-ए की पहली पारी में ओपनर मार्कस हेरिस ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए। विकेटकीपर जिमी पीटरसन ने 30 और कोरी रोचिसियोली 35 रन का योगदान दिया। नाथन मैक्सएंड्रियू 26 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट चटकाए।

राज्य सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता : झांसी को हराकर लखनऊ सेमीफाइनल में, अंतिम चार की तस्वीर साफ

लखनऊ, 8 नवंबर (एजेंसियां)। मेजबान लखनऊ ने झांसी को 8-1 से करारी मात देते हुए जमनलाल शर्मा मेमोरियल राज्य सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य मुकाबलों के तहत गाजीपुर, करमपुर और प्रयागराज की टीमों ने जीत दर्ज करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। चंद्रभान गुप्त मैदान में खेली जा रही प्रतियोगिता के दूसरे क्वार्टर फाइनल में लखनऊ का सामना झांसी से हुआ।

एकतरफा मुकाबले का पहला गोल झांसी के नाम रहा। इसके बाद लखनऊ के खिलाड़ियों ने धमाकेदार वापसी की और एक के बाद एक आठ गोल ठोककर मुकाबला एकतरफा बना लिया। विजेता टीम से कप्तान शिवांशु, आमिर अहमद और अनस अंसारी ने दो-दो गोल ठोके, जबकि रियाज और मो. शाहिद एक-एक गोल करने में सफल रहे। दिन के दूसरे मुकाबले में करमपुर ने भदोही को 4-0 से पराजित किया। यह मुकाबला भी एकतरफा रहा, जिसमें करमपुर के खिलाड़ियों ने दबदबा कायम किया। मैच के दौरान करमपुर की ओर से जॉनसन ने दो और राज व शिवम ने एक-एक गोल किए। दिन के तीसरे क्वार्टर फाइनल में गाजीपुर ने रामपुर को 4-0 से करारी मात दी। मुकाबले की शुरुआत से ही गाजीपुर के खिलाड़ी हावी हो गए, जो अंत तक कायम रहा। मैच के दौरान विजेता टीम से कृष सिंह, प्रसंज, राज मौर्या और निकेत बिंद ने एक-एक गोल किए। दिन के आखिरी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रयागराज ने विवेक अकादमी वाराणसी पर 1-0 से रोमांचक जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों का आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खेल के 14वें मिनट में अनिकेत ने साथी खिलाड़ी के पास पर गोल करते हुए प्रयागराज को 1-0 से बढ़त दिलाई। एक गोल से पिछड़ने के बाद विवेक अकादमी ने हमलों की झड़ी लगा दी लेकिन प्रयागराज की सजग रक्षापंक्ति के आगे उनकी एक भी नहीं चली। अंत में प्रयागराज ने 1-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

दूसरा वनडेःपाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 163 रन पर समेटा

स्पोर्ट्स डेस्क, 8 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 163 रन पर ऑलआउट कर दिया है। यह ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे छोटा स्कोर है। पाकिस्तान के नए कप्तान मोहम्मद रिजवान ने एडिलेट में खेले जा रहे मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। टीम के गेंदबाजों ने इस फैसले को बिल्कुल सही साबित कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 5 विकेट झटके। शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट लिए। नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को 1-1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया एक बदलाव के साथ उतरी

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 में जोश हेजलवुड को सॉन एबट की जगह मौका मिला। पाकिस्तान के तेज गेदबाज नसीम शाह को क्रैम्प की वजह से पहले वनडे में मैदान छोड़ना पड़ा था, वे इस मैच में फिट होकर खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया था। टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। सोमवार को मेलबर्न में खेले गए पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया था। पाक टीम 46.4 ओवर में 203 रन पर सिमट गई। जवाब में कंगारू टीम ने 33.3 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगी

बीसीसीआई ने सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की, टीम अपने मैच दुबई में खेलना चाहती है

स्पोर्ट्स डेस्क, 8 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भेजे गए एक लेटर में अपने फैसले के पीछे सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया है। बोर्ड ने अपने सभी मैच दुबई में खेलने की इच्छा जताई है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा, यह हमारा फैसला है। हमने पीसीबी को लेटर लिखकर अपने मैच दुबई में कराने को कहा है। चैंपियंस ट्रॉफी ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगी। इस इवेंट के मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में हो सकते हैं।

मुंबई में आतंकी हमले के कारण 16 साल से पाकिस्तान नहीं गया भारत

भारतीय टीम ने 2007-08 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। 2008 में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया। तब से दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी के टूर्नामेंट में ही खेलती हैं। 2013 के बाद से दोनों टीमें 13 वनडे और 8 टी-20 मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेल चुकी हैं।

पिछले साल ओडीआई वर्ल्ड कप खेलने भारत आया था पाकिस्तान

पाकिस्तान की टीम पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। तब इंडिया और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को मुकाबला खेला गया था। इस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीता था। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी जमाई थी। जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

भारत-पाकिस्तान आखिरी द्विपक्षीय सीरीज...

भारत का पाकिस्तान दौरा टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे।

पाकिस्तान का भारत दौरा पाकिस्तानी ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे में 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

पाकिस्तान को मिली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी

चैपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू और शेड्यूल का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट अगले साल फरवरी-मार्च में खेला जाना है। ड्राफ्ट के मुताबिक, भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। शेड्यूल के मुताबिक भारत के तीन मैच 20 फरवरी (बांग्लादेश से), 23 फरवरी (पाकिस्तान से) और 2 मार्च (न्यूजीलैंड से) को होने हैं। भारत के सभी मैच लाहौर में खेले जा सकते हैं।

पाकिस्तान को एशिया कप की मेजबानी मिली, भारत के मैच श्रीलंका में हुए

पिछले साल एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। तब भी भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद यह टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' पर हुआ था। भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। कोलंबो में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर चैंपियनशिप जीती थी।

अल्जारी जोसेफ पर 2 मैच का प्रतिबंध, कप्तान से बहस की

मैदान भी छोड़ा था, विंडीज टीम 10 फील्डर्स के साथ खेलती रही

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ 2 मैच के लिए बैन कर दिए गए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने फील्ड प्लेसमेंट को लेकर कप्तान शाई होप के साथ बहस करने के लिए उन पर प्रतिबंध लगाया है। 27 साल के तेज गेंदबाज जोसेफ मैच के बीच में मैदान छोड़कर बाहर भी चले गए थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने गुरुवार को एक बयान में कहा- जोसेफ का व्यवहार सीडब्ल्यूआई के प्रोफेशनलिज्म के स्टैंडर्ड के अनुरूप नहीं था। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट डायरेक्टर माइल्स बैसकॉम्ब ने कहा, 'अल्जारी का व्यवहार क्रिकेट वेस्टइंडीज की कोर वैल्यू के अनुरूप नहीं था। इस तरह के व्यवहार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।'

जोसेफ ने कप्तान, टीम और फैंस से माफी मांगी

सीडब्ल्यूआई के स्टेटमेंट में जोसेफ के माफीनामे को भी शामिल किया गया, इसमें जोसेफ के हवाले से कहा गया, 'मैं मानता हूं कि मेरे जुनून मुझ पर हावी हो गया। मैंने कप्तान शाई होप और अपने साथियों और प्रबंधन से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगी है। मैं वेस्टइंडीज के प्रशंसकों से भी अपनी ईमानदारी से माफी मांगता हूं, यह समझें कि निर्णय में थोड़ी-सी भी चूक का दूरगामी प्रभाव हो सकता है और मुझे किसी भी निराशा के लिए गहरा खेद है।

क्या है पूरा मामला?

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को वेस्टइंडीज-इंग्लैंड तीसरे वनडे के दौरान कप्तान शाईं होप से बहस करते देखा गया। वे कप्तान शाईं होप द्वारा सेट की गई फील्डिंग से सहमत नहीं थे, जब उन्होंने कप्तान से इसे बदलने की बात कहीं तो होप ने मना कर दिया। जिससे वे गुस्सा होकर मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद एक ओवर तक 10 फील्डर्स के साथ वेस्टइंडीज टीम खेलती रही। हालांकि, बाद में वे मैदान पर वापस आ गए।

अफगानिस्तान के सबसे बड़े खिलाड़ी ने किया संन्यास का ऐलान, चैंपियंस ट्रॉफी होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नबी आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। यह खबर क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ी खबर है। नबी ने खुद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपने इस फैसले की जानकारी दी है। 39 साल के मोहम्मद नबी ने 2019 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालाँकि, वह अभी भी टी20 क्रिकेट में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे।

नबी ने बोर्ड को दी जानकारी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नसीब खान ने क्रिकबज को इस बात की पुष्टि की है। नसीब खान ने बताया, 'नबी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास ले रहे हैं और उन्होंने बोर्ड को अपनी इच्छा के बारे में बता दिया है। उन्होंने मुझे कुछ महीने पहले बताया था कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने वनडे करियर का अंत करना चाहते हैं और हम उनके फैसले का स्वागत करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद जो मैं समझता हूं वह यह है कि उनसे अपने टी20 करियर को जारी रखने की उम्मीद है।'

डेब्यू वनडे में ठोकी थी फिफ्टी

मोहम्मद नबी ने 2009 में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान के लिए अपना पहला वनडे मैच खेला था और अपने डेब्यू मैच में ही अर्धशतक जड़कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। नबी ने 165 वनडे मैचों में 27.30 की औसत से 3549 रन बनाए हैं और 171 विकेट भी अपने नाम किए हैं। शारजाह में बांग्लादेश के खिलाफ चल रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में, नबी ने 82 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम में अहम भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तान में है चैंपियंस ट्रॉफी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को होगी जबकि फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम पाकिस्तान जाने के मूड में नहीं हैं। ऐसे में टूर्नामेंट का आयोजन हाईब्रिड मॉडल पर किया जा सकता है।

कानपुर की आउट फील्ड को खराब रेटिंग, डिमेरिट पॉइंट भी

दुबई, 8 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम की आउट फील्ड को खराब रेटिंग दी है। इतना ही नहीं, स्टेडियम के खाते में एक डीमेरिट पॉइंट भी जुड़ गया है। हालांकि, काउंसिल ने ग्रीन पार्क की पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। यहां भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मुकाबला खेला गया था, जिसे भारतीय टीम ने महज ढाई दिनों के खेल में 7 विकेट से जीत लिया था। मुकाबले के पहले दिन 35 ओवर का ही खेल हो सका था।

कैंडी में लंका टी10 सुपर लीग का पहला संस्करण खेला जाएगा

कोलंबो, 8 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के प्रमुख स्थलों में से एक, प्रतिष्ठित पहाड़ी राजधानी कैंडी में लंका टी10 सुपर लीग का पहला संस्करण खेला जाएगा। तदनुसार, टूर्नामेंट के सभी मैच 12 से 22 दिसंबर तक कैंडी के पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

श्रीलंका के वार्षिक क्रिकेट कैलेंडर में सबसे नया जोड़ा गया लंका टी10 सुपर लीग, शीर्ष श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ-साथ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय सितारों के अलावा युवा और उभरते सितारों को भी शामिल करेगा। श्रीलंका पहले से ही लंका प्रीमियर लीग की मेजबानी कर रहा है, जो एक पेशेवर टी20 लीग है। इस टूर्नामेंट में छह टीमें- कोलंबो स्ट्राइकर्स, गैल मार्वल्स, हंबनटोटा बांग्ला टाइगर्स, जाफना टाइटन्स, कैंडी बोल्ट्स और नेगोम्बो ब्रेव्स -इस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी। श्रीलंका क्रिकेट ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रत्येक टीम में अधिकतम 17 खिलाड़ी और न्यूनतम 15 खिलाड़ी होंगे, जिनमें सात अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल होंगे। श्रीलंका के सबसे खूबसूरत स्थलों में से एक पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम ने 2010 में अपनी शुरुआत के बाद से सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी की है। इस मैदान पर तीन आईसी पुरुष 50 ओवर के विश्व कप मैच, नौ आईसीसी टी20 विश्व कप मैच और तीन वनडे एशिया कप मैच आयोजित किए गए हैं। यह स्थल, जो कैंडी बोल्ट्स का घर है, श्रीलंका क्रिकेट के चार उत्कृष्टता केंद्रों में से एक का आधार भी है, जो खेल के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

टीटीडी की तर्ज पर यादगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड के गठन का फैसला

सीएम ने यादगिरिगुट्टा मंदिर के विकास पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया है कि राज्य सरकार ने 'यादगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड' के गठन का फैसला किया है और अधिकारियों को टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) की तर्ज पर मंदिर बोर्ड की स्थापना के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। अपने जन्मदिन के अवसर पर, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यादाद्री भोंगीर जिले के यादगिरिगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर का दौरा किया और पीठासीन देवता की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने पुजारियों से वैदिक आशीर्वाद प्राप्त किया। बाद में उन्होंने भगवान श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के निवास स्थान- यादगिरिगुट्टा मंदिर के विकास पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा और तुम्माला नागेश्वर राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, संयुक्त नलगोंडा जिले के विधायक और सांसद और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि तिरुमला बोर्ड का पूर्ण अध्ययन करने के बाद यादगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड को टीटीडी के दर्जे के बराबर स्थापित किया जाना चाहिए और अधिकारियों को तकनीकी नवाचारों का लाभ उठाते हुए गोशाला में गोरक्षा के लिए एक विशेष नीति पेश करने का निर्देश दिया। यह याद दिलाते हुए कि पवित्र तीर्थ की पहाड़ी पर भक्तों के सोने की सुविधा पहले भी प्रदान की गई थी, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे उपाय करें और भक्तों के लिए पहाड़ी पर सोने की आवश्यक व्यवस्था करें। अधिकारियों को विमान गोपुरम के लिए सोने की परत चढ़ाने के काम में तेजी लाने और ब्रह्मोत्सव से पहले काम पूरा करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंदिर के विकास से संबंधित लंबित भूमि अधिग्रहण को पूरा करने का निर्देश दिया और इसके लिए आवश्यक धनराशि देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर में सभी लंबित कार्य निर्धारित अवधि में पूरे किए जाने चाहिए। अधिकारियों को मंदिर के विकास के लिए एक सप्ताह के भीतर पूरी जानकारी के साथ आना चाहिए। साथ ही, लंबित कार्यों और अन्य मुद्दों पर जल्द से जल्द एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी आधिकारिक अभिलेखों में यादाद्री का नाम बदलकर यादगिरिगुट्टा करने और दैनिक उपयोग में लागू करने का भी आदेश दिया।

फसल खरीद में देरी से परेशान सोया किसान ने की आत्महत्या की कोशिश

आदिलाबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ मंडल केंद्र में कृषि बाजार यार्ड में अधिकारियों द्वारा उसकी सोया फसल की खरीद में देरी से कथित रूप से उदास एक किसान ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। बोथ मंडल के कुचलापुर गांव के किसान एडमाला मोहन रेड्डी ने 4 दिन पहले सुविधा केंद्र में स्थानांतरित की गई सोया फसल की खरीद में देरी को लेकर कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष के साथ बहस की। इसके बाद उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

हालांकि, मौके पर मौजूद अन्य किसानों ने उसकी कोशिश को विफल कर दिया। मोहन रेड्डी ने कहा कि वे मार्कफेड के अधिकारियों द्वारा सोया फसल की खरीद में देरी से परेशान हैं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि अगर उपज चोरी हो गई तो कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने दावा किया कि वे पिछले चार दिनों से उपज की सुरक्षा के लिए यार्ड में ही रह रहे हैं।

तेलंगाना सरकार का हैदराबाद में जमात-ए-इस्लामी हिंद के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए समर्थन का वादा

मंत्री श्रीधर बाबू और मोहम्मद अली शब्बीर ने अधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी श्रीधर बाबू ने तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर के साथ मिलकर जमात-ए-इस्लामी हिंद के राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। 15 से 17 नवंबर 2024 तक चलने वाला यह अधिवेशन हैदराबाद के पहाड़ी शरीफ रोड पर वादी-ए-हुदा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूरे भारत से 12,000 से 15,000 प्रतिनिधियों के भाग लेने का अनुमान है।

इस अधिवेशन में अपेक्षित बड़ी संख्या में लोगों के आने के लिए आवश्यक रसद और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को तेलंगाना सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मंत्री श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं के लिए जिम्मेदार विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल थे। सरकार का उद्देश्य एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करना है। सम्मेलन के आयोजकों, जमात-ए-इस्लामी हिंद ने पहले तेलंगाना सरकार को एक औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया था, जिसमें राज्य के प्रमुख विभागों से सहायता मांगी गई थी। पत्र में, राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक अब्दुल जब्बार सिद्दीकी ने विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले परिवारों सहित प्रतिनिधियों की अपेक्षित आमद को प्रबंधित करने के लिए सरकारी सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए, कई विभागों को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पुलिस विभाग सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण का प्रबंधन करेगा, जबकि अग्नि सुरक्षा विभाग आग की रोकथाम और आपातकालीन तैयारियों की देखरेख करेगा। नगर प्रशासन विभाग स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के समर्थन को संभालेगा। तेलंगाना राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को निर्बाध बिजली प्रदान करने का काम सौंपा गया है और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड पानी और स्वच्छता सेवाओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

इस बीच, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम प्रतिनिधियों के लिए परिवहन की व्यवस्था करेगा, जिससे कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने सामाजिक सद्भाव और सांप्रदायिक एकता को बढ़ावा देने वाले आयोजनों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास सम्मेलन की सफलता में योगदान देंगे, जिससे सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के सलाहकार शब्बीर अली ने इन भावनाओं को दोहराते हुए जोर दिया कि इस तरह के आयोजन धार्मिक और सामाजिक समावेशिता के केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

छात्राओं के लिए साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जागरूकता और महिलाओं के खिलाफ अपराध पर एक कार्यक्रम पुलिस थाना फलकनुमा की सीमा में आयोजित किया गया प्रोग्रेस हाई स्कूल, इंजन बाउली में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीसीपी-दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद स्नेहा मेहरा रही। कार्यक्रम में शेख जहांगीर- एडिशनल डीसीपी, साउथ जोन, हैदराबाद, एम.ए. जावेद एसीपी, फलकनुमा डिवीजन, साउथ जोन, हैदराबाद, साइबर क्राइम विभाग के नरेश- पुलिस निरीक्षक, सीसीपीएस-टीम प्रसन्ना लक्ष्मी डीएसपी, धना लक्ष्मी- पुलिस निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। फलकनुमा पीएस स्टाफ द्वारा नागरिकों में साइबर अपराध धोखाधड़ी और महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिन-प्रतिदिन वृद्धि के बारे में जागरूकता लाने के निरंतर प्रयासों में, इंजन बाउली, फलकनुमा, हैदराबाद स्थित प्रोग्रेस हाई स्कूल में साइबर जागरूकता और महिलाओं के खिलाफ अपराध कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में साइबर अपराध में नवीनतम रुझानों पर प्रकाश डाला गया, जैसे पार्सल घोटाले, डिजिटल गिरफ्तारी, एपीके फ़ाइल धोखाधड़ी, ओटीपी और बैंक रिडीम पॉइंट घोटाले, अंशकालिक नौकरी और निवेश धोखाधड़ी, ट्रेडिंग घोटाले, नकली ऋण ऐप और सोशल मीडिया घोटाले। स्कूल के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को हेल्पलाइन नंबरों के बारे में शिक्षित करने के साथ-साथ, लड़कियों/महिलाओं के साथ किसी भी तरह की घरेलू हिंसा या छेड़छाड़ का सामना करने पर इस्तेमाल किए जाने वाले नंबरों के बारे में भी बताया गया और उन्हें सावधानियों के बारे में भी बताया गया, ताकि किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न का सामना करने पर उन्हें सावधानियों का पालन करना पड़े।

सर्वेक्षण के दौरान लोग पूरी सावधानी बरतें और सही जानकारी दें : बीसी आयोग

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आयोग ने कहा है कि सर्वेक्षण के दौरान लोग पूरी सावधानी बरतें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। आयोग के पदाधिकारियों ने कहा कि नियोजन विभाग और जिला कलेक्टरों को गणनाकर्ताओं द्वारा एकत्र की गई उत्तरदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए।

नियोजन विभाग द्वारा एकत्र की गई यह जानकारी बीसी आयोग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

यह जानकारी बीसी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने और भविष्य की कार्रवाई के लिए सुझाव देने में बहुत सहायक है। लोगों को इस मामले पर ध्यान देना चाहिए और जानकारी एकत्र करने के लिए आने वाले गणनाकर्ताओं के साथ हर तरह से सहयोग करना चाहिए।

यदि उनके द्वारा दी गई जानकारी में कोई त्रुटि या दुरूपयोग है, तो इसे जिला कलेक्टरों या बीसी आयोग के ध्यान में लाया जा सकता है ताकि मामले में उचित कार्रवाई की जा सके। सभी लोगों को सर्वेक्षण के लिए सही जानकारी प्रदान करनी चाहिए। नागरिक होने के नाते यह न्यूनतम जिम्मेदारी है। सर्वेक्षण में गलत जानकारी दर्ज करने वाले अधिकारी, गणनाकर्ता या लोग उनके खिलाफ गंभीर कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी हैं। आयोग इस संबंध में निष्पक्ष और सख्ती से काम करेगा।

डीसीएम ट्रक ने हाईवे कर्मचारी को कुचला

संगारेड्डी, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को अंडोले मंडल के अलमाइपेट में एनएच-161 पर लापरवाही से वाहन चलाने से एक हाईवे कर्मचारी की मौत हो गई। डीसीएम ट्रक के चालक ने सड़क के बीच में पौधों की छंटाई कर रहे मजदूर तलारी कृष्णय्या (50) को कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए जोगीपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। खबर है कि जोगीपेट पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शुक्रवार को खम्मम जिले के अनंतनगर, नेलाकोंडापल्ली मंडल में तेलंगाना संघीय कल्याण गुरुकुल स्कूल का दौरा किया और छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया।

संदिग्ध लकड़बग्घे के हमले में 40 भेड़ों की मौत

सिद्दीपेट, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्नाकोदुर मंडल के माचापुर गांव में गुरुवार रात संदिग्ध लकड़बग्घे के हमले में 40 भेड़ें मर गईं। मल्लेया नामक चरवाहे ने अपनी भेड़ों को गांव के बाहरी इलाके में एक शेड में रखा था। शुक्रवार की सुबह जब वह वापस लौटा तो उसने पाया कि 40 भेड़ें मर चुकी हैं और उनके शरीर पर कई चोटें हैं। कई अन्य भेड़ों को चोटें आई हैं। हालांकि पिछले वर्ष चिन्ना कोदुर मंडल के विभिन्न गांवों में भेड़ों पर बार-बार हमले की खबरें आईं, लेकिन वन अधिकारी जंगली जानवर को पकड़ने में सफल नहीं हो सके। एमपीपी माणिक रेड्डी ने सरकार से किसान को वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया क्योंकि हमले में उसे 4 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

जीएचएमसी के तहत घर-घर परिवार सर्वेक्षण जोरों पर

हैदराबाद, 8 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी में व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण जोरों पर चल रहा है। राज्य सरकार की ओर से कराया जाने वाला सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार, राजनीतिक और जातीय सर्वेक्षण छह नवंबर से पूरे राज्य में शुरू हो गया है। इस पृष्ठभूमि में, जीएचएमसी में पहले चरण में, प्रत्येक घर में परिवारों का विवरण गणनाकर्ता ब्लॉक में दर्ज किया जाता है और घर की संख्या और परिवार के मालिक के नाम के साथ 6वीं से 8वीं तक घरों की एक सूची तैयार की जाती है और स्टिकर लगाया जाता है घर की दीवारों पर चिपका दिया. अब तक 13,35,673 घरों को सूचीबद्ध किया जा चुका है और प्रत्येक घर पर स्टिकर लगाए जा चुके हैं। स्टीकर लगाने की प्रक्रिया शुक्रवार को समाप्त हो जाएगी। दूसरे चरण में 9 तारीख से व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण किया जाएगा। क्षेत्र स्तरीय सर्वेक्षण में प्रगणकों द्वारा परिवार के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार, राजनीतिक एवं जातीय सर्वेक्षण (व्यापक घरेलू सर्वेक्षण) पर एकत्रित आंकड़ों को कम्प्यूटरीकृत कर गोपनीय रखा जाता है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, सरकार द्वारा लागू योजनाओं में पात्र लोगों की पहचान करने के लिए उप और क्षेत्रीय आयुक्त समय-समय पर सर्वेक्षण की जांच करेंगे। इनके साथ ही 10 नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं।

नागरकर्नूल तेलंगाना के सांसद डॉ. मल्लू रवि ने शुक्रवार को एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.